जज बदलने की हाईकोर्ट में याचिका... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारत भाग्य विधाता में नर्स का... 11

वर्ष - 01, अंक - 343 | गाजियाबाद / मंगलवार 17 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

दो दिवसीय राजस्थान दौरे के दूसरे दिन गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रत्नेश्वर महादेव मंदिर में की पूजा-अर्चना, बोले

'जिन्होंने राम को नकारा, राम ने उन्हें नकार दिया'

एजेंसी

जालौर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय राजस्थान दौरे के दूसरे दिन सोमवार को जालौर के प्रसिद्ध सिरे मंदिर धाम में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया। जालोर की पहाड़ियों पर स्थित इस ऐतिहासिक तीर्थ स्थल पर उन्होंने रत्नेश्वर महादेव मंदिर की 375वीं वर्षगांठ के अवसर पर पूजा-अर्चना की और विशाल महायज्ञ में आहुति देकर पूणार्हुति की रस्म निभाई।

रात्रि विश्राम सिरे मंदिर धाम में करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिन की शुरूआत पूरी तरह आध्यात्मिक माहौल में की। सुबह करीब 7:30 बजे उन्होंने रत्नेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंत्रोच्चार और शंखनाद से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। योगी आदित्यनाथ ने भगवान महादेव से देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना करते हुए सिरे मंदिर धाम की आध्यात्मिक परंपरा और नाथ संप्रदाय की गौरवशाली विरासत को नमन किया।

सिरे मंदिर में आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धार्मिक आस्था और राम मंदिर के मुद्दे पर विपक्षी दलों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें भारत की धार्मिक आस्था को अंधविश्वास और रूढ़िवाद बताकर उसका मजाक उड़ाती थीं, जबकि भारत की असली ताकत उसकी आस्था और संस्कृति में निहित है। राम मंदिर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'जिन लोगों ने भगवान राम को ठुकराया और उनके अस्तित्व को नकारा, आज समय ऐसा आ गया है कि राम ने भी उन्हें नकार दिया है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अपनी सांस्कृतिक पहचान को नई ऊर्जा दी है। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि जब समाज एकजुट होकर खड़ा होता है, तो 500 वर्षों से लंबित समस्याओं का भी समाधान संभव हो जाता है।

बच्चों के साथ दिखा सहज अंदाज

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। श्री शांतिनाथ बालिका उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर के एक छात्र ने मंच से उनके साथ सेल्फी लेने की इच्छा जताई। योगी ने बच्चे को मंच पर बुलाकर उसके साथ सेल्फी ली और बच्चों को चॉकलेट भी बांटी। उनका यह सहज और स्नेहपूर्ण व्यवहार वहां मौजूद लोगों को काफी पसंद आया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय के नए भवन का अवलोकन भी किया और परिसर में अशोक का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

एकता और आध्यात्मिक शक्ति पर जोर

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराएं ही समाज को कठिन समय में भी जोड़कर रखने की ताकत देती हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक एकता ही राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि जातिवाद और सामाजिक विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दें। योगी ने कहा कि जाति केवल सामाजिक व्यवस्था का हिस्सा हो सकती है, लेकिन जातिवाद समाज के लिए घातक है।

जोधपुर से लखनऊ के लिए रवाना होंगे

कार्यक्रम के समापन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर करीब 11:55 बजे हेलीकॉप्टर से जोधपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। वहां से वे विशेष विमान के जरिए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए प्रस्थान करेंगे। उनके इस दो दिवसीय दौरे के दौरान जालोर और आसपास के क्षेत्रों में धार्मिक और राजनीतिक दोनों ही स्तरों पर खासा उत्साह देखने को मिला। प्रशासन की ओर से पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।

एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी का भंडाफोड़ 610 सिलेंडर बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बाहरी दिल्ली के मुंडका इलाके में एलपीजी सिलेंडरों की जमाखोरी और काले कारोबार के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई के दौरान एक गोदाम से कुल 610 एलपीजी सिलेंडर बरामद किए गए हैं, जिन्हें नियमों के खिलाफ एक ही जगह पर रखा गया था। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त संजीव यादव ने सोमवार को बताया कि क्राइम ब्रांच की एंटी-एक्सटॉर्शन एंड किडनैपिंग सेल यूनिट को गुप्त सूचना मिली थी कि मुंडका क्षेत्र में बड़ी संख्या में एलपीजी सिलेंडरों को अवैध रूप से जमा कर रखा गया है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मुंडका स्थित गुरुजी इंडेन गैस सर्विस के गोदाम पर छापा मारा। जांच के दौरान पाया गया कि यहां इंडेन के साथ-साथ भारत गैस और एचपी गैस कंपनियों के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर भी बड़ी संख्या में रखे हुए थे। छापेमारी के दौरान पुलिस ने कुल 610 सिलेंडर बरामद किए, जिनमें 197 भरे हुए और 392 खाली कमर्शियल सिलेंडर शामिल हैं, जबकि 21 छोटे आकार के सिलेंडर भी मिले। बरामद सिलेंडरों में 423 इंडेन, 92 भारत गैस और 95 एचपी गैस के सिलेंडर शामिल हैं।

अवैध कॉल सेंटर मामला: ईडी का पश्चिम बंगाल में 10 ठिकानों पर छापा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बार फिर अवैध कॉल सेंटर से जुड़े मामले में बड़ा अभियान शुरू किया है। जांच एजेंसी की टीम सोमवार सुबह से राज्य के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार, ईडी की टीमें सिलिगुड़ी, हावड़ा, बिधाननगर और दुर्गापुर सहित कुल 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। यह कार्रवाई अवैध कॉल सेंटर नेटवर्क से जुड़े एक मामले की जांच के सिलसिले में की जा रही है। जिन लोगों के ठिकानों पर तलाशी ली जा रही है उनमें सुरश्री कर, सम्राट घोष, शुभजीत चक्रवर्ती समेत अन्य लोग शामिल हैं। शिलिगुड़ी के हाकिमपाड़ा इलाके में स्वपन घोष के घर पर भी ईडी अधिकारियों ने छापा मारा है। बताया गया है कि स्वपन घोष पेशे से सोना व्यवसायी हैं और बिधान बाजार में उनका एक शोरूम भी है। ईडी सूत्रों के अनुसार, तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरणों की जांच की जा रही है।

ट्रैवलस्टैक टेक को आईपीओ के लिए सेबी से मिली अंतिम मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। फैबहोटल्स की मूल कंपनी ट्रैवलस्टैक टेक लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से आखिरी मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 17 दिसंबर, 2025 को सेबी के समक्ष अपने आईपी के लिए डॉफ्ट दस्तावेज जमा किए थे। सेबी के अनुसार ट्रैवलस्टैक टेक के प्रस्तावित आईपीओ में 250 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे।

एससीबी मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा आईसीयू में भीषण आग

10 मरीजों की मौत 11 कर्मचारी झुलसे

- मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने न्यायिक जांच के दिए निर्देश, मृतकों के परिजन को 25-25 लाख मुआवजा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में सोमवार तड़के ट्रॉमा केयर आईसीयू में भीषण आग लगने से कम से कम 10 मरीजों की मौत हो गई। कई अन्य मरीज गंभीर रूप से झुलस गए। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, आग सुबह करीब 2:30 बजे पहली मंजिल पर लगी। आशंका है कि बिजली का शॉर्ट सर्किट कारण हो सकता है, हालांकि आग का वास्तविक कारण जांच में पता चलेगा।

घटना की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी तुरंत घटनास्थल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने इस हादसे की न्यायिक जांच के निर्देश दिए हैं ताकि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मुख्यमंत्री ने परिजनों से की मुलाकात

मुख्यमंत्री ने अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अन्य मरीजों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर उनका उपचार जारी रखा जाए। इस घटना में मृतकों के निकट संबंधियों के लिए मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री राहत कोष से 25-25 लाख रुपये की अनुकंपा सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने अस्पताल में उपचाराधीन मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने जताया शोक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को ओडिशा के कटक स्थित अस्पताल में आग लगने की घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संदेश में कहा कि कटक के एक अस्पताल में हुई दुखद अग्निकांड की घटना में लोगों की मौत से वे गहरे दुखी हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि कटक के अस्पताल में हुई दुखद आग की घटना में बहुमूल्य जिंदगियों के नुकसान से वे अत्यंत दुखी हैं।

लाल किला धमाका मामला

दो आरोपी को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पटियाला हाउस कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज पीतांबर दत्त ने लाल किला ब्लास्ट मामले में गिरफ्तार तुफैल अहमद भट और जमीर अहमद अहंगर को 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। दोनों आरोपितों की सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत खत्म हो रही थी, जिसके बाद दोनों को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने 11 मार्च को दोनों को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था। 25 फरवरी को दोनों आरोपितों को जम्मू-कश्मीर की पुलिस दिल्ली में प्रोडक्शन वारंट पर लायी थी। उसके बाद से दोनों एनआईए की हिरासत में थे। एनआईए के मुताबिक, जमीर अहमद को उमर उन नबी, मुफ्ती इरफान और डॉक्टर अदील अहमद रतहर ने राइफल, पिस्तौल और जिंदा कारतूस उपलब्ध कराए थे।

चुनाव आयोग ने जारी की अधिसूचना

9 अप्रैल को असम, केरल, पुडुचेरी में विधानसभा में होंगे चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को असम, केरल एवं पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव और गोवा, कर्नाटक, नगालैंड एवं त्रिपुरा की पांच विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी। इसी के साथ इन क्षेत्रों में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गयी। चुनाव आयोग ने बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव और मुख्य चुनाव अधिकारियों को आचार संहिता (एमसीसी) तुरंत लागू करने के निर्देश दिए हैं। एमसीसी संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए केंद्र सरकार पर भी लागू होगा। आयोग ने सरकारी, सार्वजनिक और निजी संपत्ति से चुनावी डिफेसमेंट हटाने, सरकारी गाड़ी या घर का गलत इस्तेमाल रोकने और सरकारी खर्च पर विज्ञापन जारी करने पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। आयोग ने नागरिकों की निजता का रोकने के लिए आम लोगों के घरों के बाहर कोई प्रदर्शन या धरना देने पर रोक लगाई है। और मालिक की सहमति के बिना जमीन, इमारत या दीवारों का इस्तेमाल झंडे, बैनर या पोस्टर के लिए इस्तेमाल करने पर भी रोक लगाई है।

शिकायतों के लिए 1950 नंबर पर करे कॉल

आयोग ने शिकायतों के लिए आयोग ने एक मॉनिटरिंग सिस्टम बनाया है, जिसमें 1950 कॉल सेंटर नंबर का प्रयोग किया जाएगा। इसके जरिए आम नागरिक या राजनीतिक दल संबंधित जिला निर्वाचन अधिकारी या रिटर्निंग ऑफिसर के पास शिकायत दर्ज करा पाएंगे। शिकायतों पर 100 मिनट के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 5173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड और 5200 से अधिक स्टैटिक सर्विलांस टीम तैनात की गई हैं।

प्रचार के लिए अनुमति लेना होगा अनिवार्य

आयोग ने बताया कि राजनीतिक दलों को मीटिंग और जुलूस से पहले पुलिस अधिकारियों को सूचित करना होगा ताकि ट्रैफिक और सुरक्षा का इंतजाम किया जा सके। लाउडस्पीकर और अन्य सुविधाओं के लिए जरूरी अनुमति लेना अनिवार्य होगा। मंत्री चुनाव प्रचार के साथ आधिकारिक काम नहीं करेंगे और न ही सरकारी मशीनरी, परिवहन या लोगों का इस्तेमाल करेंगे।

सड़क हादसा: ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी कार

चार दोस्तों की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

- पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की शुरू जांच

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के मुंढापांडे थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह दिल्ली-लखनऊ राजमार्ग पर सड़क हादसे में चार दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी।

पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि सोमवार सुबह छह बजे मनकरा मोड़ के पास यह हादसा उस समय हुआ जब रामपुर से दिल्ली जा रही एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग फंस गए। सूचना मिलने पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। सभी को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूंढापांडे ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने चार युवकों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि हादसे में जिन युवकों की मौत हुई हैं, उनकी पहचान उत्तराखंड राज्य के नैनीताल निवासी दयाल सिंह रावत (58), हल्द्वानी के सुंदर सिंह (35), अल्मोड़ा के भुवन भंडारी (38) और हल्द्वानी के अनिल नेगी के रूप में हुई है। इस हादसे में कार चालक यशदीप पांडे घायल है, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रॉली का चालक भाग निकला। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारू कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार पांचों युवक दिल्ली में प्राइवेट कंपनी में काम करते थे और हल्द्वानी में एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद वापस दिल्ली जा रहे थे।

संसद में व्यवधान को लेकर देवेगौड़ा ने सोनिया को लिखा पत्र, कहा

लोकतंत्र की परंपराओं को नुकसान पहुंचा रहा है विपक्ष का आचरण

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व प्रधानमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य एचडी देवेगौड़ा ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र लिखकर संसद में लगातार हो रहे हंगामे और विपक्षी दलों के व्यवहार पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि संसद के भीतर और परिसर में जिस प्रकार का अव्यवस्थित माहौल बनाया जा रहा है, उससे लोकतंत्र की बुनियाद को नुकसान पहुंच सकता है और इससे दीर्घकालिक कटुता पैदा होने का खतरा है।

देवेगौड़ा ने सोमवार को लिखे अपने पत्र में कहा कि वे बजट सत्र की शुरूआत से ही सोनिया गांधी को पत्र लिखना चाहते थे, लेकिन उन्हें उम्मीद थी कि समय के साथ स्थिति सामान्य हो जाएगी। हालांकि अब तक कोई सुधार नहीं दिखने पर उन्होंने अपनी चिंता व्यक्त करना जरूरी समझा।

पूर्व प्रधानमंत्री ने लिखा कि संसद और उसके परिसर में मुख्य रूप से विपक्षी दलों द्वारा जिस प्रकार का अराजक माहौल बनाया जा रहा है, उससे वे बेहद व्यथित हैं। अनियंत्रित गतिविधियों और नकारात्मक माहौल का प्रभाव लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गंभीर रूप से पड़ सकता है।

पत्र में उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेता के नेतृत्व में कांग्रेस सांसदों द्वारा संसद के भीतर और बाहर अत्यधिक व्यवधान पैदा किया गया है। उन्होंने कहा कि संसद परिसर में धरना और रास्ता अवरुद्ध करना अभूतपूर्व है। हाल के समय में संसद में अत्यधिक नारेबाजी, पोस्टर प्रदर्शन और व्यक्तिगत टिप्पणियों जैसी घटनाएं देखने को मिली हैं, जो संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत हैं।

देवेगौड़ा ने लिखा कि संसद और संसदीय लोकतंत्र के बारे में उनकी समझ देश के संस्थापक नेताओं जैसे पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. भीमराव आंबेडकर और मौलाना अबुल कलाम आजाद के मार्गदर्शन और शिक्षाओं से बनी है। अपने लंबे राजनीतिक अनुभव में उन्होंने संसद को इस तरह के अव्यवस्थित माहौल में पहले कभी नहीं देखा।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्ष की भूमिका निश्चित रूप से आसान नहीं होती और सरकार की कमियों तथा अन्यायों को उजागर करना उसकी जिम्मेदारी होती है, लेकिन इसके लिए एक स्थापित और समय-परीक्षित संसदीय तरीका है। विरोध के दौरान विपक्षी नेताओं को अपनी गरिमा और सदन की मयार्दा का ध्यान रखना चाहिए।

प्रतापगढ़ में धारदार हथियार से मां बेटे की हत्या

खून से लथपथ कमरे में मिले शव

एजेंसी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में अंतू थाना क्षेत्र अंतर्गत एक घर में मां-बेटे के रक्तरंजित शव सोमवार को कमरे में मिले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

अंतू थाना प्रभारी अभिषेक सिरोही ने बताया कि मृतक की पहचान पारा हमीदपुर गांव निवासी शिवपत्ती मौर्या (40) और उनके बेटे अयान (12) के रूप में हुई है। थानेदार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक महिला शिवपत्ती का पति दिनेश रोजी-रोटी के सिलसिले में घर से बाहर रहता है। आज (सोमवार) सुबह एक शटरिंग मिस्त्री जब मृतक महिला के घर के पास से गुजर रहा था, तो उसकी नजर खिड़की से अंदर पड़े शवों पर पड़ी। उसने तत्काल ग्रामीणों को इसकी सूचना दी, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। इस सूचना पर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका मुआयना किया। शुरूआती छानबीन में मां-बेटे की हत्या किसी धारदार हथियार से वार कर किए जाने की बात सामने आ रही है।

थानेदार ने बताया कि दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

दहेज उत्पीड़न मामले में 20 हजार की रिश्वत लेते दिल्ली पुलिस का एएसआई गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दिल्ली पुलिस की सतर्कता इकाई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शाहदरा जिले के गीता कॉलोनी थाने में तैनात सहायक उपनिरीक्षक रोहताश कुमार को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अधिकारी एक दहेज उत्पीड़न मामले की जांच कर रहा था और शिकायतकर्ता को सख्त कार्रवाई की धमकी देकर पैसे की मांग कर रहा था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शाहदरा निवासी एक व्यक्ति ने बाराखंबा रोड स्थित सतर्कता इकाई कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि उसकी पत्नी ने उसके खिलाफ दहेज मांग और उत्पीड़न का मामला गीता कॉलोनी थाने में दर्ज कराया है, जिसकी जांच एएसआई रोहताश कुमार के पास थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि रोहताश कुमार मामले में कड़ी कार्रवाई करने की धमकी देकर उससे रिश्वत की मांग कर रहा था। पहले आरोपी ने 40 हजार रुपये की मांग की थी, लेकिन बाद में बातचीत के बाद रकम घटाकर 20 हजार रुपये कर दी गई। शिकायत मिलने के बाद सतर्कता इकाई की टीम ने योजना बनाकर जाल बिछाया। तय समय और स्थान पर जैसे ही एएसआई रोहताश कुमार ने शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये की रिश्वत ली, टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान रिश्वत की राशि भी बरामद कर ली गई। इस मामले में सतर्कता थाना में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले की आगे की जांच जारी है। दिल्ली पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई भी पुलिसकर्मी या सरकारी कर्मचारी किसी कार्य के बदले रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तुरंत सतर्कता इकाई को दें, ताकि भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सके।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर समुदाय को भी मिलेगी बसों में मुफ्त यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सामाजिक समावेशन की दिशा में एक अहम फैसला लेते हुए ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा देने को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में लिए गए इस निर्णय के तहत दिल्ली में रहने वाले पात्र ट्रांसजेंडर व्यक्ति अब डीटीसी और परिवहन विभाग की क्लस्टर बसों में बिना किराया दिए यात्रा कर सकेंगे। यह व्यवस्था उसी तरह लागू की जाएगी जैसे वर्तमान में दिल्ली की बसों में महिला यात्रियों को मुफ्त यात्रा की सुविधा दी जाती है। सरकार का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय को सार्वजनिक परिवहन तक समान और सम्मानजनक पहुंच उपलब्ध कराना है, ताकि वे बिना आर्थिक बोझ के शहर में सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर सकें। अधिकारियों के अनुसार, योजना का संचालन और व्यवस्था महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा योजना के समान तंत्र के माध्यम से ही किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार एक समावेशी, न्यायसंगत और संवेदनशील दिल्ली के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहां हर नागरिक को सम्मान के साथ अवसरों और सार्वजनिक सेवाओं तक समान पहुंच मिल सके। यह निर्णय राष्ट्रीय राजधानी में सामाजिक न्याय को मजबूत करने और समावेशी शहरी परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यूपीएससी सिविल सेवा 2026 में चयनित प्रतिभाओं का भव्य अभिनंदन

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्री कृष्णा यादव महासभा द्वारा सोमवार को कांस्टीट्यूशन क्लब, रफी मार्ग में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2026 में चयनित प्रतिभाओं के सम्मान में भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों, अभिभावकों तथा सिविल सेवा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में लोकसभा सांसद योगेंद्र चांदोलिया, हरियाणा विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष संतोष यादव, वेदांता आईएएस अकादमी के चेयरमैन एस.पी. वर्मा, दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव तथा बीटीडब्ल्यू समूह के चेयरमैन सतीराम यादव भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अतिथियों ने सिविल सेवा में चयनित प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं का सिविल सेवा में चयन होना पूरे समाज के लिए गर्व की बात है। ऐसे आयोजन युवाओं को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संतोष यादव ने की। इस अवसर पर अरुण सिंह ने कहा कि सिविल सेवा में चयनित विद्यार्थियों के साथ उनके माता-पिता भी सम्मान के पात्र हैं, जिनकी मेहनत, मार्गदर्शन और संस्कारों ने बच्चों को इस मुकाम तक पहुंचाया है। कार्यक्रम के संयोजक तथा श्री कृष्णा यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महासभा भविष्य में भी समाज के प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहेगी। इस अवसर पर महासभा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव ने भी युवाओं को शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हुए मेहनत और अनुशासन को सफलता की कुंजी बताया।

गाय को कार में डालकर ले जाने की कोशिश

-न्यू अशोक नगर इलाके की घटना, टैक्सी चालक के टोकने पर आरोपी कार में सवार होकर भागे, शिकायत पर चोरी का प्रयास का मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के न्यू अशोक नगर इलाके में कार में गाय को जबरन डालकर ले जाने की कोशिश का मामला सामने आया है। टैक्सी चालक के टोकने पर गाय को छोड़कर आरोपी कार में सवार होकर भाग गए। टैक्सी चालक की शिकायत पर पुलिस ने चोरी के प्रयास का केस कर आरोपियों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। शामली के कुडाना गांव का रहने वाले 24 साल के हर्ष मलिक गाजियाबाद की खोडा कॉलोनी में किराये पर रहते हैं। वह पेशे से टैक्सी चालक हैं। न्यू अशोक नगर थाने में दर्ज प्राथमिकी में हर्ष ने बताया कि 12 मार्च की सुबह करीब 3.45 बजे वह अपनी टैक्सी लेकर खोडा कॉलोनी से नोएडा टी-पॉइंट की ओर जा रहे थे। इसी दौरान न्यू कोंडली के मंदिर-मस्जिद के पास मुख्य सड़क पर उन्होंने देखा कि एक होंडा सिटी कार खड़ी है। कार के पास तीन-चार लोग सड़क पर बैठी एक गाय को जबरन खींचकर कार में डालने की कोशिश कर रहे हैं। उनके गाय को कार में डालने का कारण पूछने पर आरोपी घबरा गए और सभी गाय को वहीं छोड़कर कार में बैठकर मौके से भाग गए। उन्होंने तुरंत पुलिस से शिकायत की।

रोहिणी में रेलवे ट्रैक पर सघन सफाई अभियान, 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली नगर निगम द्वारा राजधानी में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रोहिणी क्षेत्र में किराड़ी फाटक से नांगलोई तक रेलवे ट्रैक पर सघन सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान रोहिणी क्षेत्र की उपायुक्त ऋषिता गुप्ता सहित क्षेत्र के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। अभियान के दौरान रेलवे ट्रैक से लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। कुछ स्थानों पर जलभराव होने के कारण कर्मचारियों द्वारा हाथ से सफाई भी की गई, ताकि ट्रैक के आसपास जमा गंदगी को पूरी तरह हटाया जा सके। स्वच्छता अभियान के साथ ही उपायुक्त ऋषिता गुप्ता ने रोहिणी क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड संख्या 37, 38, 39 और 40 का दौरा किया तथा मैन मुबारकपुर रोड पर स्थित सीटीयू की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए उसे जल्द से जल्द साफ करने के निर्देश दिए। मुबारकपुर गांव के श्मशान के पास स्थित सीटीयू में सड़क से नीचा होने के कारण जलभराव की समस्या बनी रहती है। इस पर उपायुक्त ने अधिकारियों को जलभराव रोकने और सीटीयू की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कई गलियों की छोटी नालियां कचरे के कारण जाम पाई गईं, जिन्हें तुरंत साफ करने के निर्देश दिए गए। दिल्ली नगर निगम ने कहा कि राजधानी में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए निगम लगातार कार्ययोजनाओं पर काम कर रहा है। निगम प्रशासन ने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे कूड़ा इधर-उधर न फेंकें और कचरे को स्रोत पर ही अलग करके कूड़ा गाड़ी में डालें, ताकि दिल्ली को साफ और स्वच्छ बनाया जा सके।

इग्नू में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर वॉकाथॉन, प्रदर्शनी और विशेष व्याख्यान का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज, यौन उत्पीड़न निरोधक समिति और दूरस्थ शिक्षा नवाचार राष्ट्रीय केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. भीमराव आंबेडकर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देशभर के विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्रों तक किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित वॉकाथॉन से हुई, जो महिला सशक्तिकरण के प्रति एकजुटता और प्रतिबद्धता का प्रतीक बनी। इस वॉकाथॉन को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. उमा कंजीलाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इसके बाद कन्वेंशन सेंटर के लॉबी में 'स्वदेशी महिला उद्यमियों की भावना का उत्सव' विषय पर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि मुग्धा सिन्हा और कुलपति प्रो. उमा कंजीलाल ने किया। प्रदर्शनी में महिला उद्यमियों की उपलब्धियों तथा आत्मनिर्भरता और समावेशी विकास में उनके योगदान को प्रदर्शित किया गया।

अपने स्वागत भाषण में कुलपति प्रो. उमा कंजीलाल ने शिक्षा में लैंगिक समावेशन के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया है और यह संस्था देशभर की महिलाओं, विशेषकर वंचित वर्गों और दूरदराज के क्षेत्रों की महिलाओं को उच्च शिक्षा तक पहुंच उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 21 शिक्षण स्कूलों में से 15 का नेतृत्व महिला निदेशक कर रही हैं और संकाय, प्रशासन तथा शोध के क्षेत्र में भी महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय है।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मुग्धा सिन्हा का विशेष व्याख्यान रहा, जिसमें उन्होंने 'महिलाएं नेतृत्व की अग्रिम पंक्ति में' विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने महिलाओं के करियर विकास, अवसरों की समानता और परिणामों में न्यायसंगतता पर प्रकाश डालते हुए गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र की एक वृत्तचित्र फिल्म 'वीमेन राइज फॉर ऑल' का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें लैंगिक समानता के वैश्विक परिप्रेक्ष्य और उसके विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूल ऑफ जेंडर एंड डेवलपमेंट स्टडीज की निदेशक प्रो. अन्नू जे. थॉमस ने कार्यक्रम की विषयवस्तु और उद्देश्यों का परिचय देते हुए महिलाओं में नेतृत्व और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं समिति की अध्यक्ष डॉ. रंजिता पांडा ने विश्वविद्यालय में महिलाओं के लिए सुरक्षित और सहयोगी वातावरण सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान महिला उद्यमियों को उनके उत्कृष्ट योगदान और उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथि तथा कुलपति द्वारा प्रमाणपत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। अंत में प्रशासन प्रभाग के रजिस्ट्रार प्रो. जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, आयोजकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री से संत बालयोगी उमेशनाथ महाराज की भेंट, वाल्मीकि समाज के मुद्दों पर हुई महत्वपूर्ण चर्चा

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सोमवार को नई दिल्ली में श्री क्षेत्र वाल्मीकि धाम पीठाधीश्वर, परम पूज्य राष्ट्रीय संत एवं राज्यसभा सांसद संत बालयोगी उमेशनाथ ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान सामाजिक समरसता, वाल्मीकि समाज के उत्थान तथा सफाई कर्मियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

भेंट के दौरान संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने प्रधानमंत्री को अयोध्या में स्थित राम जन्मभूमि मंदिर परिसर में भगवान महर्षि वाल्मीकि जी का मंदिर स्थापित करने तथा अंतरराष्ट्रीय महर्षि वाल्मीकि हवाई अड्डा बनाए जाने की मांग से अवगत कराया। साथ ही पंजाब में स्थित आदमपुर एयरपोर्ट का नाम बदलकर संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर रखने के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर वाल्मीकि समाज से जुड़े सफाई मित्रों के लिए वर्गीकरण संबंधी क्रीमी लेयर आरक्षण व्यवस्था लागू करने तथा सफाई कार्य से जुड़े लोगों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के विषय में भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। संत उमेशनाथ जी महाराज ने प्रधानमंत्री को समाज की जमीनी समस्याओं से अवगत कराया, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गंभीरता से सुना और उस पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया।

इसके अतिरिक्त देशभर में संचालित स्वच्छ भारत मिशन को और अधिक प्रभावी बनाने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा समाज में शिक्षा के व्यापक प्रचार प्रसार जैसे विषयों पर भी दोनों के बीच विचार विमर्श हुआ।

संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वच्छता, सामाजिक समानता और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं, जिससे समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को भी सम्मान और अवसर मिल रहा है।

शराब घोटाला केस में सुनवाई टालने की मांग पर केजरीवाल पर एसजी तुषार मेहता का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के कथित आबकारी घोटाला मामले में जांच एजेंसी की अपील पर सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए कहा कि वह आरोप लगाकर फिर पीछे हट जाते हैं। सीबीआइ की ओर से अदालत में पेश हुए तुषार मेहता ने कहा कि ऐसे मुकदमेबाजों को प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए जो आरोप लगाकर बाद में उससे बचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी उस समय की जब अरविंद केजरीवाल की ओर से मामले की सुनवाई स्थगित करने की मांग की गई। दरअसल, अरविंद केजरीवाल और अन्य आरोपितों ने ट्रायल कोर्ट द्वारा आरोपमुक्त किए जाने के खिलाफ सीबीआइ की अपील पर जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से अतिरिक्त समय मांगा। साथ ही उनकी ओर से यह भी कहा गया कि मामले की सुनवाई किसी अन्य पीठ के समक्ष स्थानांतरित करने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की गई है। मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए सभी पक्षकारों को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दे दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इस अवधि में सभी संबंधित पक्ष अपने जवाब दाखिल करें ताकि आगे की सुनवाई प्रक्रिया आगे बढ़ सके। इस मामले में अगली सुनवाई छह अप्रैल को निर्धारित की गई है। गौरतलब है कि आबकारी घोटाला मामले में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत कुल 23 आरोपितों को ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया था, जिसके खिलाफ सीबीआइ ने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है। इसके अलावा मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ के बजाय किसी अन्य पीठ के समक्ष स्थानांतरित करने की मांग भी की गई थी, जिसे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पहले ही खारिज कर चुके हैं। वहीं केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने अदालत को बताया कि सीबीआइ अधिकारी के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की टिप्पणियों पर रोक लगाने के हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है।

दिल्ली खेल महाकुंभ में सेमीफाइनल मुकाबले रोमांचक, कई टीमों ने फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली खेल महाकुंभ के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के सेमीफाइनल मुकाबले उत्साह और रोमांच के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और कई टीमों ने फाइनल में स्थान सुनिश्चित कर लिया।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स और किरोड़ीमल कॉलेज के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। इस रोमांचक मैच में किरोड़ीमल कॉलेज ने 70-62 के स्कोर से जीत दर्ज कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज और हंसराज कॉलेज आमने-सामने थे, जिसमें श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने जीत हासिल करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता का फाइनल आज शाम चार बजे से पूर्वी विनोद नगर खेल परिसर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न वर्गों के खिलाड़ी भाग लेंगे और पदक के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकेंगे।

फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले भी आज आयोजित किए जा रहे हैं। खुली श्रेणी के सेमीफाइनल में लोक विहार खेल परिसर, प्रीतमपुरा में दोपहर दो बजे से मॉडर्न स्कूल वसंत विहार और भारती पब्लिक स्कूल के बीच मुकाबला खेला जाएगा।

इसके अलावा खुली पुरुष श्रेणी के दो अन्य सेमीफाइनल मुकाबले कोहाट एन्क्लेव खेल परिसर, प्रीतमपुरा में आयोजित होंगे। पहले मुकाबले में वीएफसी और कोली फुटबॉल क्लब आमने-सामने होंगे, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में द्वारका यूनाइटेड फुटबॉल क्लब और स्पार्टन फुटबॉल क्लब के बीच शाम चार बजे से मुकाबला खेला जाएगा।

दिल्ली खेल महाकुंभ के अंतर्गत आयोजित इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों का उत्साह और खेल भावना देखने लायक है। बड़ी संख्या में खेल प्रेमी भी इन मुकाबलों का आनंद लेने के लिए खेल परिसरों में पहुंच रहे हैं, जिससे प्रतियोगिताओं का माहौल और भी उत्साहपूर्ण बन गया है।

आनंद विहार में भाजपा का एक दिवसीय प्रशिक्षण महा शिविर आयोजित

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के आनंद विहार मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण महा शिविर का 15 मार्च को समापन हुआ। दिल्ली प्रदेश भाजपा की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर का संचालन मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा के नेतृत्व में किया गया। शिविर में जिला अध्यक्ष दीपक गाबा, निगम पार्षद मोनिका पंत, पूर्व पार्षद गुंजन गुप्ता, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता ममता त्यागी, विधानसभा प्रभारी अनिल शर्मा, मंडल प्रभारी तथा पर्यवेक्षक के रूप में केशवपुरम जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष अंकित त्यागी सहित करीब 40 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में संगठन की कार्यप्रणाली, पार्टी की विचारधारा और आगामी कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं को विस्तार से जानकारी दी गई। वर्ग प्रमुख महेंद्र जैन ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान आयोजित नौ अलग-अलग सत्रों में वक्ताओं ने पार्टी की विचारधारा, संगठन की कार्यप्रणाली, कार्यकर्ताओं के दायित्व और उनकी जिम्मेदारियों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि शिविर में कार्यकर्ताओं को केंद्र की मोदी सरकार और दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। प्रशिक्षण महा शिविर में आए कार्यकर्ताओं के स्वागत की जिम्मेदारी प्रेमवती पाल ने निभाई, जबकि व्यवस्था में मंडल उपाध्यक्ष लवली धमीजा, राजीव वालिया, कार्यकारिणी सदस्य महेश गुप्ता, मंत्री स्वराज चतुर्वेदी, राजीव राजपूत, अर्जुन पंडित, अधिवक्ता अमन गौड़, अधिवक्ता अमन पंडित, विकास कुमार और भारत कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बीबीएमबी के भिवानी व हिसार उपकेंद्रों पर 11.5 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्रों का उद्घाटन

चंडीगढ़/भिवानी/हिसार (शिखर समाचार)। विद्युत, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड (बीबीएमबी) के भिवानी और हिसार उपकेंद्रों पर स्थापित 11.5 मेगावाट क्षमता के ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्रों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उद्घाटन किया। इस अवसर पर बीबीएमबी के अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी, सदस्य (सिंचाई) बी. एस. नारा, मुख्य अभियंता प्रणाली परिचालन हरप्रीत सिंह मनोचा, मुख्य अभियंता पारेषण प्रणाली सुरजीत सिंह तथा वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी वीरेंद्र कुल्हारिया सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

भाखड़ा ब्यास प्रबंध बोर्ड लंबे समय से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश जैसे साझेदार राज्यों को जलविद्युत ऊर्जा और जल वितरण उपलब्ध कराता रहा है। सिंचाई और किफायती ऊर्जा के माध्यम से यह संस्था सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बीबीएमबी ने अब सौर ऊर्जा क्षेत्र में भी कदम बढ़ाया है और उपकेंद्रों की खाली भूमि का उपयोग करते हुए यह परियोजनाएं विकसित की हैं। इन संयंत्रों के निर्माण पर लगभग 53.50 करोड़ रुपये की लागत आई है, जो लगभग 4.61 करोड़ रुपये प्रति मेगावाट के बराबर है।

परियोजना के तहत भिवानी में 10 मेगावाट तथा हिसार में 1.5 मेगावाट क्षमता के संयंत्र लगाए गए हैं। इनमें कुल 25,648 उच्च क्षमता वाले 550 वाट पीक फोटोवोल्टिक मॉड्यूल लगाए गए हैं, जिनकी दक्षता लगभग 19 प्रतिशत है। उन्नत इन्वर्टर प्रणाली के साथ ये संयंत्र लगभग 21 प्रतिशत क्षमता उपयोग कारक के साथ हर वर्ष करीब 21 मिलियन यूनिट स्वच्छ बिजली का उत्पादन करेंगे।

मौजूदा हिस्सेदारी के अनुसार इस परियोजना से उत्पन्न विद्युत ऊर्जा साझेदार राज्यों में वितरित की जाएगी, जिससे उनकी नवीकरणीय खरीद दायित्व व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। साथ ही इन संयंत्रों से प्रतिवर्ष लगभग 15 हजार टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी आने का अनुमान है। यह पहल देश के 500 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को आगे बढ़ाने में भी सहायक साबित होगी।

बीबीएमबी अध्यक्ष मनोज त्रिपाठी ने कहा कि यह परियोजना संस्थान की पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि उपकेंद्रों की खाली भूमि को हरित ऊर्जा के स्रोत में बदलना भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली सचिवालय में गूंजी शहनाई, 'फूल वालों की सैर' के तहत मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का पारंपरिक सम्मान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपरा 'फूल वालों की सैर' के अंतर्गत सोमवार को दिल्ली सचिवालय में विशेष समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक शहनाई वादन की मधुर धुनों के बीच 'अंजुमन सैर-ए-गुल फरोशां' के सदस्यों ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पुष्प-पंखा भेंट कर पारंपरिक रूप से सम्मानित किया। इस अवसर ने दिल्ली की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक सद्भाव की परंपरा को एक बार फिर जीवंत कर दिया। समारोह में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 'फूल वालों की सैर' केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि दिल्ली की साझा सांस्कृतिक विरासत और गंगा-जमुनी तहजीब की अद्भुत मिसाल है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि विविधताओं से भरे समाज में एकता और भाईचारे की भावना सबसे महत्वपूर्ण होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी की ऐतिहासिक परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ समाज में आपसी सम्मान और सौहार्द की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस अवसर पर कपिल मिश्रा ने कहा कि 'फूल वालों की सैर' दिल्ली की साझा सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। यह ऐतिहासिक उत्सव समाज में सद्भाव, एकता और भाईचारे का संदेश देता है तथा राजधानी की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनता है।

लोधी कॉलोनी में बिजली नेटवर्क उन्नयन परियोजना का शिलान्यास, आपूर्ति व्यवस्था होगी अधिक मजबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी के लोधी कॉलोनी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत और आधुनिक बनाने के उद्देश्य से सोमवार को महत्वपूर्ण परियोजना का शिलान्यास किया गया। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद द्वारा शुरू की गई बिजली आपूर्ति नेटवर्क उन्नयन परियोजना की आधारशिला रखी। यह कार्यक्रम सेंट्रल पार्क कॉर्नर, मेन मार्केट, लोधी कॉलोनी रोड पर आयोजित किया गया, जिसमें नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सदस्य अनिल वाल्मीकि और सरिता तोमर के साथ परिषद के वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी भी उपस्थित रहे।

परियोजना का उद्देश्य लोधी कॉलोनी क्षेत्र में बढ़ती बिजली मांग को ध्यान में रखते हुए बिजली वितरण प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनाना, स्थिर वोल्टेज आपूर्ति सुनिश्चित करना और पुराने बिजली ढांचे को आधुनिक तकनीक से सुसज्जित करना है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अनुसार लोधी कॉलोनी के सरकारी फ्लैट्स में बिजली आपूर्ति परिषद द्वारा की जाती है, जबकि फ्लैट्स के भीतर बिजली व्यवस्था का रखरखाव केंद्रीय लोक निर्माण विभाग करता है। वर्ष 1960 के दशक में प्रत्येक फ्लैट के लिए लगभग एक किलोवाट बिजली भार स्वीकृत किया गया था, लेकिन वर्तमान समय में यह आवश्यकता बढ़कर लगभग पांच से दस किलोवाट प्रति फ्लैट हो गई है। पुराने ढांचे के कारण विशेषकर गर्मियों के दौरान बिजली कटौती, कम वोल्टेज और उतार-चढ़ाव की समस्या सामने आती रही है।

इन समस्याओं के समाधान के लिए परिषद ने लगभग 9.45 करोड़ रुपये की लागत से बिजली वितरण नेटवर्क को उन्नत करने की योजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना के अंतर्गत आधुनिक स्मार्ट फीडर प्रणाली के साथ भूमिगत केबल नेटवर्क को मजबूत किया जाएगा। परियोजना के तहत बिजली आपूर्ति की बेहतर निगरानी और नियंत्रण के लिए स्काडा अनुकूल 40 स्मार्ट फीडर पिलर स्थापित किए जाएंगे। साथ ही कॉलोनी में वितरण नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए लगभग 7.5 किलोमीटर लंबी 1.1 किलोवाट क्षमता की 400 वर्ग मिलीमीटर केबल और लगभग 20.120 किलोमीटर लंबी 1.1 किलोवाट क्षमता की 25 वर्ग मिलीमीटर केबल बिछाई जाएगी।

इसके अतिरिक्त अलीगंज (जोर बाग) स्थित 33 किलोवाट विद्युत उपकेंद्र से लोधी कॉलोनी के पांच ब्लॉक में स्थित 11 किलोवाट विद्युत उपकेंद्र तक लगभग आधा किलोमीटर लंबी 400 वर्ग मिलीमीटर की 11 किलोवाट केबल भी बिछाई जाएगी, जिससे क्षेत्र में निर्बाध और स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अधिकारियों का कहना है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद वोल्टेज स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा, बिजली कटौती में कमी आएगी और पूरे क्षेत्र में बिजली वितरण प्रणाली अधिक सक्षम और प्रभावी बनेगी।

परिषद ने कहा कि यह परियोजना शहर के नागरिक ढांचे को आधुनिक बनाने, उन्नत तकनीक अपनाने और नागरिकों को बेहतर तथा विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद भविष्य में भी अपने क्षेत्र के निवासियों की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बुनियादी सेवाओं के निरंतर उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है।

पार्कों के जीणोद्धार को लेकर निगम अधिकारियों ने संयुक्त रूप से की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम गाजियाबाद के पार्कों के जीणोद्धार को लेकर लगातार कार्य कर रहा है। इस कार्य को करने के लिए नगर निगम का उद्यान विभाग और निर्माण विभाग आपस में समन्वय बनाते हुए कार्यों को पूर्ण कर रहा है। गाजियाबाद में अन्य पार्कों का जीणोद्धार करने के लिए नगर निगम मुख्यालय पर उद्यान प्रभारी अनुज कुमार सिंह और निर्माण अधिकारी एन के सिंह के नेतृत्व में बैठक की गई। बैठक के दौरान शहर के लगभग 1400 पार्क के बारे में चर्चा की गई और उनमें सबमर्सिबल की मरम्मत को लेकर टीम को निर्देश दिए गए। पार्कों में गर्मी के दौरान पानी की आवश्यकता बढ़ती है, जिसको ध्यान में रखते हुए सभी हेडमली तथा सुपरवाइजर को पार्कों में लगे हुए नलकूप की स्थिति देखकर रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए। ऐसे नलकूप जो कि खराब संख्या में है, उनको ठीक करने के लिए भी टीम को निर्देशित किया गया। पार्कों में मरम्मत की कार्यों को करने के साथ-साथ तेजी से खराब नलकूप सही करने के लिए निर्देश दिए गए। उद्यान तथा निर्माण विभाग शहर हित में संयुक्त रूप से कार्यवाही करेगा, जिसके लिए कार्य योजना बनाई जा रही है। निर्माण कार्यों के साथ-साथ शहर की सुंदरता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा कार्य योजना बनाई जा रही है ' बैठक में विशेष रूप से 311 एप्लीकेशन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को लेकर चर्चा भी हुई। प्रतिदिन 311 के माध्यम से लगभग 180 शिकायतें प्राप्त होती है, जिनका तद दिवस में ही हो कार्यवाही की जाती है। अधिकांश शिकायतें निर्माण विभाग की पेंडिंग है, जिनको

लेकर मुख्य अभियंता निर्माण द्वारा निर्माण टीम को सख्त निर्देश दिए गए। प्राप्त शिकायतों में अधिकांश मांग है, जिनको जनहित योजनाओं में शामिल करने के लिए भी कार्य योजना बनाई जा रही है। शिकायतों का निस्तारण तेजी से करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, मुख्य अभियंता निर्माण द्वारा टीम को निर्देश दिए गए।

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम गाजियाबाद के पार्कों के जीणोद्धार को लेकर लगातार कार्य कर रहा है। इस कार्य को करने के लिए नगर निगम का उद्यान विभाग और निर्माण विभाग आपस में समन्वय बनाते हुए कार्यों को पूर्ण कर रहा है। गाजियाबाद में अन्य पार्कों का जीणोद्धार करने के लिए नगर निगम मुख्यालय पर उद्यान प्रभारी अनुज कुमार सिंह और निर्माण अधिकारी एन के सिंह के नेतृत्व में बैठक की गई। बैठक के दौरान शहर के लगभग 1400 पार्क के बारे में चर्चा की गई और उनमें सबमर्सिबल की मरम्मत को लेकर टीम को निर्देश दिए गए। पार्कों में गर्मी के दौरान पानी की आवश्यकता बढ़ती है, जिसको ध्यान में रखते हुए सभी हेडमली तथा सुपरवाइजर को पार्कों में लगे हुए नलकूप की स्थिति देखकर रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए। ऐसे नलकूप जो कि खराब संख्या में है, उनको ठीक करने के लिए भी टीम को निर्देशित किया गया। पार्कों में मरम्मत की कार्यों को करने के साथ-साथ तेजी से खराब नलकूप सही करने के लिए निर्देश दिए गए। उद्यान तथा निर्माण विभाग शहर हित में संयुक्त रूप से कार्यवाही करेगा, जिसके लिए कार्य योजना बनाई जा रही है। निर्माण कार्यों के साथ-साथ शहर की सुंदरता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा कार्य योजना बनाई जा रही है ' बैठक में विशेष रूप से 311 एप्लीकेशन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण को लेकर चर्चा भी हुई। प्रतिदिन 311 के माध्यम से लगभग 180 शिकायतें प्राप्त होती है, जिनका तद दिवस में ही हो कार्यवाही की जाती है। अधिकांश शिकायतें निर्माण विभाग की पेंडिंग है, जिनको लेकर मुख्य अभियंता निर्माण द्वारा निर्माण टीम को सख्त निर्देश दिए गए। प्राप्त शिकायतों में अधिकांश मांग है, जिनको जनहित योजनाओं में शामिल करने के लिए भी कार्य योजना बनाई जा रही है। शिकायतों का निस्तारण तेजी से करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए, मुख्य अभियंता निर्माण द्वारा टीम को निर्देश दिए गए।

डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय और हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के बीच समझौता, छात्रों को मिलेगा वैश्विक प्रबंधन कौशल का प्रशिक्षण

मोदीनगर (शिखर समाचार) डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय मोदीनगर ने उच्च शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने और विद्यार्थियों को आधुनिक प्रबंधन कौशल से सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के माध्यम से विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन से जुड़े विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें वैश्विक व्यापार और नेतृत्व से संबंधित व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस पहल के अंतर्गत प्रबंधन विषय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को एक वर्ष की अवधि के दौरान हार्वर्ड बिजनेस इम्पैक्ट के बारह प्रमाणपत्र प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। इन प्रमाणपत्रों के माध्यम से विद्यार्थियों को वैश्विक व्यापार प्रणाली, प्रबंधन की आधुनिक कार्यप्रणाली, नेतृत्व क्षमता तथा बदलते कॉरपोरेट जगत की आवश्यकताओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इससे विद्यार्थियों की पेशेवर समझ विकसित होगी और वे भविष्य में बड़े संस्थानों में कार्य करने के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे। बताया गया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वगति अध्ययन प्रणाली पर आधारित होगा, जिसमें विद्यार्थी अपनी सुविधा और गति के अनुसार अध्ययन कर सकेंगे। इस व्यवस्था के अंतर्गत विद्यार्थियों की प्रगति पर नियमित रूप से नजर रखी जाएगी और उन्हें समय समय पर आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को प्रबंधन और नेतृत्व से जुड़े नवीनतम सिद्धांतों, रणनीतियों और व्यवहारिक पहलुओं से अवगत कराया जाएगा, जिससे

वे आधुनिक व्यावसायिक वातावरण को बेहतर ढंग से समझ सकें। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि इस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय सहयोग से विद्यार्थियों को वैश्विक दृष्टिकोण प्राप्त होता है और उनकी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है। इस पहल के माध्यम से विद्यार्थियों को उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया जाएगा, ताकि वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें और देश के आर्थिक विकास में भी अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों का भी मानना है कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। इससे विद्यार्थियों को न केवल आधुनिक ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि उन्हें वैश्विक स्तर पर कार्य करने का आत्मविश्वास भी मिलता है। डॉ. केएन मोदी विश्वविद्यालय द्वारा किया गया यह समझौता विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

558 लाभार्थियों के खातों में भेजी गई पहली किस्त, 16 को मिले पीएम आवास के प्रमाण पत्र

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगर पालिका परिषद के डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान पालिका क्षेत्र के 558 लाभार्थियों के खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से आवास निर्माण की प्रथम किस्त भेजी गई।

यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार के उस व्यापक अभियान का हिस्सा है, जिसके अंतर्गत प्रदेश के लगभग 90 हजार लाभार्थियों के खातों में कुल 900 करोड़ रुपये की धनराशि स्थानांतरित की गई है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को अपने पक्के घर का सपना पूरा करने में सहायता मिल सके।

बिजनौर में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह ने की, जबकि संचालन अधिशासी अधिकारी विकास कुमार ने किया। कार्यक्रम में जिला नगरीय विकास अभिकरण की परियोजना

अधिकारी वंदना कुशवाहा विशेष रूप से मौजूद रहीं। इस अवसर पर 558 पात्र लाभार्थियों के खातों में पहली किस्त भेजे जाने की जानकारी दी गई। साथ ही 16 चयनित लाभार्थियों को मंच पर प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। अपने नाम से आवास स्वीकृत होने की खुशी लाभार्थियों के चेहरों पर साफ दिखाई दे रही थी।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन के लिए पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉ. बीरबल सिंह, डूडा विभाग से चंद्रकांत, सभासद हितेश कुमार सैनी, नीरज कुमार शर्मा, प्रिंस रवि सिद्धार्थ, मनी चौधरी, शमशाद अंसारी, वंदना अग्रवाल और राजवीर सिंह उपस्थित रहे।

इसके अलावा पालिका प्रशासन की ओर से कर निरीक्षक ऋषिपाल सिंह, हिमांशु और दलीप सहित अन्य कर्मचारी तथा गणमान्य नागरिक भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

गाजियाबाद में जीडीए का बुलडोजर गरजा : लाजपतनगर और श्याम पार्क में अवैध निर्माण जमींदोज

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और अवैध कॉलोनियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। सोमवार को उपाध्यक्ष के सख्त निर्देशों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन 07 की टीम ने साहिबाबाद क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से निर्मित फ्लैट, दुकानों और कमरों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान निर्माणकताओं ने टीम का भारी विरोध किया, जिसे पुलिस बल की मदद से नियंत्रित किया गया।

स्टिल्ट पार्किंग में बना दिए थे फ्लैट और दुकानें

मिली जानकारी के अनुसार लाजपतनगर के भूखण्ड संख्या डी 492 में नियमों को ताक पर रखकर निर्माण किया गया था। यहाँ स्टिल्ट एरिया (पार्किंग हेतु आरक्षित जगह) में अवैध रूप से एक फ्लैट और सात दुकानों का निर्माण कर लिया गया था। इस मामले में प्राधिकरण ने वर्ष 2024 में ही वाद संख्या 0002896 दर्ज किया था। निर्माणकर्ता के. राज लक्ष्मी और सुमन अग्रवाल को ध्वस्तीकरण के नोटिस भी जारी किए गए थे, लेकिन उनकी ओर से कोई संतोषजनक उत्तर या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए जाने पर सोमवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में इन्हें ध्वस्त कर दिया गया।

श्याम पार्क मेन में छत पर बना कमरा ढहाया

कार्रवाई का दूसरा हिस्सा श्याम पार्क मेन में देखने को मिला। यहाँ भूखण्ड संख्या 07 पर निर्माणकर्ता नरेन्द्र कुमार और राजेश राघव द्वारा छत पर अवैध रूप से एक कमरे का निर्माण किया गया था। इस अवैध निर्माण के विरुद्ध भी प्राधिकरण में वाद संख्या 0004883 लंबित था। सोमवार को प्रवर्तन दल ने मौके पर पहुँचकर इस अवैध निर्माण को भी पूरी तरह हटा दिया।

विरोध के बावजूद थमी नहीं कार्रवाई

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान निर्माणकताओं और उनके समर्थकों ने प्राधिकरण की टीम का रास्ता रोकने की कोशिश की और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। माहौल बिगड़ता देख प्राधिकरण पुलिस बल ने मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को हटाकर ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को निर्बाध रूप से जारी रखा। मौके पर सहायक अभियंता, अवर अभियंता और प्रवर्तन जोन 07 के समस्त स्टाफ के साथ प्राधिकरण का दस्ता मौजूद रहा।

अभियान रहेगा जारी

जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि शहर में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्राधिकरण के अनुसार आगामी माह में भी अवैध निमार्णों को सील करने और ध्वस्त करने का विशेष अभियान जारी रहेगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध निर्माणकताओं और भू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

झूठी शिकायत कर लेखपाल की छवि धूमिल करने का आरोप

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। भूमि हस्तांतरण की रिपोर्ट को लेकर एक ग्रामीण पर झूठी शिकायतें कर लेखपाल की छवि धूमिल करने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में लेखपाल संघ ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। सोमवार को लेखपाल संघ कैराना की अध्यक्ष पूजा खैवाल के नेतृत्व में लेखपालों ने उपजिलाधिकारी कैराना निधि भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि हल्का नंबर तीन में लेखपाल लवकेश कुमार तैनात हैं। पूर्व में उनके पास ग्राम जमालपुर का अतिरिक्त प्रभार भी था। उस दौरान ग्राम पावटीकलां निवासी किसान रकम सिंह ने ग्राम तारापुर स्थित 21 बीघा भूमि का दानपत्र अपने बड़े पुत्र शिवकुमार को छोड़ते हुए छोटे पुत्र के पक्ष में कर दिया था, जबकि भूमि पर दोनों भाई काबिज बताए गए थे। आरोप है कि लेखपाल लवकेश कुमार ने अपनी हस्तांतरण रिपोर्ट में स्पष्ट उल्लेख किया कि दोनों भाइयों का जमीन पर कब्जा होने के कारण दानग्रहीता का पूरी भूमि पर कब्जा नहीं है। बताया गया कि छोटे पुत्र अमित कुमार ने रिपोर्ट अपने पक्ष में कराने के लिए दबाव बनाया, लेकिन लेखपाल ने तथ्यों के आधार पर सही रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसी बात से क्षुब्ध होकर अमित कुमार पर झूठी शिकायतें करने और लेखपाल को धमकी देने का आरोप लगाया गया है। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी है कि यदि लेखपाल लवकेश कुमार के साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी अमित कुमार की होगी। साथ ही प्रशासन से मामले में उचित कार्रवाई की मांग की गई है।

अवैध टोल हटाने की मांग पर समाजसेवी पंकज लोधी का आमरण अनशन समाप्त, एडीएम ने नारियल पानी पिलाकर कराया खत्म

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका सीमा में लगाए गए कथित अवैध टोल प्लाजा को हटाने की मांग को लेकर 9 मार्च से आमरण अनशन पर बैठे समाजसेवी पंकज लोधी ने सोमवार को अपना अनशन समाप्त कर दिया। हापुड़ के अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार ने गढ़ तहसील परिसर में उन्हें नारियल पानी पिलाकर अनशन तुड़वाया। जानकारी के अनुसार पंकज लोधी गढ़मुक्तेश्वर नगर पालिका सीमा में लगे अवैध टोल प्लाजा को हटाने की मांग को लेकर तहसील परिसर में अनशन पर बैठे थे। अनशन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर प्रशासन ने उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान भी उनकी हालत लगातार खराब बनी रही। सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें मेरठ मेडिकल से हापुड़ लाकर जिलाधिकारी अभिषेक पांडे के साथ वार्ता कराई। इस दौरान पंकज लोधी ने अवैध टोल से जुड़े पांच बिंदुओं पर जिला स्तरीय कमेटी गठित करने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए कमेटी के गठन पर सहमति जताई और संबंधित बिंदुओं की गहन जांच कराने का आश्वासन दिया। साथ ही प्रत्येक सप्ताह इन मुद्दों पर समीक्षा बैठक करने की बात कही।

जिलाधिकारी के आश्वासन के बाद पंकज लोधी ने आमरण अनशन समाप्त करने पर सहमति जताई। इसके

बाद उन्हें गढ़मुक्तेश्वर तहसील लाया गया, जहां अपर जिलाधिकारी संदीप कुमार ने उन्हें नारियल पानी पिलाकर अनशन समाप्त कराया। अनशन समाप्त होने के बाद पंकज लोधी ने इस अभियान में समर्थन देने वाले धार्मिक संगठनों, किसान संगठनों और विभिन्न राजनीतिक दलों का आभार व्यक्त किया। इसके बाद उन्होंने गंगा तट पर जाकर स्नान किया और नगर पालिका सीमा में लगे अवैध टोल को हटाए जाने की कामना की। इस मौके पर जय सिंह राणा, आशीष शर्मा, मोंटी चौधरी, अधिवक्ता बबलू सहगल, अधिवक्ता आशीष शर्मा, कुमार पाल, राजवीर शास्त्री, आमिर चौधरी, नरेंद्र सोलंकी, पुष्पेंद्र चौधरी, बी.एस. भारत उर्फ बंटी, सोहेल हैदर, अतुल कुमार, राजरानी, मुन्नी देवी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गार्ड ने बैंक मैनेजर को गोली मारकर उतारा मौत के घाट, साथी सहित गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना लोनी बॉर्डर क्षेत्र में पंजाब एंड सिंध बैंक के मैनेजर अभिषेक को बैंक के गार्ड रविंद्र हुड्डा ने बैंक में घुसकर गोली मार दी। मैनेजर को गोली लगते ही बैंक में अफरा तफरी का माहौल मच गया और बैंक में मौजूद सभी लोग साईरन की आवज सुनकर बाहर भागने लगे। गोली मारने के बाद गार्ड और उसका साथी मौके से फरार हो गए व बैंक में मौजूद कर्मचारी घायल अवस्था में मैनेजर को लेकर अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टर ने उपचार के दौरान मैनेजर को मृत घोषित कर दिया। बैंक में गोली चालने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और जाँच में जुट गई। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सीसीटीवी वीडियो खंगालनी शुरू की थी। एक वीडियो के अंदर आरोपी अपने साथी के साथ बंदूक लेकर बाहर निकलता हुआ दिखाई दे रहा था। पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरू की और जिसमें पाया कि बैंक के गार्ड रविंद्र हुड्डा ने ही बैंक मैनेजर की हत्या की है। पुलिस ने गार्ड को गिरफ्तार करने के लिए टीमों का गठन किया और जिसके बाद हत्यारोपी रविंद्र हुड्डा और उसके साथी शीशपाल को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में गार्ड ने बताया कि सैलरी और छुट्टी को लेकर हुए विवाद में उसने मैनेजर को गोली मारी थी। वह बैंक मैनेजर की हत्या करने के उद्देश्य से ही बैंक पहुंचा था। पकड़ा गया गार्डन मैनेजर से कम सैलरी देने से काफी समय से नाराज चल रहे था। पूछताछ में यह भी पता चला कि वह 2018 में आर्मी से रिटायर्ड हुआ था। आर्मी से रिटायर होने के बाद वह बैंक में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी कर रहा था। इस दौरान बैंक मैनेजर सैलरी बढ़ाने के नाम पर उसे लगातार टाल रहा था। इस कारण वह बैंक मैनेजर से पहले ही क्रोधित था।

हाईवे पर डबल डेकर बस पलटी, 9 यात्री घायल, 4 को हायर सेंटर रेफर

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। स्थानीय थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर रविवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। देहरादून से गुरुग्राम जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे बस में सवार यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। दुर्घटना में करीब 9 यात्री घायल हो गए, जिन्हें पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घायलों को सेंट फ्रांसिस अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में उपचार के लिए पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल चार यात्रियों पूजा (26) निवासी दिल्ली, लाखन सिंह (42) निवासी रायवाला देहरादून, लता बाला (25) निवासी देहरादून तथा विनीत (49) निवासी कनखल हरिद्वार की हालत चिंताजनक होने के कारण उन्हें हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। अन्य घायलों में हर्षिता नेगी (25), निर्मल कौर (39), कर्वी (26) निवासी दिल्ली, वैभव (22) निवासी देहरादून तथा धर्मपाल (50) निवासी ऋषिकेश शामिल हैं। सभी घायलों का उपचार जारी है। घटना के बाद बस चालक और क्लीनर मौके से फरार बताए जा रहे हैं। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। ग्रामीणों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भिजवाया गया। कोतवाली प्रभारी दिनेशचंद्र बघेल ने बताया कि सोमवार देर रात करीब तीन बजे खतौली बाईपास पर तिगाई गांव के पास बस पलटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे के बाद क्रेन की मदद से पलटी हुई बस को हटाकर हाईवे पर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सिम्भावली पुलिस ने अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले गिरोह का किया पदार्फाश, तीन गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध पिस्टल, चार जिंदा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। क्षेत्राधिकारी गढ़ स्तुति सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि हापुड़ पुलिस द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम तथा अवैध शस्त्र बनाने व बेचने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सिम्भावली पुलिस द्वारा चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे सिम्भावली क्षेत्र से अवैध शस्त्र सप्लाई करने वाले तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त विनीत उर्फ बिन्नी ने बताया कि वह मेरठ निवासी रिहान बिल्लोरी से कम कीमत में अवैध पिस्टल खरीदकर लाता था और उन्हें 35 से 40 हजार रुपये में बेचकर आर्थिक लाभ कमाता था। गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपने नाम दिव्यांश पुत्र प्रवीन शर्मा निवासी ग्राम हिडालपुर थाना पिलखुवा जनपद हापुड़, विनीत उर्फ बिन्नी पुत्र अशोक निवासी ग्राम खटकी थाना परीक्षितगढ़ जनपद मेरठ तथा नितिन पुत्र ऋषिपाल निवासी ग्राम छिजारसी थाना पिलखुवा जनपद हापुड़ बताए हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध पिस्टल मय चार जिंदा कारतूस .32 बोर तथा घटना में प्रयुक्त स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। गिरफ्तार अभियुक्त विनीत उर्फ बिन्नी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना सिम्भावली पुलिस द्वारा अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार, उपनिरीक्षक यशपाल सिंह, उपनिरीक्षक मुनेन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल उदय सिंह, कांस्टेबल सचिन कुमार तथा कांस्टेबल धारा सिंह शामिल रहे।

पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में वहाब चौधरी बसपा से निष्कासित

मुरादनगर (शिखर समाचार)। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार जाटव ने बताया कि मुरादनगर के पूर्व विधायक वहाब चौधरी को पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि वहाब चौधरी की कार्यशैली और गतिविधियों को लेकर संगठन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं। पार्टी की नीतियों और अनुशासन के विपरीत कार्य करने को लेकर उन्हें कई बार चेतावनी भी दी गई थी और संगठन की मयार्दा का पालन करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद उनकी गतिविधियों में कोई सुधार नहीं आया और वे लगातार अनुशासनहीन आचरण करते पाए गए। जिलाध्यक्ष मनोज कुमार जाटव ने कहा कि संगठन की नीतियों, सिद्धांतों और आंदोलन के हितों को सर्वोपरि रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी में अनुशासन का विशेष महत्व है और किसी भी प्रकार की पार्टी विरोधी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पार्टी और आंदोलन के हितों को ध्यान में रखते हुए वहाब चौधरी को तत्काल प्रभाव से बहुजन समाज पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से निष्कासित कर दिया गया है। साथ ही पार्टी कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और पार्टी की नीतियों के अनुसार कार्य करने का आह्वान भी किया गया है।

पूर्व विधायक वहाब चौधरी

व्यापारी के साथ मारपीट करने के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। व्यापारी के साथ मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर संबंधित धाराओं में उनका चालान कर दिया है।नगर के मंडी मौलगंज निवासी संजय जैन ने 15 मार्च को नगीना पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि बढ़ापुर निवासी कयामुद्दीन पुत्र जमालुद्दीन, आवेश पुत्र कयामुद्दीन और परवेज पुत्र कयामुद्दीन ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और मारपीट की। संजय जैन के अनुसार जब उसका पुत्र बीच-बचाव करने आया तो आरोपियों ने उसका गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया। इस दौरान उसके भाई पर भी लोहे के बाट से हमला कर उसे घायल कर दिया गया। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीनों आरोपियों कयामुद्दीन, आवेश और परवेज निवासी बढ़ापुर को गिरफ्तार कर लिया।

संघ की नजर में उप्र.-उत्तराखंड अहम क्षेत्र, करने जा रहा बड़ा बदलाव

विधानसभा चुनाव के बाद होगा लागू

लखनऊ (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने देशभर में अपने संगठनात्मक ढांचे में बदलाव का खाका तैयार किया है। इसमें सबसे अहम बदलाव यूपी और उत्तराखंड के संगठनात्मक ढांचे में किया गया है। नई संरचना में उत्तर प्रदेश से जुड़े अहम बदलाव किए गए हैं। संघ ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को मिलाकर उत्तर क्षेत्र बनाने का फैसला किया है। हालांकि इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। यह बदलाव विधानसभा चुनाव के बाद अगले साल मार्च से लागू किए जाएंगे। यह क्षेत्र संगठनात्मक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि दोनों राज्यों में संघ की शाखाओं और कार्यकताओं की संख्या काफी अधिक है। पानीपत (हरियाणा) के समालखा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक के अंतिम दिन रविवार को संघ ने संगठनात्मक बदलाव के खाके को अंतिम रूप दिया है। फिलहाल यह तय किया गया है कि संघ के शताब्दी वर्ष के कारण नई तैनातियां नहीं की जाएंगी, लेकिन भविष्य में नई संरचना के आधार पर संगठन का काम आगे बढ़ेगा। इस नई व्यवस्था में देश को 9 क्षेत्रों और 85 संभागों में बांटने की योजना बनाई गई है। क्षेत्र स्तर पर संगठन के समन्वय और विस्तार पर ध्यान दिया जाएगा, जबकि संभाग स्थानीय शाखाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन का जिम्मा संभालेंगे। सूत्रों के अनुसार, उत्तर क्षेत्र में दो अलग-अलग इकाइयां होंगी, जो उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करेंगी। इससे दोनों राज्यों में संघ के कार्यों का समन्वय और विस्तार अधिक प्रभावी तरीके से किया जा सकेगा। नई व्यवस्था के तहत संघ का काम प्रांत के बजाय अब मुख्य रूप से क्षेत्र और संभाग स्तर से संचालित होगा। यूपी में कुल 10 संभाग होंगे। इसमें मेरठ, ब्रज, बरेली, लखनऊ, कानपुर, झांसी, प्रयागराज, अयोध्या, काशी और गोरखपुर शामिल हैं। यानी आने वाले समय में प्रांत की वर्तमान संरचना को समाप्त कर दिया जाएगा और संगठन का फोकस क्षेत्र व संभाग इकाइयों पर रहेगा। संघ के सूत्रों के मुताबिक उत्तर प्रदेश संघ के लिए हमेशा से ही प्रमुख कार्यक्षेत्र रहा है। शाखाओं, प्रशिक्षण वर्गों और विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के लिहाज से यह राज्य संघ की गतिविधियों का बड़ा केंद्र माना जाता है। ऐसे में उत्तराखंड के साथ मिलाकर उत्तर क्षेत्र बनाए जाने से संगठन के काम को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। शताब्दी वर्ष के कारण अभी संगठन में पदाधिकारियों की नई नियुक्तियां नहीं की जाएंगी। हालांकि, तैयार किए गए इस नए ढांचे को आगे चलकर चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। संघ की इस नई संरचना को संगठन के विस्तार और कार्यकुशलता को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में संघ की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए यह बदलाव अहम माना जा रहा है।

संघ का बड़ा संगठनात्मक बदलाव

- 9 क्षेत्रों और 85 संभागों में बंटेगा देश
- यूपी में बनेंगे 10 संभाग
- यूपी-उत्तराखंड मिलकर बनेंगे 'उत्तर क्षेत्र'
- संगठन विस्तार को मिलेगी नई गति

पश्चिमी क्षेत्र के संपर्क प्रमुख होंगे हरीश रौतेला

सूत्रों के मुताबिक ब्रज क्षेत्र के पूर्व प्रांत प्रचारक और मौजूदा समय में सह क्षेत्र संपर्क प्रमुख हरीश रौतेला को पश्चिमी यूपी में संघ के क्षेत्र संपर्क प्रमुख बनाने का फैसला किया गया है। इसके अलावा मनोज मिखरा को क्षेत्रीय संगठन मंत्री पश्चिमी यूपी बनाए जाने पर सहमति बनी है। हालांकि इसकी अधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है।

गैस सिलेंडर खत्म होने पर पति पत्नी में विवाद, पत्नी बच्चों संग मायके चली गई

रबूपुरा (शिखर समाचार)। रसोई गैस सिलेंडर खत्म होने के बाद लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला अपने बच्चों को लेकर मायके चली गई। यह घरेलू विवाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

जानकारी के अनुसार रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के गांव भुन्नातगा निवासी विनेश कुमार बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर की दुकान पर मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है। परिवार में उसकी पत्नी राजलता और दो बच्चे हैं।

बताया गया कि करीब एक सप्ताह पहले घर का रसोई गैस सिलेंडर खत्म हो गया था। गैस की किल्लत के कारण नया सिलेंडर नहीं मिल सका, जिससे मजबूरी में पत्नी को लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाना पड़ा।

कुछ दिनों बाद धुएं की परेशानी का हवाला देते हुए पत्नी ने लकड़ी पर खाना बनाने में असमर्थता जताई। उधर विनेश भी दो दिन तक गैस एजेंसी के बाहर लाइन लगाने के बावजूद सिलेंडर नहीं ले सका। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

विवाद बढ़ने पर राजलता ने बिना गैस के खाना बनाने से इनकार कर दिया और बच्चों को साथ लेकर अपने मायके चली गई।

ताला तोड़कर इलेक्ट्रिकल्स की दुकान में बड़ी चोरी, लाखों के कॉपर वायर व डेढ़ लाख नकदी साफ

जेवर (शिखर समाचार)। कस्बे में खुर्जा रोड स्थित एक इलेक्ट्रिकल्स की दुकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर लाखों रुपये के कॉपर वायर और नकदी चोरी कर ली। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोहल्ला कानून गोयान निवासी अमित कुमार शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि खुर्जा रोड पर उनकी मिश्रा इलेक्ट्रिकल्स के नाम से दुकान है। 10 मार्च की रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे करीब 70 बंडल कॉपर वायर तथा लगभग 1.50 लाख रुपये नकद चोरी कर फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने अपने स्तर पर चोरों का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

किराना दुकान में आग, पत्नी-बेटे की मौत

पति छत से कूदा, पैर फ्रैक्चर, पुलिस-दमकल ने 5 घंटे में बुझाई आग

बलिया (एजेंसी)। जिले के गड़वार थाना के चिलकहर चट्टी के डुमरी मार्ग स्थित दो मंजिला मकान में आग लगने से मां रिंकी चौरसिया (25) व पांच वर्षीय पुत्र धीरज कुमार की झुलसने मौत हो गई। पति नीरज ने छत से कूद कर जान बचाई, लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। आग की लपटों को देखकर लोग पास जाने से भी डरते रहे। आग भोर में लगी, लेकिन अभी तक आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। चिलकहर चट्टी के डुमरी मार्ग पर नीरज चौरसिया की किराना की होलसेल की दुकान है। वह प्रथम तल पर पत्नी रिंकी व बेटा धीरज के साथ रहते थे। रविवार की रात 2 बजे के बाद अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। आग फैलते देख नीरज ने प्रथम तल पर पहुंचकर पत्नी व बेटे को जगाकर बचाने का प्रयास किया, लेकिन मकान की सीढ़ी का दरवाजा बाहर से बंद होने के कारण सभी लोग फंस गए। नीरज ने छत से कूदकर जान बचाई, इसमें उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। नीरज की चीख- पुकार सुनकर और धुआं-धुआं निकलता देख आसपास के लोग बचाने पहुंचे तब तक रिंकी चौरसिया व बेटा धीरज गंभीर रूप से झुलस गए। इलाज के लिए लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने पत्नी रिंकी व बेटे धीरज को मृत घोषित कर दिया। नीरज को इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। उधर, नीरज के पिता झूलन चौरसिया जो घर में थे, लेकिन उनका पता नहीं चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि धीरज का दो दिन पूर्व मुंडन संस्कार था। इस मार्मिक घटना के बाद हर कोई मर्माहत है। आग लगने की सूचना पर तड़के पहुंचे फायर ब्रिगेड के जवान आग बुझाने में लगे हुए हैं। खबर लिखे जाने तक पूरी तरीके से आग पर काबू नहीं पाया जा सका था। दुकान के जले हुए सामानों में धुआं निकल रहा था। वहीं पुलिस किसी को मौके पर जाने नहीं दे रही है। चिलकहर पुलिस अधीक्षक के अनुसार हो सकता है कि उसके ससुर ताला बंद करके कहीं चले गए हों। अभी इसकी जांच की जा रही है। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। आग को पूरी तरीके से बुझाने के लिए मकान के पिछले हिस्से की दीवार को तोड़कर अंदर घुसने की तैयारी की जा रही है।

18 मार्च से शुरू होगा यूपी बोर्ड कॉपियों का मूल्यांकन

सिद्धार्थनगर (एजेंसी)। यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 18 मार्च से शुरू होगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के निर्देश पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कॉपियों की जांच के लिए जिले में तीन मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर परीक्षक और प्रधान परीक्षक तैनात किए गए हैं। इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन रतनसेन इंटर कॉलेज, बांसी में होगा। हाईस्कूल की कॉपियों की जांच शिवपति इंटर कॉलेज, शोहरतगढ़ और तिलक इंटर कॉलेज, बांसी में की जाएगी। प्रशासन और माध्यमिक शिक्षा विभाग मूल्यांकन कार्य को समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पूरा करने की तैयारियों में जुटा है। मूल्यांकन केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी, उत्तर पुस्तिकाओं का सुरक्षित रख-रखाव, पेयजल और बैठने जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। अधिकारी केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को दुरुस्त कर रहे हैं ताकि मूल्यांकन के दौरान कोई अव्यवस्था न हो। इस बीच, यूपी बोर्ड द्वारा जारी प्रधान परीक्षकों की सूची को लेकर शिक्षा जगत में चर्चा तेज हो गई है। किसान इंटर कॉलेज, उस्का बाजार के 17 शिक्षकों को प्रधान परीक्षक बनाए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। शिक्षकों का कहना है कि सामान्यतः अलग-अलग विद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों को यह जिम्मेदारी दी जाती है, लेकिन इस बार एक ही कॉलेज के बड़ी संख्या में शिक्षकों को यह दायित्व सौंपने से विसंगति की बात कही जा रही है।

मुजफ्फरनगर में ओले गिरे, बिजनौर में आंधी से पेड़ उखड़े

सहारनपुर में पूर्व प्रधान समेत 2 की मौत, यूपी के 43 जिलों में बारिश का अलर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में मौसम अचानक बदल गया है। मुजफ्फरनगर में देर रात झमाझम बारिश हुई। कई इलाकों में ओले भी गिरे। बिजनौर में तेज आंधी की वजह से पेड़ उखड़ गए। सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे और होर्डिंग्स गिर गए। सहारनपुर में आंधी की वजह से टीन शेड गिरने से पूर्व प्रधान समेत 2 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने सोमवार को वाराणसी समेत 43 जिलों में हल्की बारिश और 17 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। कई जगह आंधी भी चल सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी और पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की वजह से मौसम में बदलाव आया है। ठंडी हवाओं की वजह से तापमान में गिरावट आई है। इससे पहले, रविवार को नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, अयोध्या समेत 15 शहरों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। लखनऊ में बूंदाबांदी के साथ धूलभरी आंधी चली। हरदोई और सीतापुर में बिजली गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चों समेत 3 लोग झुलस गए। बारिश, ओले और तेज हवा का असर फसलों पर भी दिखाई दे रहा है। कई इलाकों में खड़ी फसलें झुक गईं। हालांकि, लोगों को गर्मी से राहत मिली। पिछले 24 घंटे में बांदा सबसे गर्म शहर रहा। यहां अधिकतम तापमान 38.4°C दर्ज किया गया। 14 मार्च को बांदा का पारा 40तउ पार कर गया था। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने मौसम में हुए बदलाव की वजह बताई। उन्होंने कहा - पश्चिमी विक्षोभ की वजह से प्रदेश के कई जिलों में हल्की बारिश का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी इलाकों में सोमवार को भी बारिश के आसार हैं। 40-50 किमी की स्पीड से हवाएं चलेंगी। ओले भी गिर सकते हैं। 2 दिन बाद 19 मार्च से प्रदेश में एक और विक्षोभ सक्रिय हो रहा है, इससे बारिश-आंधी का दौर शुरू होगा। सहारनपुर में रविवार देर रात बारिश और तेज आंधी चली। सरसावा थाना क्षेत्र के नकुड़ रोड पर टीन शेड गिर गया। हादसे में पूर्व प्रधान समेत 2 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में भटपुरा के पूर्व प्रधान जयपाल सैनी (55) और नवादा निवासी रामकेश सैनी (56) हैं। दोनों उत्तराखंड में एक पंचायत कार्यक्रम से बाइक से लौट रहे थे। आंधी-बारिश से बचने के लिए दोनों टीन शेड के नीचे खड़े हो गए। तभी अचानक टीन शेड टूटकर सीधे उनके दोनों के ऊपर गिरा। भारी शेड के नीचे दबने से मौके पर उनकी मौत हो गई।बेमौसम बारिश, ओले गिरने और तेज हवाओं से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान हो रहा है। किसानों का कहना है कि इस समय गेहूं की फसल पकने की स्थिति में है। ऐसे में बारिश और तेज हवा से बालियां झुक जाती हैं। कटाई के समय दिक्कत होती है। दाने खराब होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, लगातार नमी रहने से फसलों में रोग लगने का खतरा भी बढ़ सकता है। हालांकि, हल्की बारिश से कुछ दलहनी और सब्जी वाली फसलों को फायदा भी मिल सकता है। सीएम योगी ने रविवार सुबह बारिश से फसलों को हुए नुकसान की जानकारी ली थी। उन्होंने सभी डीएम और अफसरों को फील्ड में जाकर किसानों से सीधे बात करने और उनकी फसलों को हुए नुकसान का आंकलन करने के निर्देश दिए थे। सीएम ने कहा था कि राहत आयुक्त भी मैदान में काम कर रहे अफसरों के लगातार संपर्क में रहें। जहां-जहां फसलों को नुकसान हुआ है, उसकी जानकारी लेकर किसानों को समय पर मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की जाए।

मार्च में ही क्यों बढ़ रही है गर्मी?

यूपी के बांदा में दो दिन पहले पारा 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष महेश पलावत का कहना है कि पिछले कुछ साल में जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) का असर मौसम पर साफ दिखाई दे रहा है। इसी कारण मौसम का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। गर्मी पहले की तुलना में जल्दी शुरू हो रही है। इसका असर यह है कि तापमान ज्यादा तेजी से बढ़ने लगा है। आमतौर पर मार्च के आखिरी हफ्ते तक पारा 40 डिग्री तक पहुंचता था, लेकिन अब मार्च के दूसरे हफ्ते में ही पारा 40 डिग्री तक पहुंच गया। कई बार लू (हीटवेव) का दौर भी पहले से ज्यादा दिनों तक चलता है। बीते कुछ सालों में देश के कई शहरों में गर्मी के पुराने रिकॉर्ड भी टूटे हैं।

कब मानी जाती है हीटवेव?

मौसम विभाग के मुताबिक, हीटवेव तब मानी जाती है, जब मैदानों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे ज्यादा पहुंच जाए या फिर सामान्य तापमान से 4 से 6 डिग्री ज्यादा दर्ज किया जाए। ऐसी स्थिति में लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ सकता है और लू लगने का खतरा बढ़ जाता है।

संक्षिप्त डायरी

मुरादाबाद में ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी तेज रफ्तार कार, नैनीताल निवासी समेत चार युवकों की मौत

मुरादाबाद (एजेंसी)। लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई। इसमें चार लोगों की मौत हो गई। उनकी पहचान नैनीताल जिले के निवासी के तौर पर हुई है। सोमवार सुबह मूंढापांडे क्षेत्र के मनकरा मोड़ के पासतेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए।पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद मूंढापांडे सीएचसी पहुंचाया गया। जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित कर दिया। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सीओ हाईवे राजेश कुमार ने बताया कि हादसे मे दयाल रावत निवासी वीमिला कंपाउंड पालीवाल नैनीताल, अनिल नेगी (38), सुंदर सैनी (42), भुवन भंडारी(37)हल्द्वानी की जान चली गई। चालक यशदीप पांडे निवासी हल्द्वानी गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद ट्रैक्टर चालक भाग निकला।

यूजीसी एक्ट के खिलाफ विभिन्न संगठनों ने किया प्रदर्शन

बुलंदशहर (सं.)। सोमवार को विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संगठनों ने यूजीसी एक्ट के विरोध में संयुक्त प्रदर्शन किया। भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और एक्ट को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नगर के डीएवी तिराहे से काला आम चौराहे तक एक रैली निकाली। इस विरोध प्रदर्शन में क्षत्रिय समाज, ब्राह्मण समाज, व्यापारिक संगठन सहित कई अन्य संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली के दौरान यूजीसी एक्ट को 'काला कानून' बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की गई। रैली के बाद सभी प्रदर्शनकारी कलक्ट्रेट पहुंचे, जहां उन्होंने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कानून युवाओं के भविष्य और देश की शिक्षा व्यवस्था के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। भाकियू महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार को शिक्षा से संबंधित ऐसे कानून लागू करने से पहले सभी वर्गों की राय लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी एक्ट के कुछ प्रावधान शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं, जिससे छात्रों, शिक्षकों और शिक्षण संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस कानून पर पुनर्विचार नहीं किया तो देशभर में बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन के उपरांत, प्रधानमंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से यूजीसी एक्ट को वापस लेने और देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की मांग की गई। इस अवसर पर अनिल कौशिक, अनिल देशभक्त, आदेश पाराशर, पृथ्वीराज सिंह, यशपाल सिंह सहित कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रामनगर में बनेगा रीजनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खर्च होंगे 200 करोड़, पीएम रखेंगे आधारशीला

वाराणसी (एजेंसी)। भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से रामनगर में रीजनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण कराया जाएगा। इसके लिए जमीन चिह्नित है। इसके निर्माण में करीब 200 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसकी खासियत यह होगी कि इसमें एक साथ 5000 से अधिक छात्र जल परिवहन से जुड़े रोजगार का प्रशिक्षण ले सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आगामी वाराणसी दौरे में इसकी आधारशिला रख सकते हैं। कोलकाता से प्रयागराज तक राष्ट्रीय जलमार्ग एक पर भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर जल परिवहन को बढ़ावा दिया जा रहा है। आगामी समय में जलमार्ग के रास्ते व्यापार को बढ़ावा मिले, इसके लिए गंगा किनारे बसे वाराणसी को प्रमुख केंद्र के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इसी क्रम में रामनगर में ही भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से रीजनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण कराया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार इसके निर्माण में करीब 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस केंद्र के माध्यम से नाविकों, पोर्ट कर्मियों व जलमार्ग से जुड़े कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसमें एक साथ करीब 5000 से अधिक प्रतिभागियों को सिमुलेटर आधारित प्रशिक्षण के साथ ही नेविगेशन और जहाज संचालन का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। काशी में चलने वाले हाइड्रोजन जलयान के उद्घाटन समारोह में विभाग के सचिव ने रीजनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की घोषणा की थी। इस क्रम में स्थानीय स्तर पर काम हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आगामी काशी दौरे पर इसकी आधारशिला रख सकते हैं।

तालाब किनारे लगे कूड़े में जोरदार धमाका, हिल गए आसपास के घर

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में तालाब किनारे लगे कूड़े के ढेर में जोरदार धमाका हुआ। धमाके के साथ ही चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया। आवाज इतनी तीव्र थी कि आसपास के घरों में कंपन महसूस हुई। घबराकर लोग घरों से बाहर निकल आए। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर चौकी प्रभारी बेहटा हरिओम पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों को समझाकर वहां से हटाया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के पास की है। तालाब के पास रहने वाले शमसुद्दीन ने बताया कि वह सोने की तैयारी कर रहे थे, तभी धमाके की आवाज आई। आवाज सुनकर वह बाहर निकले तो चारों तरफ धुआं ही धुआं था। वहीं, धमाके से मो. हसीब के घर की फॉल सीलिंग लटक गई।पुलिस की शुरूआती जांच में मामला किसी शरारती तत्व की करतूत प्रतीत हो रहा है।

'संवाद से समाधान' के संकल्प के साथ राज्य स्तरीय एनएसएस सम्मेलन का शुभारंभ

भोपाल (शिखर समाचार) युवाओं की ऊर्जा को अनुशासन, सेवा और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने के उद्देश्य से राजधानी भोपाल में सोमवार को राज्य स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) सम्मेलन 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का मुख्य ध्येय संवाद से समाधान रखा गया है। सम्मेलन का आयोजन क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अशोक कुमार श्रोती के नेतृत्व में किया गया, जिसमें प्रदेश भर से आए एनएसएस से जुड़े प्रतिनिधियों और कार्यक्रम समन्वयकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य सचिव (उच्च शिक्षा) अनुपम राजन ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों की कार्यशैली और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि स्वयंसेवक समाज में सकारात्मक परिवर्तन के सशक्त माध्यम बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा विभाग के इतिहास में अब तक एनएसएस स्वयंसेवकों की ओर से कभी भी शासन या विभाग के लिए कोई समस्या उत्पन्न नहीं हुई, जो उनके संस्कार और संगठन के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उन्होंने प्रदेश में एनएसएस द्वारा संचालित विभिन्न नवाचारों और सामाजिक अभियानों को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि युवाओं की सहभागिता से समाज में जागरूकता और विकास की नई दिशा मिलती है। साथ ही उन्होंने आश्वासन दिया कि उच्च शिक्षा विभाग भविष्य में भी एनएसएस की गतिविधियों को अधिक प्रभावी और

सुदृढ़ बनाने के लिए विशेष प्रयास करेगा। सम्मेलन में भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना के उप कार्यक्रम सलाहकार डॉ. अशोक कुमार श्रोती ने सम्मेलन की अवधारणा और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संवाद के माध्यम से स्वयंसेवक जमीनी स्तर पर समाज की समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनएसएस का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट शैलेंद्र सिंह तथा माधव कॉलेज ग्वालियर के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार शर्मा उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने प्रशासनिक और शैक्षणिक दृष्टिकोण से एनएसएस की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देने में यह संगठन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। सम्मेलन के तकनीकी सत्र में मध्य प्रदेश के सातों विश्वविद्यालयों के कार्यक्रम समन्वयकों ने भाग लिया। इस दौरान उन्होंने पावरपॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से अपने अपने विश्वविद्यालयों में संचालित विशेष गतिविधियों और नवाचारों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इसमें गोद लिए गए गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में किए गए कार्यों, आपदा प्रबंधन, मतदान जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण में स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही आगामी सत्र के लिए संवाद आधारित सामुदायिक कार्यक्रमों और नए नवाचारों की रूपरेखा भी साझा की गई।

सम्मेलन के आयोजन को सफल बनाने में क्षेत्रीय निदेशालय भोपाल की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. अशोक कुमार श्रोती और डॉ. राजकुमार वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने प्रदेश में एनएसएस की बढ़ती सक्रियता और प्रभाव को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने कहा कि जहाँ संवाद होता है, वहाँ समस्याओं का समाधान भी निश्चित रूप से निकलता है। मध्य प्रदेश का एनएसएस स्वयंसेवक अनुशासन, सेवा और समर्पण की वह मशाल है, जो समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रही है।

एयरपोर्ट में स्थाई नौकरी की मांग को लेकर युवाओं का धरना, भूख हड़ताल शुरू

जेवर (शिखर समाचार)। एयरपोर्ट से प्रभावित ग्रामीण परिवारों के युवाओं ने स्थाई नौकरी की मांग को लेकर सोमवार को गांव किशोरपुर स्थित एयरपोर्ट गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया और मांग पूरी होने तक भूख हड़ताल पर बैठ गए। अधिकारियों ने युवाओं को समझाने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा, लेकिन युवाओं ने आश्वासन मानने से इनकार कर दिया। सोमवार को एयरपोर्ट से प्रभावित क्षेत्र के युवा बड़ी संख्या में गांव किशोरपुर स्थित एयरपोर्ट गेट पर एकत्र हुए और धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपनी मांग पूरी होने तक भूख हड़ताल शुरू कर दी। युवाओं की मांग है कि उन्हें एयरपोर्ट में यापल ऑनरोल पर स्थाई नौकरी दी जाए। धरना दे रहे युवाओं का कहना है कि लंबे समय से अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है। वे लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर काटते काटते थक चुके हैं। कुछ समय पहले भी 6 मार्च तक नौकरी देने का वादा किया गया था और विधायक धीरेन्द्र सिंह ने भी 15 मार्च तक नौकरी दिलाने का

आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। युवाओं का कहना है कि अब उन्हें किसी का आश्वासन नहीं चाहिए। जब तक नौकरी का लिखित लेटर नहीं दिया जाता, तब तक उनका धरना और भूख हड़ताल जारी रहेगा। धरना स्थल पर पहुंचे इंस्पेक्टर संजय सिंह और एसडीएम ने युवाओं को समझाने का प्रयास करते हुए एक सप्ताह का समय मांगा, लेकिन युवाओं ने साफ तौर पर कहा कि मांग पूरी होने से पहले वे भूख हड़ताल समाप्त नहीं करेंगे। युवाओं ने यह भी कहा कि उनके द्वारा धरना स्थल पर कोई अव्यवस्था नहीं होने दी जाएगी, लेकिन मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट से प्रभावित पहले चरण के ग्रामीण परिवारों के युवा कई वर्षों से एयरपोर्ट में स्थाई नौकरी की मांग कर रहे हैं और इसको लेकर पहले भी कई बार धरना प्रदर्शन कर चुके हैं। प्रभावित युवा गांव नगला गणेशी निवासी कृष्णा छोकर ने कहा कि काफी लंबे समय से सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है। हर बार वादा किया जाता है, लेकिन अभी तक युवाओं को नौकरी नहीं दी गई, जो बेहद दुखद है। वहीं गांव नगला शरीफ खां निवासी चांद सैफी ने बताया कि युवा लगातार अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन ही मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के लिए ग्रामीणों ने अपनी जमीन दी थी और उस समय युवाओं को नौकरी देने का वादा किया गया था।

ग्रेटर नोएडा में खुलेगा वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का पहला कैंपस, इसी साल शुरू होगी पढ़ाई

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का पहला अंतरराष्ट्रीय कैंपस इसी साल ग्रेटर नोएडा में शुरू होने जा रहा है। यह कैंपस ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण परिसर स्थित टावर 2 की तीन मंजिलों (6, 7 और 8वें तल) पर स्थापित किया जाएगा। इसके लिए यूनिवर्सिटी ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से सालाना 86 लाख रुपये में तीन फ्लोर किराए पर लिए हैं।

सोमवार को नोएडा के सेक्टर 16बी स्थित मैक्स टावर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को परफॉरमेंस गारंटी से जुड़े दस्तावेज सौंपे। यूनिवर्सिटी की प्रॉपर्टी एंड कमर्शियल ऑफिसर मैरियन जॉन्स ने बताया कि कैंपस को शुरू करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर दी जाएगी।

इस कैंपस के शुरू होने से ग्रेटर नोएडा को वैश्विक शिक्षा और इनोवेशन हब के रूप में स्थापित करने में बड़ी मदद मिलेगी। साथ ही उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक

संस्थानों के लिए एक प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में भी यह महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के नेतृत्व में इस परियोजना को जल्द शुरू कराने के लिए प्राधिकरण हर संभव सहयोग दे रहा है। यूनिवर्सिटी प्रतिनिधियों के अनुसार यह कैंपस सस्टेनेबिलिटी, वॉटर मैनेजमेंट, एग्रीकल्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिजनेस इनोवेशन जैसे क्षेत्रों में वैश्विक स्तर की पढ़ाई, रिसर्च और इंडस्ट्री से जुड़े अध्ययन को बढ़ावा देगा।

कैंपस के पहले चरण में बिजनेस एनालिटिक्स, मार्केटिंग, डेटा साइंस, सस्टेनेबल वॉटर फ्यूचर्स और एग्रीकल्चर से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। दूसरे चरण में इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और सप्लाई चेन मैनेजमेंट से संबंधित शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू करने की योजना है। प्राधिकरण के एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव ने कहा कि वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी का कैंपस खुलने से यह स्पष्ट होता है कि ग्रेटर नोएडा शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर पसंदीदा स्थान बनता जा रहा है। इससे शहर टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन के केंद्र के रूप में और तेजी से विकसित होगा तथा युवाओं को उद्योगों की जरूरत के अनुसार तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

फार्मासिस्टों को प्रैक्टिस का अधिकार देने की मांग, फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशन लागू करने पर जोर

शामली (शिखर समाचार)। इंडियन फामेर्सी एसोसिएशन की एक महत्वपूर्ण बैठक में फामेर्सी काउंसिल के चेयरमैन संदीप बिडोला के साथ फामेर्सी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 को प्रभावी रूप से लागू कराने पर जोर दिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि यदि फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 को पूरी तरह लागू किया जाता है तो फार्मासिस्टों को विधिवत प्रैक्टिस करने का अधिकार मिलेगा। इससे मरीजों को दवाइयों के बारे में सही परामर्श मिल सकेगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता भी बेहतर होगी। इस दौरान लखनऊ स्थित फामेर्सी काउंसिल में फार्मासिस्टों के रजिस्ट्रेशन को शीघ्र कराने और नवीनीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने पर भी चर्चा हुई। उपस्थित फार्मासिस्टों ने कहा कि रजिस्ट्रेशन और रिन्यूअल की प्रक्रिया समयबद्ध और पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि फार्मासिस्टों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। चेयरमैन संदीप बिडोला ने कहा कि फामेर्सी प्रैक्टिस रेगुलेशन 2015 को लागू करना समय की आवश्यकता है। इससे फार्मासिस्टों को उनका अधिकार और सम्मान मिलेगा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि फार्मासिस्टों का रजिस्ट्रेशन अब निर्धारित समय में किया जाएगा और रिन्यूअल की प्रक्रिया को भी तेज करते हुए एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। बैठक में मुजफ्फरनगर से अरशद राजपूत तथा शामली से राजकुमार वर्मा, शुभम आसियान, रजत नामदेव, विनीत कर्णवाल, पियूष, शशांक वर्मा और अमन नामदेव सहित बड़ी संख्या में फार्मासिस्ट मौजूद रहे।

गाजियाबाद नगर निगम में 10 पार्षद नामित, प्रदेश सरकार ने जारी की अधिसूचना

गाजियाबाद(शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश सरकार ने गाजियाबाद नगर निगम में 10 पार्षदों को नामित करने की अधिसूचना जारी कर दी है। नगर विकास अनुभाग-7 द्वारा जारी आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 6 के तहत राज्यपाल की ओर से इन सदस्यों को पार्षद के रूप में नामित किया गया है।

लखनऊ से 14 मार्च 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार सुमन जाटव, ज्योति चौहान, संजय रावत, भगवत गुप्ता, श्याम शर्मा, प्रदीप चौधरी, अंकुश अरोड़ा, सरदार पम्मी, मधुकर त्यागी और सुनील यादव को गाजियाबाद नगर निगम में नामित पार्षद बनाया गया है।

इन नामित पार्षदों के नगर निगम में शामिल होने से शहर के विकास कार्यों और जनसमस्याओं के समाधान में सहयोग मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नगर निगम की बैठकों में ये पार्षद शहर के विकास, नागरिक सुविधाओं और

जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपनी भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश सरकार की ओर से जारी इस अधिसूचना के बाद नगर निगम के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है। नामित पार्षदों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों और समाज के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने का प्रयास माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 82 जोड़ों का विवाह सम्पन्न, नवदंपत्तियों को मिला आशीर्वाद

शामली (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सोमवार को जनपद शामली के आरके फार्म, ऊन में सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड ऊन के 72, नगर पंचायत गढ़ी पुख्ता के 4, नगर पंचायत ऊन के 2 तथा नगर पंचायत झिंझाना के 4 सहित कुल 82 जोड़ों का विवाह एवं निकाह पूर्ण विधि विधान के साथ संपन्न कराया गया। समारोह में 54 हिंदू और 28 मुस्लिम जोड़ों ने वैवाहिक बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरूआत की।

समारोह में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य मोहित बेनीवाल तथा ब्लॉक प्रमुख ऊन रामपाल सिंह मौजूद रहे। इसके अलावा मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी, परियोजना निदेशक जिला ग्राम्य विकास अभिकरण प्रेमचंद और जिला समाज कल्याण अधिकारी रीतू रस्तोगी सहित अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में जिला प्रशासन की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि मोहित बेनीवाल ने नवदंपत्तियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद और समृद्ध दांपत्य जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित हो रही है। योजना के तहत

प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें 60 हजार रुपये कन्या के बैंक खाते में भेजे जाते हैं। इसके अतिरिक्त 25 हजार रुपये की वैवाहिक उपहार सामग्री, जैसे चांदी की पायल, बिछिया और वस्त्र दिए जाते हैं, जबकि 15 हजार रुपये तक की राशि मैरिज हॉल, टेंट, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं पर खर्च की जाती है।

मुख्य विकास अधिकारी विनय कुमार तिवारी ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप प्रशासन द्वारा पात्र और जरूरतमंद परिवारों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए इस वर्ष से बायोमैट्रिक और फेसियल उपस्थिति दर्ज होने के बाद ही जोड़ों का विवाह या निकाह संपन्न कराया जा रहा है।

जिला समाज कल्याण अधिकारी रीतू रस्तोगी ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए तीन लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले पात्र व्यक्ति ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। समारोह के अंत में सभी नवदंपत्तियों को लड्डू और ड्राई फ्रूट की टोकरियां प्रदान की गईं तथा निर्धारित उपहार सामग्री देकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पोवारी गांव की गौशाला पहुंचे नरेंद्र डाढ़ा, गौवंश के लिए कराई पानी के ड्रम की व्यवस्था

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर विधानसभा क्षेत्र के पोवारी गांव में प्राधिकरण द्वारा निर्मित गौशाला का सोमवार को भाजपा नेता और पूर्व विधानसभा प्रत्याशी नरेंद्र डाढ़ा ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला कर्मचारियों ने पानी की कमी की समस्या से उन्हें अवगत कराया, जिस पर उन्होंने तुरंत गौवंश के लिए पानी के ड्रम की व्यवस्था कराई नरेंद्र डाढ़ा ने बताया कि वह सोमवार को पोवारी गांव स्थित गौशाला पहुंचे और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने गौवंश को गुड़ खिलाकर सेवा भी की। उन्होंने कहा कि गौ माता हमारे सनातन धर्म और संस्कृति का आधार हैं। गौ माता में 33 कोटि देवी देवताओं का वास माना जाता है और जो व्यक्ति गाय का दूध पीता है, वह सामान्यतः स्वस्थ रहता है उन्होंने कहा कि गौ पालन केवल हमारी परंपरा ही नहीं, बल्कि समाज और स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। इसलिए गौवंश की सेवा और संरक्षण करना सभी का कर्तव्य है। नरेंद्र डाढ़ा ने गौशाला कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि गौवंश की सेवा और संरक्षण के लिए जो भी आवश्यक होगा, वह हर संभव सहयोग करते रहेंगे।

ग्यासपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, ग्रामीणों की हुई स्वास्थ्य जांच

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम ग्यासपुर में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच की गई तथा जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर के दौरान पात्र लाभार्थियों के लिए आयुष्मान कार्ड बनाने हेतु विशेष शिविर की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जिससे ग्रामीणों को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर आयुष त्यागी काकड़ा ने कहा कि उनका प्रयास है कि क्षेत्र के किसान और मजदूर परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्हें समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हों, इसी उद्देश्य से गांव में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है, ताकि ग्रामीणों को उनके घर के पास ही उपचार और परामर्श मिल सके। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है और लोगों को समय रहते बीमारी की जांच और उपचार की सुविधा मिलती है। शिविर के आयोजन में अमित, शिवम, केशव, ब्रह्मजीत जाटव, अर्जुन, श्यामानंद, नयन, विकास, सुंदर, अमित शर्मा, जनार्दन शर्मा, हरपाल नेता, दीपक, पवन पांचाल और नानक चंद वाल्मीकि सहित कई लोगों का विशेष सहयोग रहा।

नौकरी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, अश्लील वीडियो बनाकर करता रहा शोषण

मोदीनगर (शिखर समाचार)। नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवती के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने सोमवार को इस संबंध में पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। एक कॉलोनी निवासी युवती के अनुसार कुछ समय पहले उसकी मुलाकात एक युवक से हुई थी। युवक ने स्वयं को एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में प्रबंधक बताया और युवती को नौकरी दिलाने का आश्वासन दिया। आरोप है कि साक्षात्कार कराने के बहाने युवक उसे कार में लेकर गया, जहां उसने नशीला पदार्थ पिलाकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। युवती का आरोप है कि आरोपी ने घटना के दौरान उसके अश्लील वीडियो और फोटो भी बना लिए। इसके बाद वह वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। जब युवती ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने कथित रूप से वीडियो और फोटो उसके रिश्तेदारों को भेज दिए, जिससे उसकी बदनामी हुई। पीड़िता का कहना है कि आरोपी अब भी उसे लगातार धमकियां दे रहा है। मामले में पुलिस का कहना है कि शिकायत प्राप्त हुई है और पूरे प्रकरण की जांच कराई जा रही है। जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

दीवार निर्माण को लेकर दो पक्षों में मारपीट, सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

मोदीनगर (शिखर समाचार) निवाड़ी थाना क्षेत्र के पतला कस्बे में दीवार निर्माण को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि लाठी डंडे चलने के साथ पत्थरबाजी भी हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने लाठियां फटकार कर झगड़ा कर रहे लोगों को खदेड़ा। इस मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पतला कस्बे में सुभाष और सुनील के मकान पास पास स्थित हैं। बताया जा रहा है कि सुभाष अपने मकान पर दीवार का निर्माण करा रहा था, जिसका सुनील ने विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो कुछ ही देर में मारपीट में बदल गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए और लाठी डंडों के साथ पत्थरबाजी भी होने लगी। अचानक हुए इस झगड़े से इलाके में अफरा तफरी का माहौल बन गया और वहां भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और लाठी फटकार कर झगड़ा कर रहे लोगों को तितर बितर किया। पुलिस के अनुसार इस मामले में सुभाष, सुनील, अभिलाष, आरजू, मुनेश और उर्मिला सहित सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

साइबर ठगी का खुलासा, तीन आरोपी गिरफ्तार, 9.73 लाख रुपये पीड़ित चिकित्सक को लौटाए

सहारनपुर (शिखर समाचार)। साइबर अपराध थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के एक मामले का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 9 लाख 73 हजार रुपये बरामद कर न्यायालय के आदेश पर पीड़ित चिकित्सक डॉ. प्रभात वर्मा को वापस दिला दिए। एसपी सिटी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में अंकित जायसवाल, अभय शर्मा और विवेक शर्मा निवासी लखनऊ शामिल हैं। पीड़ित डॉ. प्रभात वर्मा निवासी थाना जनकपुरी ने 11 नवंबर 2024 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क इलाज का बकाया भुगतान दिलाने के नाम पर उनसे 9 लाख 59 हजार 700 रुपये की ठगी कर ली गई थी। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से बरामद स्कोडा कार भी न्यायालय के आदेश पर पीड़ित चिकित्सक को सौंप दी गई। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

नौकरी दिलाने के नाम पर युवक से ठगी, दस्तावेजों से बना डाली दो फर्म, 61 करोड़ का लेनदेन

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के बिसनोली गांव में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से आधार कार्ड, पैन कार्ड और खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए गए। बाद में उन्हीं दस्तावेजों का इस्तेमाल कर दो फर्म बनाकर करोड़ों रुपये का लेनदेन किया गया। पीड़ित की शिकायत पर न्यायालय के आदेश से आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ित अंशुल शर्मा ने बताया कि वर्ष 2018 में गांव के ही शिवम उर्फ जैगवार ने उसे अच्छी कंपनी में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था। इसी बहाने उससे आधार कार्ड, पैन कार्ड और कुछ खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिए गए तथा बायोडाटा भी ले लिया। आरोप है कि बाद में इन दस्तावेजों का दुरुपयोग करते हुए आरोपी ने पीड़ित के नाम पर जीएसटी नंबर लेकर दो फर्म रजिस्टर कर दीं। इन दोनों फर्मों के माध्यम से करीब 61 करोड़ 11 लाख 69 हजार 175 रुपये का लेनदेन किया गया। इस लेनदेन के आधार पर आयकर विभाग की ओर से पीड़ित के ऊपर 1 करोड़ 98 लाख 35 हजार 735 रुपये की देनदारी बताई जा रही है और लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं, जबकि पीड़ित का कहना है कि उसने कोई फर्म नहीं बनाई है। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर इस तरह का सिंडिकेट चलाता है। पुलिस द्वारा सुनवाई न होने पर उसने न्यायालय का सहारा लिया। न्यायालय के आदेश पर बादलपुर कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस जांच में जुटी है।

संपादकीय

होर्मुज स्ट्रेट : शक्ति राजनीति के बीच फंसी वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा

वैश्विक राजनीति और ऊर्जा सुरक्षा के समीकरणों में फारस की खाड़ी का होर्मुज स्ट्रेट आज फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में है। यह संकरा समुद्री मार्ग लंबे समय से विश्व अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा माना जाता रहा है, लेकिन वर्तमान समय में यह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए एक रणनीतिक चुनौती के रूप में उभरता दिखाई दे रहा है। विश्व के लगभग एक तिहाई समुद्री तेल व्यापार का गुजरना इसी जलडमरूमध्य से होता है। यही कारण है कि जब भी इस क्षेत्र में तनाव बढ़ता है, तो उसका सीधा असर वैश्विक तेल बाजार, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

हाल के महीनों में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री मार्गों पर सुरक्षा चुनौतियों ने होर्मुज स्ट्रेट को फिर से अंतरराष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चला आ रहा टकराव इस जलमार्ग को लगातार संवेदनशील बनाए हुए है। ईरान बार बार यह संकेत देता रहा है कि यदि उसके हितों पर हमला हुआ या उस पर अत्यधिक दबाव बनाया गया तो वह होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने जैसे कठोर कदम पर विचार कर सकता है। यद्यपि ऐसा कदम उठाना केवल क्षेत्रीय ही नहीं बल्कि वैश्विक संकट को जन्म दे सकता है, फिर भी यह चेतावनी अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी रहती है।

अमेरिका लंबे समय से खुद को वैश्विक समुद्री सुरक्षा का संरक्षक मानता रहा है। उसकी नौसैनिक उपस्थिति दुनिया के कई समुद्री क्षेत्रों में मजबूत है, लेकिन होर्मुज स्ट्रेट का मामला कुछ अलग है। यहां की भौगोलिक स्थिति, ईरान की सामरिक क्षमता और क्षेत्रीय राजनीति का जटिल संतुलन अमेरिकी रणनीति को सीमित कर देता है। यदि इस क्षेत्र में सैन्य टकराव की स्थिति बनती है तो उसका परिणाम केवल एक देश तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरा वैश्विक ऊर्जा बाजार संकट में आ सकता है।

दरअसल, होर्मुज स्ट्रेट केवल एक समुद्री मार्ग नहीं बल्कि ऊर्जा भू राजनीति का प्रतीक बन चुका है। सऊदी अरब, इराक, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और कतर जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों का अधिकांश निर्यात इसी रास्ते से होकर गुजरता है। यदि किसी कारणवश यह मार्ग बाधित होता है तो तेल की आपूर्ति में भारी कमी आ सकती है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। इसका सीधा प्रभाव विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, जिनकी ऊर्जा निर्भरता आयातित तेल पर अधिक है। अमेरिका के लिए यह स्थिति इसलिए भी चुनौतीपूर्ण है क्योंकि एक ओर वह वैश्विक ऊर्जा बाजार को स्थिर बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर ईरान पर दबाव बनाए रखने की उसकी नीति भी जारी है। आर्थिक प्रतिबंधों और कूटनीतिक दबावों के माध्यम से अमेरिका ईरान को सीमित करने की कोशिश करता रहा है, लेकिन इसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय तनाव और बढ़ जाता है। यही कारण है कि होर्मुज स्ट्रेट धीरे धीरे अमेरिका के लिए रणनीतिक दुविधा बनता जा रहा है। आज का वैश्विक परिदृश्य पहले से कहीं अधिक जटिल हो चुका है। रूस यूक्रेन युद्ध के बाद ऊर्जा बाजार पहले ही अस्थिर है। यूरोप को ऊर्जा आपूर्ति के नए स्त्रोत तलाशने पड़े हैं और एशिया के देशों को भी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर नई रणनीतियां बनानी पड़ रही हैं। ऐसे समय में यदि होर्मुज स्ट्रेट में कोई बड़ा संकट खड़ा होता है तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को एक और बड़ा झटका लग सकता है।

~ मौलिक चिंतन ~

महान वही बन सकता है, जो 'कथनी से ज्यादा 'करनी' में विश्वास रखता है।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

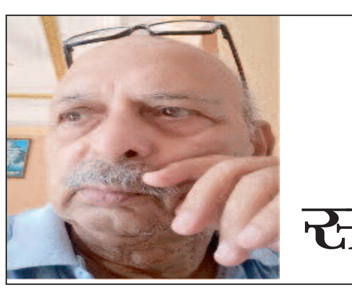

© विनय संकोची

युद्ध के दुष्प्रभाव से बचाव के लिए काम आई मोदी की कूटनीति

मनोज कुमार अग्रवाल

अमरीका और इजरायल के ईरान के साथ चल रहे विनाशकारी युद्ध के बीच पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति की वार्ता के बाद ईरान ने भारतीय जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने का संकेत दिया है। ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने कहा कि भारत हमारा मित्र है और जल्द ही भारतीय जहाजों को रास्ता मिलेगा।

ईरान और अमेरिका-इजरायल युद्ध के बीच वैश्विक ईंधन संकट गहराता जा रहा है। इस तनावपूर्ण माहौल में ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर ईरान की नीति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि यह समुद्री रास्ता सबके लिए बंद नहीं है, बल्कि केवल चुनिंदा देशों के लिए प्रतिबंधित है।

बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की लगभग 20% तेल आपूर्ति का मुख्य रास्ता है। पिछले महीने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद से तेहरान ने इस मार्ग पर नाकेबंदी सख्त कर दी है जिससे तेल और गैस की सप्लाई रुक गई है और पूरी दुनिया में ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं।आज के वैश्वीकरण के दौर में दुनिया के किसी भी हिस्से में होने वाला संघर्ष केवल स्थानीय नहीं रह जाता, बल्कि उसके प्रभाव पूरी दुनिया में महसूस किए जाते हैं। पश्चिम एशिसया में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ता तनाव भी ऐसा ही एक उदाहरण है। भौगोलिक दृष्टि से भारत इन देशों से हजारों किलोमीटर दूर है, लेकिन आर्थिक, रणनीतिक और मानवीय संबंधों के कारण इस युद्ध के प्रभाव से भारत अछूता नहीं है। अमरीका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। उसके मुख्य नेता अयातुल्ला अली खामेनेई सहित वरिष्ठ नेताओं और महत्त्वपूर्ण सैन्य जरनैल इस हमले में मारे गए थे। इनका युद्ध तो चाहे दो सप्ताह पहले ही शुरू हुआ था, परन्तु ईरान और इजरायल की दुश्मनी दशकों पुरानी है। ईरान ने इजरायल का अस्तित्व मिटाने का पहले से ही संकल्प लिया हुआ है। इजरायल न सिर्फ उससे पूरी टक्कर ले रहा है अपितु नजदीक के कई अरब क्षेत्रों, जिनमें फिलिस्तीनियों ने शरण ली हुई है, पर भी समय-समय पर कब्जा करके वहां उसके द्वारा अपनी स्थायी बस्तियां बना ली गई हैं।चाहे लम्बी अवधि व्यतीत होने के बाद ज्यादातर अरब देश इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार भी करने लगे हैं और उसके साथ किसी न किसी रूप में अपने संबंध भी बहाल कर रहे हैं परन्तु ईरान ने नजदीकी देश लेबनान में हिजबुल्ला जैसे कट्टर संगठन और यमन में हूती संगठन के साथ-साथ गाजा पट्टी में हमास गुरिल्लों को दशकों से सहायता देकर उन्हें इजरायल से मुकाबले के लिए पूरी तरह तैयार किया हुआ है, जो समय-समय पर इस पर हमले भी करते रहते हैं। इस बार इस लड़ाई की शुरूआत भी गाजा पट्टी में प्रशासन चला रहे हमास संगठन द्वारा 7 अक्तूबर, 2023 को पहले इजरायल पर हमला किया गया था, जिसके बाद यह लड़ाई गम्भीर रूप धारण करती रही, जिसकी भेंट 80,000 से अधिक गाजा पट्टी में बसे हुए फिलिस्तीनी भी चढ़ गए परन्तु इसके साथ-साथ दोनों देशों की आपसी दुश्मनी लगातार और भी बढ़ती गई। अब शुरू हुई इस लड़ाई में जहां अमरीका द्वारा ईरान का प्रत्येक पक्ष से भारी नुकसान किया जा रहा है, वहीं ईरान की ओर से भी वैकल्पिक रूप में इजरायल और खाड़ी देशों के उन देशों पर हमले किए जा रहे हैं, जिनमें अमरीकी अड्डे स्थापित हैं। यह लड़ाई तेल और गैस से भरपूर खजानों वाले देशों में हो रही है, जिसका सीधा प्रभाव विश्व भर के देशों पर पड़ रहा है। कच्चे तेल के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में आयात की जाती महत्त्वपूर्ण खाद की भी बड़ी कमी महसूस की जाने लगी है। आपको बता दें भारत में 80 प्रतिशत से भी अधिक कच्चे तेल और यूरिया का आयात किया जाता है।

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवाल: कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

योगेश कुमार गोयल

ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनता गैस संकट... मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा ह्यचोकपॉइंटह्न माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है।

इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्त्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है।

इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में ह्यप्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनाह्न के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।

संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।

दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्त्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्त्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। ऊर्जा संकट लंबे समय से विकसित हो रही संरचनात्मक चुनौतियों का परिणाम होता है। इस समय आवश्यकता है संयम, जिम्मेदारी और ठोस नीति निर्माण की। मध्य-पूर्व का संघर्ष कब समाप्त होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति कब बहाल होगी, इसका स्पष्ट अनुमान फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन इतना निश्चित है कि इस संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को यह सबक दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति जितनी वैश्विक है, उतनी ही नाजुक भी। यदि भविष्य में ऐसे संकटों से बचना है तो ऊर्जा स्त्रोतों का विविधीकरण, गैस भंडारण अवसंरचना का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और अनिश्चितता की आग में झुलसती रहेगी।

पांच राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में चुनावी बिगुल, भारतीय लोकतंत्र के नए अध्याय की ओर बढ़ता भारत

बिनोद कुमार सिंह

भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की यही विशेषता है कि यहां जनता का मत सर्वोपरि माना जाता है।इसलिए इन चुनावों को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं,बल्कि लोकतंत्र के महोत्सव के रूप में देखा जाना चाहिए,जिसमें देश का प्रत्येक जागरूक नागरिक अपनी भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाता है।

भारत जैसे विशाल व विविधताओं से भरे लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया भर नहीं होते,बल्कि वे लोकतंत्र की जीवंतता,जनमत की अभिव्यक्ति और जनता की आकांक्षाओं के नए अध्याय का उद्घोष भी करते हैं।जब भी चुनाव की घोषणा होती है,देश के राजनीतिक परिदृश्य में एक नई हलचल दिखाई देने लगती है। यही दृश्य एक बार फिर सामने आया है, जब भारत निर्वाचन आयोग ने चार राज्यों व एक केन्द्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी है।इस घोषणा के साथ ही देश के राजनीतिक गलियारों में चुनावी बिगुल बज चुका है और सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक सभी दल अपने-अपने रणनीतिक समीकरणों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।केन्द्रीय निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार असम में 9 अप्रैल को मतदान होगा और मतगणना 4 मई को की जाएगी। इसी प्रकार केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में भी 9 अप्रैल को मतदान निर्धारित किया गया है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को मतदान होगा,जबकि पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव संपन्न होंगे-पहला चरण 23 अप्रैल और दूसरा चरण 29 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा।इन सभी राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही लोकतांत्रिक प्रक्रिया की औपचारिक शुरूआत हो जाती है। इसके साथ ही आचार संहिता लागू हो जाती है और चुनाव आयोग स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने की दिशा में अपनी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने में जुट जाता है। प्रशासनिक मशीनरी भी सक्रिय हो जाती है,जबकि राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों के चयन,चुनावी रणनीति और प्रचार अभियान को गति देने लगते हैं।

भारत के लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहाँ चुनाव केवल राजनीतिक दलों के लिए ही नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए भी उत्सव का रूप ले लेते हैं। गांवों की चौपालों से लेकर महानगरों के राजनीतिक मंचों तक हर जगह चुनावी चर्चा का माहौल बन जाता है।चाय की दुकानों,बाजारों और सामाजिक आयोजनों में लोग आगामी चुनावों के संभावित परिणामों को लेकर चर्चा करते दिखाई देते हैं।राजनीतिक विश्लेषकों और तथाकथित ह्यराजनीति पंडितोंह्न के बीच भी संभावनाओं का आकलन और समीकरणों की गणना शुरू हो जाती है।इन चुनावों का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि जिन राज्यों में मतदान होने जा रहा है,वे अपने-अपने क्षेत्रीय,सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।असम पूर्वोत्तर भारत का प्रमुख राज्य है, जहाँ की राजनीति में क्षेत्रीय पहचान, प्रवासन,विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दे प्रमुख भूमिका निभाते रहे हैं।यहाँ का चुनावी परिणाम केवल राज्य की राजनीति को ही प्रभावित नहीं करता,बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र की व्यापक राजनीतिक दिशा को भी प्रभावित करता है।

दूसरी ओर दक्षिण भारत के दो महत्वपूर्ण राज्य–तमिलनाडु और केरल–भी इस चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा हैं।तमिलनाडु की राजनीति लंबे समय से क्षेत्रीय दलों के प्रभाव में रही है,जहाँ द्रविड़ आंदोलन की विचारधारा ने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया है।यहाँ चुनाव केवल राजनीतिक दलों के बीच प्रतिस्पर्धा नहीं,बल्कि विचारधारात्मक संघर्ष का भी प्रतीक बन जाते हैं।केरल की राजनीति भी अपने आप में विशिष्ट है।यहाँ प्रायः दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों के बीच सत्ता का परिवर्तन होता रहा है।वामपंथी और कांग्रेस नेतृत्व वाले गठबंधन के बीच होने वाली यह प्रतिस्पर्धा भारतीय लोकतंत्र में वैचारिक विविधता का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करती है।वही हम पश्चिम बंगाल की बात करें तो यह राज्य लंबे समय से राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रहा है। पं० बंगाल की राजनीतिक संस्कृति में विचारधारा, जन आंदोलनों और सामाजिक परिवर्तन की गहरी परंपरा रही है। हाल के वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में नए समीकरण बने हैं, जिसके कारण यह चुनाव विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दो चरणों में होने वाला मतदान इस बात का संकेत है कि प्रशासन और चुनाव आयोग इस राज्य में चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विशेष सतर्कता बरत रहा है।

केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी का चुनाव भले ही आकार में छोटा प्रतीत होता हो,लेकिन इसकी राजनीतिक संवेदनशीलता भी कम नहीं है।बंगाल की राजनीति में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय दलों का प्रभाव भी देखा जाता है। यही कारण है कि इस छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश के चुनाव परिणाम भी राष्ट्रीय राजनीति में एक संदेश देने की क्षमता रखते हैं।

चुनाव की घोषणा के साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सामने चुनौतियों का एक नया दौर शुरू हो जाता है। सत्ता पक्ष के लिए यह अवसर होता है कि वह अपने कार्यकाल की उपलब्धियों को जनता के सामने रखे और विकास के आधार पर समर्थन प्राप्त करने का प्रयास करे। वहीं विपक्ष के लिए यह समय सरकार की नीतियों और कार्यप्रणाली की आलोचना करते हुए जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करने का होता है।राजनीतिक दलों के लिए उम्मीदवारों का चयन भी एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया होती है।प्रत्येक दल इस बात का ध्यान रखता है कि उसका उम्मीदवार न केवल लोकप्रिय हो,बल्कि स्थानीय सामाजिक समीकरणों को भी संतुलित कर सके। जातीय, क्षेत्रीय और सामाजिक कारक कई बार उम्मीदवारों के चयन में निर्णायक भूमिका निभाते हैं।यही कारण है कि टिकट वितरण के समय कई बार दलों के भीतर भी असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।चुनावी प्रचार अभियान भी लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण और रोचक पहलू होता है।रैलियाँ ,जनसभाएं, रोड शो और सोशल मीडिया अभियान के माध्यम से राजनीतिक दल अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को जनता तक पहुंचाने का प्रयास करते हैं। आज के डिजिटल युग में चुनावी प्रचार का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है।सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन संवाद और डिजिटल प्रचार के माध्यम से राजनीतिक दल युवाओं और शहरी मतदाताओं तक अपनी पहुंच बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं।इन चुनावों में स्थानीय मुद्दों के साथ-साथ राष्ट्रीय मुद्दों की भी चर्चा होना स्वाभाविक है।विकास, रोजगार शिक्षा,स्वास्थ्य,बुनियादी ढांचा और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषय मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करते हैं।साथ ही कई बार क्षेत्रीय पहचान,सांस्कृतिक अस्मिता और स्थानीय समस्याएं भी चुनावी विमर्श का केंद्र बन जाती हैं।

भारत निर्वाचन आयोग की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराए। इसके लिए सुरक्षा बलों की तैनाती,मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा और मतगणना की पारदर्शिता जैसे अनेक पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण यही है कि इतने विशाल देश में करोड़ों मतदाता शांतिपूर्वक मतदान की प्रक्रिया में भाग लेते हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपना विश्वास व्यक्त करते हैं।चुनाव केवल राजनीतिक दलों के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए भी अपने अधिकार और जिम्मेदारी के प्रदर्शन का अवसर होते हैं।

इन चार राज्यों और एक केन्द्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनावों को लेकर राजनीतिक विश्लेषकों के बीच भी व्यापक चर्चा और अनुमान का दौर शुरू हो चुका है।कौन सा दल किस राज्य में बढ़त बनाएगा, किस गठबंधन को जनता का समर्थन मिलेगा और किन मुद्दों का प्रभाव अधिक रहेगा-इन सभी प्रश्नों पर निरंतर विचार-विमर्श जारी है।हालांकि अंतिम निर्णय अंततः जनता के हाथ में होता है।मतदाता ही लोकतंत्र के वास्तविक निर्णायक होते हैं और उनकी पसंद ही यह तय करती है कि सत्ता की बागडोर किसके हाथों में जाएगी।अंततः कहा जा सकता है कि चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक नया अध्याय प्रारंभ हो गया है।आने वाले दिनों में चुनावी रैलियों, राजनीतिक बहसों और जनसंवाद का वातावरण और भी तीव्र होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में उतरेंगे,लेकिन अंतिम फैसला लोकतंत्र के असली नायक - राज्यों के मतदाता -ही करेंगे।

भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की यही विशेषता है कि यहां जनता का मत सर्वोपरि माना जाता है।इसलिए इन चुनावों को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं,बल्कि लोकतंत्र के महोत्सव के रूप में देखा जाना चाहिए,जिसमें देश का प्रत्येक जागरूक नागरिक अपनी भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाता है।

संक्षिप्त समाचार

पदक जीतने पर विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

अलीगढ़ , एजेंसी। क्षेत्र के धनसारी गांव के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने 36वीं राज्य स्तरीय कुश्ती एवं जुडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। कुश्ती में मो. आदिल हुसैन ने गोल्ड, इरफान, सहवान, अल्कीना, फूल हसन और राखी ने कांस्य पदक जीता। जुडो में आदिल ने तृतीय, अल्वीना और ममता ने द्वितीय, राखी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता विद्यार्थियों का स्कूल में स्वागत किया गया। इस मौके पर संजय कुमार, ललित कुमार, आभारानी गौड़, प्रेमलता वर्मा, आबाद गाजी, निराले पहलवान, योगेश, विशाल प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे

खेल से जागृत होती है धैर्य, एकाग्रता व सहयोग की भावना

गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में 25 व 26 फरवरी को आयोजित वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए शनिवार को पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हुआ। इसमें लगभग 85 खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संयुक्त सचिव रामजन्म सिंह ने कहा कि सतत प्रयास, अनुशासन व समर्पण की भावना खिलाड़ियों का मूल गुण होता है। खेल से धैर्य, एकाग्रता व सहयोग की भावना जागृत होती है। सफलता के लिए निरंतर परिश्रम करना होता है। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि जीवन में अनुशासन व समयबद्धता का विशेष महत्व है। बालक वर्ग में अतुल सिंह एवं बालिका वर्ग में सोनाली मौर्या को बेस्ट एथलीट के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा कॉलेज के वॉलीबाल, बास्केटबॉल एवं कबड्डी टीम के साथ ही प्रदेशीय व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को भी पुरस्कृत किया गया। स्वागत क्रीड़ा परिषद के अध्यक्ष प्रो. परीक्षित सिंह, संचालन डॉ. नितीश शुक्ल व आभार ज्ञापन अवधेश शुक्ल ने किया। इस अवसर पर डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. राम प्रसाद यादव, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह, डॉ. सुरेन्द्र चौहान, डॉ. संजय त्रिपाठी, डॉ. अखंड प्रताप सिंह, डॉ. अंशुमान सिंह, डॉ. सरिता सिंह व डॉ. कामिनी सिंह आदि की उपस्थिति रही।

अब खुलेंगे सब सेंटर व जन आरोग्य मंदिर, निर्देश जारी

अलीगढ़ , एजेंसी। गभाना और चंडौस के आठ स्वास्थ्य केंद्र अब खुलेंगे। खबर प्रकाशित होने के बाद हर हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग ने एएनएम की पांच सब सेंटरों पर दिनवार तैनाती की है। साथ ही तीन में दो जन आरोग्य मंदिर में सीएचओ की हर दिन और एक पर सप्ताह में दो-दो दिन की तैनाती की है। विभाग यह फैसला भी ग्रामीणों के लिए राहत भरा नहीं हो सकता है। कारण सभी सेंटरों पर एएनएम ग्रामीणों उपचार करने में सक्षम नहीं है, उन्हें या तो सीएचसी भेजा जाएगा या आसपास स्थित सीएचओ के पास। ऐसे में विभाग के द्वारा की गई व्यवस्था न काफी है। जिसके बाद प्रशासन तत्काल सक्रिय हो गया। डीएम संजीव रंजन ने सीएमओ डॉ. नीरज त्यागी से आख्या मांगी। इसके बाद विभाग हरकत में आया और आनन-फानन में इन सभी सब सेंटरों और जन आरोग्य मंदिरों पर एएनएम और सीएमओ की तैनाती का आदेश जारी किया गया। संबंधित चिकित्सा प्रभारी के द्वारा सभी सब सेंटरों पर दिन वार एएनएम व जन आरोग्य मंदिर में सीएचओ की तैनाती की लिस्ट बना कर सीएमओ को भेज दिया गया। तीन जन आरोग्य मंदिर में सीएमओ की तैनाती के साथ ही सभी सब सेंटरों पर दिन वार एएनएम की तैनाती की गई है। उन्हें निर्देश दिया गया है कि वह समय से सेंटर को खोल कर बैठेंगी। टीकाकरण के साथ सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाएगी। आने वाले मरीजों उपचार करेंगी।

पेट्रोल लेकर एसएसपी ऑफिस पहुंचीं महिलाएं, आत्मदाह की दी चेतावनी, छीनाझपटी में गोद से गिरा मासूम

मेरठ, एजेंसी। राली चौहान के ग्रामीणों ने एक-दूसरे पर हमला और मारपीट का आरोप लगाया है। एक पक्ष ने एकतरफा और गलत कार्रवाई का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। एसएसपी ने एसपी देहात अभिजीत कुमार और सीओ भावनपुर को जांच सौंपी है। दोनों पक्षों के 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भावनपुर थाना क्षेत्र के राली चौहान गांव में होली पर मारपीट और फायरिंग के मामले में कार्रवाई से नाराज एक पक्ष की महिलाओं ने बृहस्पतिवार को एसएसपी ऑफिस पर पेट्रोल डालकर आत्मदाह करने की चेतावनी दी। पुलिस ने उनके हाथ से बोतल छीनी। उसके बाद एसएसपी के निर्देश पर इस मामले की जांच शुरू की गई। पुलिस के मुताबिक होली के दिन चार मार्च को दो पक्षों पर झगड़े के बाद सात मार्च को पुलिस ने मोनू की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज की थी। इसमें आरोप लगाया था कि रविंद्र और मोनू गांव में एक शोक कार्यक्रम में गए थे। तभी गली में मौजूद राजपाल पक्ष के विकास, रोहित, विक्रांत, सौरभ और शनि ने उन पर टिप्पणी करते हुए गाली-गलौज की। जब मोनू ने विरोध किया तो उन्होंने लाठी-डंडों से हमला किया। ग्रामीणों के आने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। इस हमले में मोनू को नाक पर चोट आई और रविंद्र की तीन पसलियां टूट गईं।

बीएचयू में जान देने की कोशिश: हालत चिंताजनक, आईएमएस कराएगा जांच

आईसीयू में वेंटिलेटर पर है जूनियर डॉक्टर

वाराणसी। सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक (एसएसबी) के छठे तल पर आईसीयू में वह बेहोशी की हालत में है। इसके बाद आईएमएस प्रशासन हरकत में आया। आईएमएस प्रशासन ने घटना की जांच कराने का निर्णय लिया है। तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है।

सर्जरी विभाग की जूनियर डॉक्टर ने शुक्रवार को किसी बात से नाराज होकर इंसुलिन की ओवरडोज ले ली थी। शुक्रवार दोपहर बाद से ही उसे आईसीयू के बेड नंबर 30 पर भर्ती करवाया गया है। इंसुलिन के ओवरडोज का असर मल्टी आर्गन पर पड़ा है। सबसे अधिक किडनी पर असर पड़ा है।

होश में आने का इंतजार

इस वजह से शुक्रवार देर शाम उसकी डायलिसिस भी हुई। डॉक्टर उनके होश में आने का इंतजार कर रहे हैं। चिंताजनक हालत को देखते हुए आईएमएस बीएचयू के मेडिसिन विभाग, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, कार्डियोलॉजी के साथ ही क्रिटिकल केयर से जुड़े डॉक्टरों की टीम नजर बनाए हुए है।

चिकित्सा संकाय प्रमुख होंगे अध्यक्ष, ऐसी घटना रोकने का सुझाव भी देगी कमेटी = निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने बताया कि सर्जरी विभाग की एक पीजी छात्रा से संबंधित दुर्भाग्यपूर्ण घटना की गहन जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। समिति में चिकित्सा संकाय प्रमुख को अध्यक्ष बनाया गया है। इसमें सर्जरी विभाग की प्रो. सीमा खन्ना, आईएमएस के डिप्टी चीफ प्रॉक्टर हैं। समिति सभी तथ्यों की जांच करेगी। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस सुधारात्मक उपायों की सिफारिश भी करेगी

ये है मामला

बताया जा रहा है कि डॉक्टर सत्या ने शुक्रवार दोपहर में 100 यूनिट इंसुलिन इंजेक्शन लगा लिया। इसके बाद से उनकी हालत बिगड़ने लगी। यह कदम क्यों उठाया गया, इस पर आईएमएस के अधिकारी कुछ बता नहीं पा रहे हैं। कुछ डॉक्टर और स्टाफ सीनियरों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं। इलाज कर रहे डॉक्टर के मुताबिक सत्या हालत चिंताजनक बताई जा रही है। इंसुलिन की ओवरडोज का असर किडनी पर ज्यादा पड़ा है। इस वजह से शुक्रवार शाम डायलिसिस भी करनी पड़ी।

इंसुलिन लगाकर सर्जरी विभाग की जूनियर डॉक्टर सत्या के जान देने के प्रयास की जानकारी मिली है। डॉक्टर को आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वेंटिलेटर सपोर्ट पर उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम निगरानी कर रही है। सत्या के होश में आने के बाद सही कारणों का पता चल पाएगा।

- प्रो. एसएन संखवार,
निदेश, आई एमएस बीएचयू

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस : अधिकार और जानकारी नहीं होने से होना पड़ता है परेशान, फोरम में 1300 मामले

वाराणसी। जागरूकता और कानूनी अधिकारों के अभाव में लोगों को न केवल परेशानी उठानी पड़ती है बल्कि मेहनत की कमाई को गंवाना पड़ता है। उपभोक्ता फोरम में 1300 मामले लंबित हैं। सबसे अधिक शिकायतें जीवन बीमा, हेल्थ इंश्योरेंस, बिल्डर एग्रीमेंट से जुड़े हैं। बड़ी संख्या में ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें निजी कंपनियों ने उपभोक्ताओं को एक तरह का वादा किया लेकिन सेवा या उत्पाद कुछ और दिया।

कंपनियों की मनमानी से आहत उपभोक्ता न्याय के लिए यहां पहुंचे। उपभोक्ता फोरम के अनुसार बीमा कंपनियों की ओर से क्लेम खारिज करना, पॉलिसी की शर्तों को छिपाना, अस्पताल में कैशलेस सुविधा न देना और बिल्डरों की ओर से समय पर फ्लैट न देना या एग्रीमेंट के अनुसार निर्माण न करना शामिल है।

उपभोक्ताओं के कानूनी अधिकार : उपभोक्ताओं को ऐसे सामान और सेवाओं से सुरक्षा पाने का अधिकार है जो उनके जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक हो सकते हैं।उपभोक्ता को वस्तु या सेवा की गुणवत्ता, मात्रा, कीमत, शुद्धता, मानक और निर्माता की जानकारी का अधिकार है।उपभोक्ता को बिना दबाव के अपनी पसंद के अनुसार वस्तु या सेवा चुनने का अधिकार है।

यदि किसी उपभोक्ता की शिकायत है तो उसे संबंधित मंच पर अपनी बात रखने और सुनवाई का अधिकार है।खराब उत्पाद या सेवा के कारण हुए नुकसान पर उपभोक्ता को मुआवजा या समाधान पाने का अधिकार है।उपभोक्ताओं को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी पाने का अधिकार है।

मेरठ-बागपत बाईपास के होटल में पुलिस का छापा

मेरठ, एजेंसी। मेरठ-बागपत बाईपास स्थित होटलों में चल रहे अनैतिक कार्यों के खिलाफ पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। बृहस्पतिवार शाम सूचना पर पुलिस ने एक होटल पर छापा मारा। जहां से चार युवतियों और तीन युवकों को संदिग्ध परिस्थितियों में हिरासत में लिया गया है। इस कार्रवाई से बाईपास क्षेत्र के अन्य होटल संचालक अपने प्रतिष्ठान बंद कर भाग गए। जानी थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाईपास पर स्थित कुछ होटलों में अनैतिक कार्य हो रहा है। बृहस्पतिवार शाम छह बजे किसी व्यक्ति ने पुलिस को डायल 112 पर कॉल कर एक होटल में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी दी। पुलिस ने सूचना पर होटल की घेराबंदी कर छापा मारा। होटल के कमरों की तलाशी के दौरान पुलिस ने मौके से तीन युवक और चार युवती को पकड़ा। पकड़े गए युवकों और युवतियों के पास से कोई संतोषजनक जवाब न मिलने पर पुलिस उन्हें हिरासत में लेकर थाने ले आई। देर रात तक जानी थाने में हिरासत में लिए गए सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि क्या यह किसी संगठित देह व्यापार रैकेट का हिस्सा तो नहीं है। होटल प्रबंधन की इस पूरे मामले में क्या भूमिका है, पकड़े गए युवक-युवती कहां के निवासी हैं और यहां किस माध्यम से पहुंचे। होटल की मान्यता है या नहीं। सीओ सरधना आशुतोष कुमार ने बताया कि जिस होटल से आरोपियों को पकड़ा है, उस पर कोई बोर्ड भी नहीं लगा था। पुलिस सभी से पूछताछ कर रही है। उधर, स्थानीय ग्रामीणों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि ये होटल न केवल सामाजिक माहौल बिगाड़ रहे हैं, बल्कि इनके पास शासन-प्रशासन की कोई वैध मान्यता या एनओसी भी नहीं है। गौरतलब है कि एक साल पहले बाईपास स्थित कॉलोनियों के निवासियों ने इन होटलों में चल रहे अनैतिक कार्यों के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ी थी।

कुत्ते के काटने पर गलती पड़ी भारी, अजीब हरकत करने लगा राजमिस्त्री; पांच महीने बाद हुई मौत

आगरा, एजेंसी। कुत्ते के काटने के पांच माह बाद राजमिस्त्री अजीब हरकतें करने लगे। हवा और पानी से वह डरने लगे थे। इसके बाद परिजन ने नगरिया मोड़ स्थित एक मेडिकल स्टोर से ड्रिप लगवा ली। उसके बाद भी उन्हें कोई आराम नहीं मिला।

यूपी के जिला फिरोजाबाद थाना एका के गांव उड़ेसर में एक राजमिस्त्री को कुत्ते ने काट लिया। घटना के करीब पांच माह बाद उसकी मौत हो गई। परिजन के मुताबिक, एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाई गई थी।

थाना एका के गांव उड़ेसर निवासी बंटू पुत्र लखन सिंह (40) को पांच माह पूर्व पागल कुत्ता ने काट लिया था। पत्नी यशोदा ने बताया कि उन्होंने किसी भी प्रकार का कोई एंटी रेबीज वैक्सीन नहीं लगवाया। पांच माह बाद तीन दिन पहले वह अजीब हरकतें करने लगे। हवा और पानी से वह डरने लगे थे। इसके बाद परिजन ने नगरिया मोड़ स्थित एक मेडिकल स्टोर से ड्रिप लगवा ली। उसके बाद भी उन्हें कोई आराम नहीं मिला। .शुक्रवार की रात करीब 9:45 बजे परिजन उसे मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी में लेकर गए। यहां चिकित्सकों ने आगरा के लिए रेफर कर दिया। परिजन उसे आगरा ले जाने की जगह घर पर ले गए। शनिवार की सुबह उसकी मौत हो गई।

इतने दिन बाद लगता है इंजेक्शन

मेडिकल कॉलेज के डॉ. निखिल गुप्ता ने बताया कि कुत्ता काटने के बाद पहला इंजेक्शन उसी दिन लगता है। वहीं दूसरा इंजेक्शन तीसरे दिन, तीसरा इंजेक्शन 7वें दिन और चौथा इंजेक्शन 14वें दिन लगवाना होता है। सभी इंजेक्शन लगवाने से पहले लोगों को इसमें कोई लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। इसके साथ ही जो स्वास्थ्य कर्मचारी इंजेक्शन लगाते हैं उन्हें भी तीन इंजेक्शन लगवाने चाहिए जिससे संक्रमण का खतरा नहीं रहता है।

इन बातों का रखें ध्यान

- कुत्ते के काटने के बाद जल्द से जल्द वैक्सीन लगवाएं।
- घाव को 5 से 10 मिनट तक पानी से अच्छे से धोएं।
- कम घाव होने पर टांके या पट्टी न लगवाएं।
- घाव अधिक होने पर एआरएस (एंटी रेबीज सीरम) लगवाएं।
- छोटे पिल्लों से दूरी बनाकर रखें।

दूसरे समुदाय के युवक ने घर में घुसकर महिला से किया दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

बरेली, एजेंसी। बरेली के सीबीगंज इलाके में एक महिला से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की बहन की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बरेली के सीबीगंज में एक महिला के घर में घुसे दूसरे समुदाय के युवक को घर में जाने से रोकने की कोशिश की। इससे बौखलाए आरोपी ने महिला की बहन के साथ घर में घुसकर दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। दो समुदाय का बीच का मामला होने पर गांव में हालत तनावपूर्ण बन गए हैं।

इलाके के एक गांव निवासी महिला के मुताबिक उसका व उसकी बहन का घर पास में है। दोनों घरों के बीच में दीवार है, जिसमें एक गेट बना हुआ है। पीड़िता ने थाना प्रभारी प्रदीप चतुर्वेदी को बताया कि उसकी बहन के पति की सात माह पहले मौत हो चुकी है। उसकी बहन के घर आनंद नाम का युवक आए दिन आता था। उसकी बहन की गैरमौजूदगी में भी वह पूरे दिन अकेले में घर में रहता था।

आरोप है कि 18 दिसंबर को वह घर में अकेली थी। इसी दौरान आनंद उसके घर में घुस आया और उसे बुरी नियत से पकड़कर दुष्कर्म किया। उसकी अश्लील वीडियो बना ली। इसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर कई बार में उससे 39 हजार रुपये वसूल लिए।

घर में नमाज पढ़ता मिला तो बोला- तुम भी धर्म परिवर्तन कर लो : महिला के मुताबिक एक दिन शाम को आनंद उर्फ इकरार उसकी बहन के घर में अकेला ही था। वह घर में नमाज पढ़ने लगा। उन्होंने विरोध किया तो उसने कहा कि वह सभी धर्मों को मानता है, उसका असली नाम नाम इकरार है। वह भी अपना धर्म परिवर्तन कर ले। जब उसने यह बात अपनी बहन को बताई तो वह उस पर आग बबूला हो गई। कहने लगी कि वह आनंद उर्फ इकरार से शादी करना चाहती है, इसलिए ऐसा आरोप लगा रही है।

महिला की बहन ने अपने पड़ोसियों को पूरी बात बताई। 12 मार्च को आनंद दोबारा घर आया तो पड़ोसियों ने उसे नमाज पढ़ते वक्त पकड़ लिया। इसके बाद गांव में दो समुदाय के बीच तनाव की स्थिति बन गई। महिला की बहन की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी आनंद उर्फ इकरार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इंस्पेक्टर प्रदीप चतुर्वेदी ने बताया कि मामले में जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कातिल की 6 दुकानों पर चलेगा बुलडोजर, शस्त्र लाइसेंस किए जाएंगे निरस्त, सीएम सख्त, एसआईटी गठित

बदायूं , एजेंसी। बदायूं के एचपीसीएल के सीबीजी प्लांट में दो अधिकारियों उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता व उप प्रबंधक हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या की सनसनीखेज घटना को प्लांट में फायरिंग को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख्त रुख अपनाया है। शनिवार शाम मुख्यमंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि मामले में त्वरित कार्रवाई की गई है। वहीं, देर रात सीओ डॉ. देवेंद्र कुमार को हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया। राहुल पाण्डेय नए सीओ होंगे। इससे पहले शुक्रवार को एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह को भी हटा दिया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए बरेली मंडलायुक्त की अध्यक्षता में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। यह एसआईटी पूरे मामले की गहनता से जांच कर सच्चाई सामने लाएगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि घटना में शामिल आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है। बावजूद इसके यदि जांच में किसी बड़ी साजिश या अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो प्रदेश सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आरोपी अजय प्रताप सिंह की छह दुकानों पर चलेगा बुलडोजर : सैजनी गांव स्थित एचपीसीएल के बायोगैस प्लांट में दोहरे हत्याकांड के आरोपी अजय प्रताप सिंह के खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी की मां के नाम से संचालित राशन की दुकान का लाइसेंस निलंबित करने के साथ ही गांव के बाहर बनी उसकी छह दुकानों व मकान पर बुलडोजर चलाने की तैयारी है। रविवार या सोमवार को कार्रवाई हो सकती है।

शनिवार को दातागंज एसडीएम की टीम ने नापजोख कर आवश्यक कार्रवाई पूरी की। आरोपी अजय प्रताप सिंह की गांव के बाहर बक्सेना मार्ग पर छह दुकानें हैं। तहसील प्रशासन के मुताबिक, यह दुकानें सड़क पर गलत तरीके से बनी हैं। सड़क के चौड़ीकरण का काम होना है। इस कारण इन दुकानों पर बुलडोजर की कार्रवाई होगी। इसके साथ ही कुछ अन्य लोगों के घर व दुकानों पर भी कार्रवाई हो सकती है।

शस्त्र लाइसेंस किए जाएंगे निरस्त

आरोपी के परिवार में तीन से अधिक शस्त्र लाइसेंस हैं। डीएम अवनीश राय ने कहा कि सभी शस्त्र लाइसेंस के निरस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। जिला पूर्ति अधिकारी सतीश मिश्रा ने कहा कि आरोपी की मां किरन देवी के नाम से संचालित राशन की दुकान का लाइसेंस निरस्त हो गया है।

आंवला से भाजपा के पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप ने वारदात को बेहद गंभीर बताते हुए इसकी सीबीआई जांच कराने की मांग की है।

सुलेमान उपलब्ध कराता नंबर, शगुफ्ता-रिहाना फंसाती शिकार, रिश्तेदारों ने मिलकर बनाया था गिरोह

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में पुलिस ने हनीट्रैप गिरोह का भंडाफोड़ किया है। जांच में पता चला कि रिश्तेदारों ने ही मिलकर हनीट्रैप गिरोह बना लिया था। जिसमें पति पत्नी, मां,बहन बहनोई सभी शामिल हो गए। पुलिस का दावा है कि इस गिरोह की सरगना शगुफ्ता और उसकी बहन रिहाना हैं लेकिन अन्य सभी सदस्यों की अलग अलग जिम्मेदारी तय की गई थी।कोई फोन नंबर हासिल करता था तो कोई बातचीत कर शिकार बनाता था जबकि कुछ लोगों को रुपये वसूली पर रखा गया था। शहर से सटे ताजपुर माफी गांव में हनी ट्रैप का यह गिरोह संचालित हो रहा था। इस गिरोह की सरगना शगुफ्ता और उसकी बहन रिहाना इसी गांव में रहती हैं जबकि इनका मायका भी इसी गांव का बताया जा रहा है।पुलिस का दावा है कि सुलेमान की कबाड़ खरीदने की दुकान है। उसकी दुकान पर लोगों का आना जाना रहा है। वह किसी तरह लोगों का नंबर हासिल कर लेता और उसके बाद अपनी रिश्तेदार शगुफ्ता और रिहाना को नंबर उपलब्ध कराता। यह दोनों ही युवकों से बात करती हैं और कुछ दिन बात करने के बाद मिलने के बहाने ताजपुर माफी में बुलाती हैं।इसके बाद वहां खुद ही उसके साथ आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लेती हैं। शगुफ्ता और रिहाना अपने गिरोह के अन्य सदस्यों को पहले ही अलर्ट करते हैं कि आज शिकार फंस गया और मिलने जाएगा। वह पहले ही घर में छिप जाते हैं।

इसके बाद लोगों को रिपोर्ट दर्ज कराने की धमकी देकर और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर इनके साथ ठगी करते हैं। सुलेमान, उसकी पत्नी इलमा और शगुफ्ता, मां चांद बी, शगुफ्ता के जीजा इमरान, अनीस और पप्पी चौधरी भी शामिल हैं। मुगलपुरा थाना पुलिस ने एक हनी ट्रैप गिरोह का पर्दाफाश किया है। बृहस्पतिवार को पुलिस ने इस गिरोह में शामिल चार महिलाओं समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें पति-पत्नी भी शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि गिरोह की महिलाएं फोन के जरिए लोगों से दोस्ती करती थीं और उन्हें मिलने के बहाने अपने घर बुलाकर वीडियो बना लेती थीं। यह गिरोह वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने और रिपोर्ट दर्ज कराने की धमकी देकर उनसे वसूली करता था।

प्रधानमंत्री की इस्राइल से दोस्ती गैस संकट की वजह : राकेश टिकैत

मेरठ , एजेंसी। गांव सरूरपुर खुर्द में आयोजित भारतीय किसान यूनियन की किसान गोष्ठी में संगठन के प्रवक्ता राकेश टिकैत ने केंद्र सरकार की नीतियों और अंतरराष्ट्रीय हालात पर चिंता जताई। उन्होंने भारत-अमेरिका समझौते का विरोध करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों और सरकार की नीतियों से देश आर्थिक संकट की ओर बढ़ सकता है।

टिकैत ने कहा कि ईरान-इस्राइल संघर्ष का असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। भारत की गलत नीतियों के कारण देश में तेल और रसोई गैस की किल्लत बढ़ने की आशंका है, जिसका असर आम जनता और किसानों पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर गैस की कमी से लोग परेशान हैं। ईरान हमेशा भारत का मित्र देश रहा है। प्रधानमंत्री को समझौते के प्रयास करना चाहिए था। प्रधानमंत्री की इस्राइल से दोस्ती और वहां का दौरा करना देश के लिए चिंता का सबब बन रहा है।

टिकैत ने ऊर्जा निगम पर किसानों कर उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। गोष्ठी में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण मौजूद रहे। इसमें किसानों की समस्याओं और खेती से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई। गोष्ठी की अध्यक्षता महिपाल सिंह और संचालन हर्ष चहल ने किया। इस मौके पर भाकियू जिलाध्यक्ष चौधरी अनुराग, विनोद पूनिया, वीरेंद्र पूनिया, कृष्णपाल, मनोज शर्मा, अमित कुमार, देवेंद्र फोगाट आदि मौजूद रहे।

संकट के हालात में देश के साथ खड़ा होना चाहिए : उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि देश में संकट की स्थिति पैदा होती है तो सभी नागरिकों को देश के साथ खड़ा होना चाहिए। डीजल, पेट्रोल और गैस का अनावश्यक उपयोग कम करना चाहिए।

यात्रा के लिए निजी वाहनों के बजाय सरकारी बसों और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह देश के साथ खड़ा रहे और संसाधनों का संयम से उपयोग करे।

मार्च की बढ़ती गर्मी से रबी फसलें प्रभावित, गेहूं-सौंफ की पैदावार 20 फीसदी घटने का खतरा

- बढ़ता तापमान फसलों के सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है, किसानों की बढी चिंता

नई दिल्ली ।

मार्च की शुरुआत में जिले के कई इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। अचानक बढ़ी गर्मी से गेहूं, जौ और सौंफ जैसी रबी फसलें हीट स्ट्रेस का शिकार हो रही हैं। इस समय फसलें दाना बनने और भरने की अवस्था में हैं, इसलिए अधिक तापमान उनके सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है और किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। एग्रीकल्चर एक्सपर्ट के अनुसार यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो जिले के कुल उत्पादन पर बड़ा असर पड़ेगा। इस सीजन में जिले में कुल 36 हजार हेक्टेयर में रबी फसलें बोई गई थीं। सामान्य परिस्थितियों में अनुमानित उत्पादन 5.50 लाख क्विंटल था लेकिन अचानक बढ़ी गर्मी के कारण अब लगभग 1.10 लाख क्विंटल उत्पादन कम होने का अनुमान है, यानी कुल पैदावार में गिरावट संभव है। गर्म मौसम से पौधों में फोर्स मैच्योरिटी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसका असर यह होता है कि दाने पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते और समय से पहले सूख जाते हैं। गेहूं और जौ के दाने छोटे, पतले और सिकुड़े रहते हैं। सौंफ की चमक और गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिससे किसानों की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

गुणवत्ता खराब होने से फसलों के मंडी भाव में भी गिरावट आ सकती है। अनुमान है कि गेहूं की कीमतें लगभग 15 फीसदी कम हो सकती हैं। वर्तमान में 3000-3500 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा गेहूं गिरकर लगभग 2550 प्रे ति क्विंटल रह सकता है। सौंफ में भी प्रति क्विंटल 1400 रुपए तक का नुकसान हो सकता है। कृषि विशेषज्ञ कहते हैं कि बढ़ते तापमान से फसलों को बचाने के लिए समय पर सिंचाई करना जरूरी है। मार्च के शेष दिनों में कम से कम दो हल्की सिंचाई लाभकारी रहेंगी। सुबह या शाम सिंचाई करने से मिट्टी में नमी बनी रहती है और पौधों को झुलसने से बचाया जा सकता है।

भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात पर पश्चिम एशिया संकट का असर

- पश्चिम एशिया संघर्ष से 20 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के कारण भारतीय रत्न और आभूषण निर्यात में इस महीने लगभग 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि यदि यही स्थिति बनी रहती है तो अगले तीन महीनों में 1.2 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर संभावित नुकसान लगभग 2 अरब डॉलर तक हो सकता है, हालांकि चीन और हॉन्गकॉन्ग जैसे बाजारों से इसकी कुछ भरपाई हो सकती है। भारतीय निर्यातक अमेरिकी शुल्कों के दबाव से बचने के लिए यूएई के बाजार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। कुल निर्यात का लगभग 65 प्रतिशत दुबई पहुंचा, जो खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों में वितरित होता है। दुबई अब भारत का प्रमुख आपूर्ति केंद्र बन गया है और यहां कच्चे और तैयार हीरों का व्यापार बेल्जियम की जगह ले चुका है। यूएई और विशेष रूप से दुबई को किए जाने वाले कुल निर्यात का मूल्य 8.3 अरब डॉलर है। भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के कारण देश में लगभग 200 टन सोने के आयात पर भी असर पड़ने की संभावना है।

हालांकि फरवरी 2026 में भारतीय रत्न और आभूषण का निर्यात 2.68 अरब डॉलर रहा, जो सालाना आधार पर 3.86 प्रतिशत बढ़ा। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक निर्यात 25.93 अरब डॉलर के स्तर पर स्थिर रहा, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह 25.92 अरब डॉलर था।

भारत और अमेरिका में डब्ल्यूटीओ सुधार पर टकराव की आशंका

- नियमों को बदलने की जिद पर अड़ा वाशिंगटन

नई दिल्ली ।

भारत ने डब्ल्यूटीओ के मूल सिद्धांतों की सुरक्षा पर जोर दिया है। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लेना और तरजीही राष्ट्र (एमएफएन) सिद्धांत शामिल हैं। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि संगठन के बुनियादी नियम नहीं बदले जाने चाहिए। उनका मानना है कि पहले पुराने लंबित मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए, उसके बाद ही नए सुधारों को जोड़ा जाए। भारत ने यह भी कहा कि डब्ल्यूटीओ सुधार का मतलब नियमों में बदलाव नहीं होना चाहिए, वरना संगठन के प्रति भरोसा कमजोर होगा। अमेरिका का मानना है कि एमएफएन सिद्धांत अब आधुनिक समय के लिए उपयुक्त नहीं है। अमेरिका के अनुसार यह नियम देशों को व्यापारिक संबंधों को लचीले ढंग से विकसित करने से रोकता है। अमेरिका ने कहा कि विकसित और विकासशील देशों के बीच अंतर अब स्पष्ट नहीं है, इसलिए सदस्य देशों को विशेष समझौते करने की अनुमति होनी चाहिए। इससे केवल समझौते में शामिल देशों को लाभ मिलेगा। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने पहले लागू किए गए देश-विशेष टैरिफ को अवैध घोषित किया था, लेकिन अब यूएस ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने कई देशों के खिलाफ धारा 301 के तहत जांच शुरू की है। दोनों देश इस बात से सहमत हैं कि डब्ल्यूटीओ सुधार की प्रक्रिया सदस्य देशों द्वारा ही होनी चाहिए और किसी 'सूत्रधार' की भूमिका सीमित रहनी चाहिए। विवाद एमएफएन सिद्धांत और नियमों में बदलाव को लेकर है। भारत इसे अपरिवर्तनीय मानता है, जबकि अमेरिका समय के अनुसार बदलाव चाहता है। डब्ल्यूटीओ की 14वीं मंत्री स्तरीय बैठक 26-29 मार्च को कैमरून के याउंडे में होने जा रही है। यह मुद्दा बैठक में सबसे महत्वपूर्ण चर्चा का विषय हो सकता है। भारत ने दिसंबर की जनरल काउंसिल बैठक में कहा था कि सुधार का मतलब नियमों का विस्तार या बदलना नहीं होना चाहिए, वरना संगठन की संरचना प्रभावित होगी और मराकेश समझौते की भावना बदल जाएगी।

ट्रेंट के शेयरों में गिरावट, निवेशकों के लिए अवसर या चेतावनी?

लंबे समय तक तेजी के बाद शेयर अब लौट रहा है सामान्य स्तर पर

नई दिल्ली । टाटा समूह की रिटेल कंपनी ट्रेंट और उसके जूडियो ब्रांड के शेयर पिछले समय से लगातार गिरावट में हैं। 11 अक्टूबर 2024 को शेयर 8,234.95 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर था, जो 13 मार्च 2026 तक गिरकर 3,500 रुपए पर आ गया, यानी लगभग 57.5 फीसदी की कमी। 30 जून 2025 के 6,259 रुपए स्तर से भी शेयर लगभग 44 फीसदी नीचे है। ट्रेंट के शेयर ने पहले निवेशकों को शानदार रिटर्न दिए। 6 अप्रैल 2021 को इसका भाव 703.65 रुपए था और तेजी से बढ़कर 2024 में रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा। इसकी सफलता का मुख्य कारण जूडियो ब्रांड का विस्तार और रिटेल कारोबार में मजबूत वृद्धि थी। विश्लेषकों का कहना है कि गिरावट किसी बड़े संकट की वजह से नहीं है। बाजार के जानकारों के अनुसार लंबे समय तक तेजी के बाद शेयर अब सामान्य स्तर पर लौट रहा है। वित्त वर्ष 26 की तीसरी तिमाही में कंपनी की आय 15 फीसदी बढ़कर 5,345 करोड़ रुपए रही, लेकिन बाजार की उम्मीद से कम रही। इसके अलावा नए स्टोर की तेजी, पुराने स्टोर की धीमी बिक्री और बाजार की कमजोरी भी गिरावट में योगदान कर रही है। विश्लेषकों का मानना है कि संगठित रिटेल अभी भी बढ़ने की स्थिति में है। विश्लेषकों का कहना है कि अगर पुराने स्टोर की बिक्री फिर से 20 फीसदी या उससे ज्यादा बढ़ने लगती है और खपत की मांग में सुधार होता है, तो आने वाले 3 से 5 साल में शेयर फिर से अपने पुराने ऊंचे स्तर को पार कर सकता है। लंबी अवधि के निवेशक गिरावट में खरीदारी कर सकते हैं। उनके अनुसार युवा आबादी, बढ़ती आय और छोटे शहरों में कारोबार का विस्तार कंपनी की आगे की बढ़त में मदद कर सकता है। उनका मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह गिरावट निवेश का अच्छा मौका हो सकती है।

अमेरिका और ईरान तनाव से वैश्विक ऊर्जा संकट बढ़ाः अमेरिकी तेल कंपनियां

- स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आपूर्ति में बाधाएं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनाए रखेंगी

वाशिंगटन । अमेरिका की प्रमुख तेल कंपनियों एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स के सीईओ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को आगाह किया कि ईरान युद्ध से वैश्विक ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उनका कहना है कि स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आपूर्ति में बाधाएं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनाए रखेंगी। ट्रंप ने संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत संभव है, लेकिन शर्तें अमेरिका के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका बेहतर शर्तों पर ही आगे बढ़ेगा। उन्होंने चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और यूके को स्ट्रेट आफ होर्मुज में युद्धपोत भेजने का आह्वान किया ताकि जलडमरूमध्य खुला रहे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान तब तक अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा जब तक ट्रंप यह स्वीकार नहीं करते कि वे अवैध युद्ध कर रहे हैं। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री नौसैनिक मिशन बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। जर्मनी ने कहा कि रेड सी में शिपिंग सुरक्षा अब तक प्रभावी नहीं रही। ट्रंप प्रशासन कई देशों के साथ गठबंधन बनाकर जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है। युद्ध ने अब तक लगभग 3750 लोगों की जान ले ली है। ईरान में 3000 से अधिक, खाड़ी और इजरायल में दर्जनों, और अमेरिका ने 13 सैनिक खो दिए। ईरानी हमले जारी हैं और अमेरिका ने खारग द्वीप पर हमले किए। यूएई ने 1600 ड्रोन और 300 से अधिक मिसाइलें रोक ली हैं। फुजैरा में तेल लोडिंग फिर शुरू हुई। तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई है। यह बंदरगाह स्ट्रेट आफ होर्मुज के पास स्थित है और यूएई व वैश्विक बाजारों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया तीन पैसे की तेजी के साथ ही 92.27 पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.43 पर पहुंच गया। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की भारी निकासी और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से घरेलू मुद्रा दबाव में है। देशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में अस्थिर माहौल से रुपया और टूटा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.44 प्रति डॉलर पर खुला और अपने अब तक के सबसे निचले स्तर के करीब 92.43 प्रति डॉलर पर कारोबार करता रहा जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को रिकॉर्ड निचले स्तर 92.30 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 99.98 पर रहा।

अंतरराष्ट्रीय आपात भंडार से 41 करोड़ बैरल तेल जारी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) से जुड़े देशों ने वैश्विक तेल बाजार में अस्थिरता को नियंत्रित करने के लिए अपने आपात भंडार से करीब 41 करोड़ बैरल तेल जारी करने का फैसला किया है। इसमें से 27 करोड़ बैरल सरकारी भंडार, 11.6 करोड़ बैरल उद्योग के अनिवार्य भंडार और 2.36 करोड़ बैरल अन्य स्रोतों से आएंगे। कुल तेल का 72 फीसदी कच्चा तेल और 28 फीसदी तैयार पेट्रोलियम उत्पाद होगा। एशिया और ओशिनिया के भंडार से तेल तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि यूरोप और अमेरिका के भंडार से यह मार्च के अंत तक बाजार में आएगा। यह कदम तेल आपूर्ति को संतुलित रखने और कीमतों में तेज उछाल को रोकने के लिए उठाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार अगर आपूर्ति बढ़ती है तो वैश्विक तेल कीमतों में स्थिरता आने की संभावना है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव की दिशा भी असर डाल सकती है।

हिंडाल्को ने एल्युमिनियम ढलाई व्यवसाय बंद होने की खबरों का खंडन किया

नई दिल्ली । दिग्गज धातु विनिर्माता कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने एल्युमिनियम ढलाई व्यवसाय बंद होने की खबरों का खंडन करते हुए कहा कि कंपनी के इस व्यवसाय की बिक्री या संचालन को नहीं रोका गया है। कंपनी ने कहा कि हाल ही में ग्राहकों को भेजी गई सूचना केवल संभावित आपूर्ति व्यवधान के संबंध में सामान्य व्यावसायिक जानकारी थी। वैश्विक व्यापार और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले बदलते भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में कंपनी के समग्र परिचालन या वित्तीय प्रदर्शन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। कंपनी ने कहा` कि किसी भी संभावित व्यवधान का असर एल्युमीनियम ढलाई व्यवसाय के केवल एक छोटे से हिस्से तक ही सीमित है। यह बयान उस खबर के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि पश्चिम एशिया संकट के बीच कंपनी ने एल्युमीनियम उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है।

ईरान संघर्ष से रुपया दबाव में, आरबीआई के लिए बढ़ी चुनौती

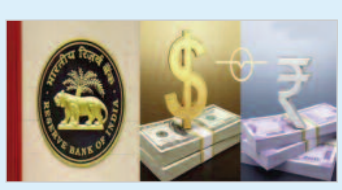

नई दिल्ली। भारतीय रुपये ने नया ऐतिहासिक निम्नतम स्तर छू लिया है। इस सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपया 91.71 से 92.47 के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा और सप्ताह का बंद 92.46 प्रति डॉलर पर हुआ। यह पिछले सप्ताह के 91.75 प्रति डॉलर से कमजोर है। रुपये की कमजोरी का मुख्य कारण वैश्विक जोखिम में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का तेज़ बढ़ना है। ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 98.7 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है, जो वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिका ने भी 13 मार्च को ईरान पर हमले तेज किए। आईएफए ग्लोबल के एक प्रमुख अे धिकारी का कहना है कि रुपये पर दबाव तब तक रहेगा जब तक ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है। उसे रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित करने और उधारी की लागत में तेज वृद्धि को रोकने के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 6 मार्च को समाप्त सप्ताह में 716.8 अरब डॉलर रहा, जो कुछ हद तक हस्तक्षेप की क्षमता देता है, लेकिन बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच सीमित प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सरकारी बॉन्ड यील्ड निकट भविष्य में सीमित दायरे में रह सकती है। वहीं, रुपये पर दबाव जारी रहने की संभावना है, जब तक तेल की कीमतें ऊंची हैं और ईरान संकट हल नहीं होता। आरबीआई को सावधानीपूर्वक कदम उठाने की जरूरत है ताकि मुद्रा स्थिर रहे और आर्थिक उधारी की लागत नियंत्रण में रहे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 939, निफ्टी 257 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ । सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज बैंकों, ऑटो और एफएमसीजी क्षेत्रों के शेयरों में आये उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 939 अंक बढ़कर 75,502.85 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएनई निफ्टी 257.70 अंक उछलकर 23,408.80 पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स 75,805.27 जबकि निफ्टी 23,502 के अपने दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। इस दौरान व्यापक बाजारों का प्रदर्शन बेंचमार्क सूचकांकों से कमजोर रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.43 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.65 फीसदी की गिरावट रही।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा 1.67 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं निफ्टी एफएमसीजी में 1.14 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.50 फीसदी और निफ्टी बैंक में 1.22 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी रियल्टी में 1.57 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 1.58 फीसदी वहीं निफ्टी आईटी 0.10 फीसदी गिरा।

निफ्टीमें बीईएल, मैक्स हेल्थकेयर, विप्रो, कोल इंडिया, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, श्रीराम फाइनेंस, सिप्ला और पावर ग्रिड के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट रही जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, ट्रेंट, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू और बजाज-ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही।

इससे पहले आज बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स गिरावट के साथ करीब 74,415 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी लगभग सपाट स्तर पर 23,116 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें भी मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विशेषज्ञों के अनुसार बाजार पर मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी बाजार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। दूसरी ओर रुपये में कमजोरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

एक्सेल और गूगल ने टम्स एआई कोहोर्ट 2026 में 5 स्टार्टअप चुने

- प्रत्येक स्टार्टअप को 20 लाख अमेरिकी डॉलर तक का संयुक्त निवेश मिलेगा

बेंगलुरु । एक्सेल एटम्स और गूगल एआई फ्यूचर्स फंड ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने 'एटम्स एआई कोहोर्ट 2026' में शामिल होने वाले पांच स्टार्टअप चुने हैं। यह विशेष कार्यक्रम एआई स्टार्टअप को शुरुआती चरण से वैश्विक स्तर तक विस्तार करने में मदद करेगा। इस कोहोर्ट के तहत, चुने गए स्टार्टअप को एक्सेल के भारतीय उद्यमियों का समर्थन और गूगल की उन्नत एआई अवसंरचना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक स्टार्टअप को 20 लाख अमेरिकी डॉलर तक का संयुक्त निवेश मिलेगा और गूगल क्लाउड, जेमिनी और डीपमाइंड संसाधनों के लिए 3.5 लाख डॉलर तक की संगणनात्मक क्रेडिट भी प्रदान की जाएगी। ये पांच स्टार्टअप के-डेंस, डॉज एआई, पर्सिस्टेंस लैब्स, जिंगरोल और लेवलप्लेन हैं- पहला के-डेंस~ जीवन विज्ञान, भौतिकी और रसायन विज्ञान में खोज को तेज करने के लिए एआई आधारित सह-वैज्ञानिक विकसित कर रहा है। दूसरा डॉज एआई~ आधुनिक उद्यम संसाधन नियोजन प्रणालियों को उन्नत बनाने के लिए स्वायत्त एआई एजेंट तैयार कर रहा है। तीसरा पर्सिस्टेंस लैब्स~ बड़े पैमाने पर कॉल सेंटर संचालन को बदलने के लिए आवाज आधारित एआई का उपयोग कर रहा है। चौथा जिंगरोल~ उपभोक्ताओं के लिए एआई आधारित मनोरंजन और स्ट्रीमिंग अनुभव विकसित कर रहा है और पांचवा लेवलप्लेन~ सटीकता आधारित वाहन और एयरोस्पेस विनिर्माण में औद्योगिक स्वचालन को बढ़ावा दे रहा है।

देश में थोक महंगाई फरवरी 2026 में बढ़कर 2.13 फीसदी पर पहुंची

खाद्य और विनिर्माण वस्तुओं के दाम बढ़े, सब्जियों की महंगाई में राहत मिली

नई दिल्ली ।

देश में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई फरवरी 2026 में बढ़कर 2.13 प्रतिशत हो गई है। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई बढ़ी है। जनवरी 2026 में यह दर 1.81 प्रतिशत थी, जबकि फरवरी 2025 में 2.45 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इसके प्रमुख कारणों में शामिल है। उद्योग मंत्रालय ने बताया कि फरवरी में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, बेसिक मेटल, गैर-खाद्य वस्तुएं, खाद्य वस्तुएं और वस्त्रों की कीमतों में बढ़ोतरी से आई है। खाद्य वस्तुओं में महंगाई जनवरी के 1.55 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 2.19 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सब्जियों की महंगाई में राहत मिली और यह जनवरी के 6.78 प्रतिशत से घटकर 4.73 प्रतिशत पर आ गई। इसके बावजूद दाल, आलू, अंडा, मांस और मछली जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी बनी रही, जिससे कुल खाद्य महंगाई बढ़ी। विनिर्मित उत्पादों में हल्की बढ़ोतरी हुई और उनकी थोक महंगाई जनवरी के 2.86 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 2.92 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं की महंगाई 7.58 प्रतिशत से बढ़कर 8.80 प्रतिशत हो गई, जो कच्चे माल और औद्योगिक वस्तुओं की कीमतों में दबाव को दर्शाता है। ईंधन एवं बिजली श्रेणी में गिरावट का दौर जारी रहा। फरवरी में इस क्षेत्र में महंगाई दर -3.78 प्रतिशत रही, जबकि जनवरी में यह -4.01 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र में कीमतें पिछले साल की तुलना में कम हैं, लेकिन गिरावट की गति धीमी हुई। खुदरा महंगाई फरवरी में बढ़कर 3.2 प्रतिशत हो गई, जबकि जनवरी में यह 2.75 प्रतिशत थी।

भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों के निर्णय के लिए मुख्य रूप से खुदरा महंगाई को आधार मानता है। चालू वित्त वर्ष में महंगाई निचले स्तर पर बनी रहने के बावजूद आरबीआई ने अब तक 1.25 प्रतिशत अंक की कटौती कर दी है।

मिडिल ईस्ट तनाव से निफ्टी का लक्ष्य 15 फीसदी तक घटा

- भारत के शेयर बाजार के मार्केट कैप में लगभग 447 अरब डॉलर गिरावट

नई दिल्ली । मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष और ईरान-अमेरिका तनाव के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में तेज गिरावट देखने को मिल रही है। इस भू-राजनीतिक संकट का असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ा है। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप करीब 447 अरब डॉलर घटकर लगभग 4.7 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। इससे पहले इतनी बड़ी गिरावट मार्च 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान देखी गई थी। वैश्विक स्तर पर भी बाजारों में भारी बिकवाली हुई है और दुनिया के बाजारों का कुल मार्केट कैप 8.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक घट गया है। जापान की एक ब्रोकरेज फर्म ने भी भारतीय बाजार को लेकर अपना दृष्टिकोण सावधानी भरा कर दिया है। ब्रोकरेज ने दिसंबर 2026 के लिए निफ्टी-50 का लक्ष्य 29,300 से घटाकर 24,900 कर दिया है, जो लगभग 15 प्रतिशत की कटौती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से कंपनियों की कमाई के अनुमान पर दबाव बढ़ सकता है। पिछले दो हफ्तों में भारतीय शेयर बाजार में करीब 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। निफ्टी और बैंक निफ्टी अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से लगभग 13 प्रतिशत नीचे आ चुके हैं।

गुलवीर सिंह ने रचा इतिहास, न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन 2026 में तोड़ा नेशनल रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्टार लंबी दूरी के धावक गुलवीर सिंह ने रविवार को न्यूयॉर्क में पुरुषों की हाफ-मैराथन (21km) का नेशनल रिकॉर्ड तोड़ दिया है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (AFI) की एक रिलीज के अनुसार 27 वर्षीय सेना के धावक ने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन 2026 में 59:42 का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया।

दक्षिण अफ्रीका के एड्रियन वाइल्डशट 59:30 के समय के साथ पहले स्थान पर रहे, उनके बाद मोरक्को में जन्मे अमेरिकी लंबी दूरी के धावक जुहैर तालबी रहे जिनका समय 59:41 था। पिछला नेशनल रिकॉर्ड 1:00:30 का था जिसे स्टीपलचेज विशेषज्ञ अविनाश साबले ने 2020 में दिल्ली हाफ मैराथन में बनाया था।

सिंह कई नेशनल रिकॉर्ड रखने वाले पहले भारतीय लंबी दूरी के धावक हैं जिनके रिकॉर्ड 3,000m ट्रैक से लेकर 25km रोड रेस तक हैं। एशियाई खेलों के पदक विजेता के नाम पुरुषों की 5,000m और 10,000m ट्रैक रेस के रिकॉर्ड भी हैं। सिंह का 2025 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था जिसमें उन्होंने 5,000m और 10,000m दोनों ट्रैक रेस जीती थीं।

सिंह इस साल जुलाई में होने वाले ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स और सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों, दोनों में पोडियम पर जगह बनाने का पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, 'मैं पूरी तरह फिट हूं और आने वाली बड़ी अंतरराष्ट्रीय रेस में अच्छे नतीजों की उम्मीद कर रहा हूं।' सेना के यह धावक फिलहाल अमेरिका के कोलोराडो स्प्रिंग्स में रह रहे हैं।

नमन अवॉड्र्स 2026 में वर्ल्ड चैंपियंस का जलवा, पांच ट्रॉफियों के साथ बीसीसीआई व खिलाड़ियों ने मनाया जीत का जश्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में आयोजित नमन अवॉड्र्स 2026 में भारत की पांच वर्ल्ड कप विजेता टीमों को सम्मानित किया। खिलाड़ियों को मेमेंटो देकर उनकी ऐतिहासिक उपलब्धियों का जश्न मनाया गया।

नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित नमन अवॉड्र्स 2026 में भारतीय क्रिकेट की शानदार उपलब्धियों का जश्न देखने को मिला। इस खास मौके पर बीसीसीआई ने भारत की पांच वर्ल्ड कप विजेता टीमों को सम्मानित किया। बोर्ड की ओर से इन टीमों के खिलाड़ियों को मेमेंटो देकर उनकी ऐतिहासिक कामयाबी को सराहा गया और भारतीय क्रिकेट के सुनहरे दौर का जश्न मनाया गया।

भारत की पांच वर्ल्ड कप विजेता टीमों को मिला सम्मान

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अलग-अलग स्तरों पर आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई बड़े खिताब अपने नाम किए हैं। इन्हीं उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए नमन अवॉड्र्स 2026 में पांच वर्ल्ड कप जीतने वाली टीमों को सम्मानित किया गया। इनमें आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026, आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 और आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीमें शामिल रहीं। समारोह में मौजूद खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इन ऐतिहासिक जीतों का जश्न मनाया।

जूनियर टीमों ने दिखाया दम

भारतीय जूनियर टीमों ने भी हाल के वर्षों में शानदार प्रदर्शन किया है। भारत की अंडर-19 महिला टीम ने कप्तान निक्की प्रसाद की अगुवाई में खेले गए अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराकर खिताब अपने नाम किया था। वहीं पुरुष अंडर-19 टीम ने कप्तान आयुष म्हात्रे के नेतृत्व में अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 जीतकर देश का नाम रोशन किया। इन युवा खिलाड़ियों की उपलब्धियों को भी इस समारोह में खास तौर पर सराहा गया।

भारतीय सीनियर टीमों ने भी आईसीसी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए कई बड़े खिताब जीते। पुरुष टीम ने रोहित शर्मा की कप्तानी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीती थी। इसके बाद महिला टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 जीतकर इतिहास रचा। हाल ही में भारतीय पुरुष टीम ने आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम किया, जहां फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप जीता। इन लगातार सफलताओं ने भारतीय क्रिकेट की ताकत और गहराई को दिखाया है।

दिग्गजों को मिला खास सम्मान

नमन अवॉड्र्स 2026 में बीसीसीआई ने भारतीय क्रिकेट के तीन महान खिलाड़ियों को

कर्नल सी. के. नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। इनमें राहुल द्रविड़, मिताली राज और रोजर बिन्नी शामिल हैं। वहीं भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को 2024-25 सीजन के लिए बेस्ट इंटरनेशनल मेन्स क्रिकेटर का अवॉर्ड दिया गया। महिला वर्ग में यह सम्मान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को मिला। यह समारोह भारतीय क्रिकेट की उपलब्धियों को सम्मान देने वाला यादगार मंच बन गया।

सिनर, सबालेंका ने पहली बार इंडियन वेल्स खिताब जीता

इंडियन वेल्स। यानिक सिनर ने दूसरे सेट के टाइब्रेकर में लगातार सात अंक बनाकर पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दानिल मेदवेदेव को 7.6, 7.6 से हराकर पहली बार एक भी सेट गंवाये बिना इंडियन वेल्स खिताब जीता। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने मेदवेदेव को पिछले दस मुकाबलों में नौवीं बार हराया। मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज को मात दी थी। महिला वर्ग में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने एलेना रिबाकिना को 3.6, 6.3, 7.6 से हराकर खिताब जीता। इससे पहले 2023 और 2025 में उपविजेता रही सबालेंका का यह पहला खिताब है।

आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स की नजरें ऋषभ और बदोनी पर रहेंगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। आईपीएल 2026 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने तैयारियां शुरु कर दी हैं। ऋषभ के अलावा टीम में एक और बेहतरीन बल्लेबाज आयुष बदोनी हैं। ऐसे में इन दोनो का ही लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाना रहेगा। वहीं टीम की नजरें भी इनके प्रदर्शन पर रहेंगी। अभ्यास सत्र में ऋषभ ने टीम के प्रमुख बल्लेबाज आयुष बदोनी को एक बल्ला देते हुए मजाकिया अंदाज में कहा कि इससे तोड़ना नहीं संभालकर रखना। इसस पता चलता है कि टीम में कितना दोस्ताना माहौल है। ऋषभ और बदोनी सहित सभी खिलाड़ी अभी एक प्री-सीजन कैंप में अभ्यास कर रहे हैं। ऋषभ का लक्ष्य इस बार आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दर्ज कराना रहेगा। वह आईपीएल 2026 के लिए टीम के कप्तान हैं। उन्हें पिछले सत्र में सबसे अधिक कीमत देकर खरीदा गया था। वह अपने खेल से किसी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। वहीं आयुष टीम के मध्यक्रम के प्रमुख बल्लेबाज हैं। इन दोनों का लक्ष्य इस बार टीम को खिताब जिताना रहेगा।

लखनऊ की टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं। ऋषभ के आसपास टीम रहेगी पर बदोनी की भूमिका भी बल्लेबाज में काफी अहम रहेग। वह बड़े नामों के बीच भी अपनी विशेष जगह बनाने में सफल रहे हैं। सत्र की शुरुआत से पहले ऐसे पल टीम के माहौल के बारे में बहुत कुछ बताते हैं। आईपीएल को लेकर टीम उत्साहित है और काफी काफी खुशनुमा माहौल में अभ्यास कर रही है इसका अंदाज कप्तान और बदोनी के बीच की बातचीत से चलता है। लखनऊ आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। इस दौरान इन दोनो खिलाड़ियों पर सबकी नजरें रहेंगी। इस दौरान बदोनी अपने को बेहतर साबित करना चाहेंगे। टीम चाहते कि जिस प्रकार अभ्यास के दौरान टीम प्रदर्शन कर रही है वैसा ही टूर्नामेंट में भी करे।

सैमसन ने माना एक बार उनके दिमाग में भी शतक लगाने का विचार आया था

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन टूर्नामेंट में तीन बार शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाये क्योंकि टीम की जरुरतों के हिसाब से उन्होंने तेजी से खेला। इसी को लेकर एक कार्यक्रम में संजू ने माना है कि एक बार उसके मन में शतक बनाने का विचार आया पर अगले ही पल उसे लगा कि शतक से अधिक टीम की जीत जरुरी है। इसलिए उसने शतक का विचार छोड़कर टीम की जरुरतों के हिसाब से खेलना तय किया। सैमसन ने पांच मैचों में कुल 321 रन बनाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 199.37 का

रहा। वह टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनके पास तीन बार शतक लगाने का अवसर था पर उन्होंने निजी उपलब्धि की चिंता नहीं की। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ करो या मरो सुपर-8 मैच में नाबाद 97 रन बनाये जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन बनाए। इसके अलावा न्यूजीलैंड के विरुद्ध फाइनल में 89 रन बनाये।

सैमसन ने कहा, लोग कहते हैं कि मैं तीन बार शतक नहीं लगा पाया पर मुझे लगता है उससे बहुत बड़ा काम हुआ है। मैंने शतक न बनाकर अधिक बेहतर योगदान दिया। मुझे ऐसा ही लगता है हालांकि मैं ये नहीं कहूंगा कि मैंने 100 के बारे में सोचा ही नहीं। हर किसी की तरह ही मेरे मन में भी आया था कि एक बार 100 बन जायें तो और अधिक मजा आयेगा पर बाद में सोचा कि जिस प्रकार खेलते हुए मैं यहां तक पहुंचा हूं, वैसे ही खेलूंगा।

सैमसन ने गौतम गंभीर की बात को बल दिया कि टीम में निजी उपब्धियों की जगह टीम गेम जरुरी है। सैमसन ने कहा कि मेरा भी मानना है कि टीम सबसे पहले है।। शुरुआत से ही तय हो गया था कि सभी टीम हित को सबसे पहले रखेंगे। सैमसन ने माना कि शुरुआत में अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से वह हताश थे।

सीएसके की ओर से तीसरे नंबर पर उतरें सैमसन : रैना

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा है कि इस माह के अंत में शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बल्लेबाज संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिये। सैमसन इस बार आईपीएल में पहली बार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलेंगे। इससे पहले के सत्र तक संजू राजस्थान रॉयल्स में थे और हमेश ही उसमें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरते रहे हैं। वहीं रैना का मानना है कि सीएसके की ओर से खेलते हुए संजू अगर नंबर तीन पर उतरते हैं तो टीम संतुलन बेहतर होगा। रैना ने कहा कि संजू के आने के बाद भी सीएसके को पारी की शुरुआत के लिए रुतुराज गायकवाड़ और आयुष म्हात्रे की जोड़ी को ही उतारना चाहिये। वहीं संजू का का काम नंबर 3 पर उतरने हुए मध्क्रम को संभालने का रहना चाहिये। रैना ने कहा, 'वह लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रहे हैं। मुझे लगता है कि यहां उनकी भूमिका टीम ने तय कर रखी होगी। मेरा मानना है कि रुतुराज और आयुष पारी की शुरुआत करें और संजू नंबर तीन पर खेलें तो अच्छा रहेगा।

अगर मनप्रीत मेरा रिकॉर्ड तोड़ देता है तो मुझे बहुत खुशी होगी : दिलीप टिर्की

कोलकाता। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप टिर्की ने कहा कि अगर मनप्रीत सिंह उनके 412 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के रिकॉर्ड को तोड़ देते हैं तो उन्हें बहुत खुशी होगी। टिर्की ने रेवस्पोर्ट्ज़ ट्रेलब्लेज़र्स 4.0 के एक सत्र के दौरान कहा, 'अगर मनप्रीत मेरा रिकॉर्ड तोड़ता है तो मुझे बहुत खुशी होगी। रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं।' मनप्रीत ने अभी तक 411 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और उन्हें सबसे पहले 400 से अधिक मैच खेलने वाले टिर्की से आगे निकलने के लिए केवल दो मैच की जरूरत है। टिर्की ने कहा, 'मैं दुनिया का पहला खिलाड़ी था जिसने 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और यह उपलब्धि हमेशा मेरे साथ रहेगी। मैं इस बात को अच्छी तरह से जानता हूं कि इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए हमेशा फिट रहना और लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है।' उन्होंने कहा, 'अगर मनप्रीत इसी तरह से खेलते रहे और वह अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं तो उनके पास मेरा रिकॉर्ड तोड़ने का अच्छा मौका है। मेरे हॉकी इंडिया के अध्यक्ष रहते हुए किसी भारतीय खिलाड़ी का यह रिकॉर्ड बनाना मेरे लिए खास होगा।' इस अवसर पर मनप्रीत ने कहा कि यह साल भारतीय हॉकी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और उसे अपने कमजोर क्षेत्रों पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, 'मैं वापस शिविर में लौट आया हूं और कड़ी मेहनत कर रहा हूं। यह साल हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है। शिविर में हमें यह पता करने का मौका मिला कि हमें किन क्षेत्र में सुधार की जरूरत है और हम सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

कड़ी मेहनत से मिलती है सफलता : रोहित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने उम्मीद जतायी है कि जिस प्रकार भारतीय क्रिकेट आगे बढ़ रहा है वह सिलसिला बना रहेगा। रोहित ने कहा कि सफलता कड़ी मेहनत और अभ्यास से मिलती है और उसका कोई भी शॉर्टकट या आसान रास्ता नहीं होता। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय पुरुष और महिला टीमों द्वारा हाल में जीते गए आईसीसी खिताब भविष्य में और बड़ी सफलताओं का आधार बनेगे। रोहित ने कहा कि टीम की सफलता के पीछे मैदान पर खेलने वाले खिलाड़ियों के साथ-ही सहयोगी स्टाफ सहित वे लोग भी रहते हैं जो सामने नजर नहीं आते पर वे भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं1 रोहित शर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करना आसान नहीं होता और इसके लिए खिलाड़ियों को लगातार समर्पण के साथ कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने बताया कि केवल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि टीम प्रबंधन, कोचिंग स्टाफ और अन्य सहयोगी स्टाफ को भी सफलता के लिए लगाता मेहनत करनी होती है। इसलिए टीम की उपलब्धियों का श्रेय सभी लोगों को मिलना चाहिए। रोहित ने भारतीय क्रिकेट की हाल की सफलताओं पर खुशी जताते हुए कहा कि पिछले कुछ साल में देश का झंडा लगातार ऊंचा लहराया है। उन्होंने कहा कि केवल पुरुष क्रिकेट ही नहीं बल्कि महिला क्रिकेट ने भी शानदार प्रदर्शन किया है और विश्व स्तर पर भारत का नाम रोशन किया है। रोहित के मुताबिक भारतीय महिला टीम की विश्वकप जीत की उपलब्धियां भी उतनी ही प्रेरणादायक हैं जितनी पुरुष टीम की। राष्ट्रीय टीमों के साथ ही महिला और पुरुष वर्ग में अंडर-19 टीमों ने भी खिताबी जीत दर्ज की जिससे पता चलता है कि भविष्य की टीम की सफलता के लिए तैयार है।

बंगलादेश ने पाकिस्तान को 11 रनों से हराया और सीरीज भी जीती

मीरपुर (एजेंसी)। आगा सलमान का शतक गया बेकार, बंगलादेश ने तंजिद हसन (107) और मो. तौहीद हृदोय (नाबाद 48) की शानदार पारियों के बाद तस्कीन अहमद की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में रविवार को पाकिस्तान को 11 रनों से शिकस्त दी। इसी के साथ बंगलादेश ने तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली।

291 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही और उसने 17 रन के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिये। साहिबजादा फरहान (छह), एम सदाकत (छह) और मोहम्मद रिजवान (चार) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद गाजी गौरी और अब्दुल समद ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट लिये 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में नाहिद राणा ने गाजी गौरी (29) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। अब्दुल समद (34), साद मसूद (38) और फहीम अशरफ (नौ) रन बनाकर आउट हुये। इसी दौरान आगा सलमान एक छोर थामे रन बनाते रहे। आगा सलमान ने कप्तान शाहीन शाह अफरीदी के

साथ आठवें विकेट के लिय 52 रन जोड़े। 48वें ओवर में तस्कीन अहमद ने आगा सलमान को आउट कर पाकिस्तान को आठवां झटका दिया। आगा सलमान ने 98 गेंदों में नो चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 106 रनों की शतकीय पारी खेली। 49वें ओवर में मुस्तफिजुर रहमान ने हारिस रउफ (एक) को आउटकर बंगलादेश को नौवीं सफलता दिलाई। मैच की आखिरी गेंद पर शाहीन शाह अफरीदी (37) रन बनाकर आउट हुये। इसी के साथ बंगलादेश ने 11 रनों से मुकाबला जीत लिया।

बंगलादेश के लिए तस्कीन अहमद ने चार विकेट लिये। मुस्तफिजुर रहमान को तीन विकेट मिले। नाहिद राणा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। रिशाद हुसैन को एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश के लिए सैफ हसन और तंजिद हसन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 105 रन जोड़े। 19वें ओवर में शाहीन शाह अफरीदी ने सैफ हसन (36) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद नजमुल शान्तो ने तंजिद हसन के साथ दूसरे विकेट लिए 53 रन जोड़े। 30वें ओवर में हारिस राउफ ने नजमुल शान्तो (27) को आउट कर पवेलियन भेज दिया।

37वें ओवर में बंगलादेश का तीसरा विकेट तंजिद हसन के रूप में गिरा। हालांकि तब तक वह अपना शतक पूरा कर चुके थे। उन्हें अबरार अहमद ने आउट किया। तंजिद हसन ने 107 गेंदों में छह चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 107 रनों की पारी खेली। लिटन कुमार दास (41) और रिशाद हुसैन (शून्य) पर आउट हुये। बंगलादेश ने निर्धारित 50 ओवरों में पांच विकेट पर 290 रनों का स्कोर बनाया। मो. तौहीद हृदोय ने 44 गेंदों में चार चौके लगाते हुए नाबाद 48 रनों की पारी खेली। अफिफ हुसैन ध्रुबो पांच रन बनाकर नाबाद रहे।

पाकिस्तान के लिए हारिस राउफ ने तीन विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और अबरार अहमद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आप सभी को 2036 ओलंपिक की अच्छे से तैयारी करनी चाहिए : जय शाह

नई दिल्ली। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने रविवार को संकेत दिए कि भारत 2036 में होने वाली ओलंपिक की मेजबानी करने वाला है। स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजेएफआई) के राष्ट्रीय सम्मेलन में जय शाह ने कहा कि भारत को खेल जगत के इस सबसे बड़े इवेंट की मेजबानी के लिए अच्छी तैयारी करनी चाहिए। जय शाह ने कहा, 'आप सब जानते हैं कि जब मैं बीसीसीआई में था तो मैंने 2028 तक की तैयारी की थी। खुशकिस्मती से मुझे अच्छे नतीजे मिले। हालांकि, बीसीसीआई की टीम यहां बैठी है। आप सबको 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स की तैयारी करनी चाहिए। आप सभी को 2032 के ब्रिस्बेन ओलंपिक की तैयारी करनी चाहिए और आप सब जानते हैं कि 2036 का ओलंपिक कहां होने वाला है। आप सबको उसकी भी तैयारी करनी चाहिए।' साल 2024 में बीसीसीआई सचिव से आईसीसी के प्रमुख बने जय शाह ने इस मौके का इस्तेमाल 2019 से 2026 तक भारतीय क्रिकेट के लिए एक बदलाव भरे दौर पर बात करने के लिए किया। उन्होंने कहा, '2019 से 2026 तक का समय बीसीसीआई और भारत के लिए बहुत अहम था। आज, मैं सबको बधाई देता हूं। हमने दो अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप खिताब और दो अंडर-19 पुरुष वर्ल्ड कप जीते। हम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में दो बार रनरअप रहे। हम पुरुष वनडे विश्व कप में रनरअप रहे, जबकि महिला वनडे वर्ल्ड कप को अपने नाम किया। हमने टी20 वर्ल्ड कप दो बार जीता और चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब भी अपने नाम किया। यही कारण है कि 2019 से 2026 तक का समय हम सबके लिए एक सुनहरा दौर था और आप सभी ने इसमें एक बड़ी भूमिका निभाई।'

बुमराह ने शादी की सालगिरह पर पत्नी संजना को बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना गणेशन को बधाई दी पर संजना ने इसके बाद मजाकिया अंदाज में उन्हें ट्रॉल कर दिया। संजना और बुमराह की शादी की ये पांचवीं सालगिरह थी। साल 2021 में इनकी शादी हुई थी। सालगिरह पर संजना ने एक खास पोस्ट की। संजना ने उनकी छोटी सी कैप्शन पर मजाकिया अंदाज में जवाब देने के साथ ही दोनों की कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि चाहे जिंदगी उन्हें कहीं भी ले जाए या दुनिया कितनी भी व्यस्त हो जाए, वे हमेशा एक-दूसरे के साथ हैं। उन्होंने बुमराह को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया और कहा कि उनकी साथ की कहानी उनकी सबसे पसंदीदा है। हाल मे हुए टी20 विश्वकप में बुमराह का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने आठ मैचों में 14 विकेट लिए। अब वह आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे। आईपीएल टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच से होगी।

वैभव सूर्यवंशी ने किया खुलासा, आईपीएल में क्रिस गेल के इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं

नई दिल्ली(एजेंसी)। 15 मार्च को दिल्ली में बीसीसीआई के वार्षिक अवॉर्ड समारोह में हर्षा भोगले से बात करने के दौरान वैभव सूर्यवंशी इस बात को लेकर निश्चित थे कि वह क्रिस गेल के 175 रन के उस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहते हैं जो उन्होंने 2013 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खेलते हुए पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ बनाया था। गेल ने 66 गेंदों पर 175 रनों की पारी खेली थी जो कि पुरुष टी20 में अभी तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है।

2018 में हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ आरोन फिंच द्वारा बनाए गए 172 रन इस सूची में दूसरे स्थान पर है। सूर्यवंशी ने खुद भी 2025 के अंतिम दिनों में एशिया कप राइज़िंग स्टार्स टूर्नामेंट में यूएई के ख़िलाफ़ खेलते हुए इंडिया ए के लिए 144 का अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया थे। जो कि उनके द्वारा खेली गई अब तक 18 टी20 पारियों में तीसरा शतक था।

आईपीएल के इतिहास में उनके नाम दूसरा सबसे तेज शतक भी है, जो उन्होंने आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स (RR) के लिए खेलते हुए गुजरात टाइटंस (GT) के खिलाफ 35 गेंदों में जड़ा था। यह दूसरा सबसे तेज शतक है क्योंकि गेल ने अपनी 175 रनों की पारी में शतक मात्र 30 गेंदों पर जड़ दिया था। सूर्यवंशी अभी 15 वर्ष के भी नहीं हुए हैं लेकिन अपने अब तक के छोटे से करियर में ही उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है और वह IPL 2026 से पहले आरआर द्वारा रिटेन किए गए खिलाड़ियों में से भी एक थे।

अवॉर्ड समारोह के दौरान उन्होंने जियो हॉटस्टार से बात करते हुए कहा, 'IPL 2026 के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य तो टीम के लिए ट्रॉफी जीतना है क्योंकि यह सबसे जरूरी चीज है। क्योंकि अगर टीम ट्रॉफी जीतती है तो इसका मतलब होगा कि मैंने अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम को इसका फायदा मिलेगा। तो यही लक्ष्य है, अपनी टीम को जीत दिलाने में अपना योगदान देना और ट्रॉफी जीतना।'

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए- बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-
फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टेबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टेबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरकरार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी टेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा।ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।
रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के बाद लक्ष्य लालवानी भी छोड़ सकते हैं 'दोस्ताना 2'

कुछ दिनों बाद में फिल्म की कास्ट में बड़ा बदलाव देखने को मिला। कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर इस प्रोजेक्ट से अलग हो गए, जबकि लक्ष्य लालवानी अभी तक इस फिल्म से जुड़े हुए हैं।

विक्रांत मैसी होंगे फिल्म का हिस्सा

इसी बीच हाल ही में अभिनेता विक्रांत मैसी ने पुष्टि की थी कि वह 'दोस्ताना 2' का हिस्सा हैं। लेकिन अब फिल्म को लेकर एक नई खबर सामने आई है। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, लक्ष्य भी इस फिल्म से अलग हो सकते हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि धर्मा प्रोडक्शन्स की यह फिल्म एक बार फिर देरी का शिकार हो गई है, जबकि इसकी शूटिंग कई साल पहले शुरू हो जानी चाहिए थी।

फिल्म की कास्ट नहीं हुई है फाइनल

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, 'दोस्ताना 2 की कास्ट अभी तक फाइनल नहीं हुई है। हो सकता है कि लक्ष्य भी यह फिल्म न करें।' सूत्र ने यह भी बताया कि 'दोस्ताना 2' बनना तय है, लेकिन फिलहाल फिल्म की कास्ट लॉक नहीं की गई है। हालांकि इस खबर को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो लक्ष्य ने हिंदी फिल्मों में डेब्यू धर्मा प्रोडक्शन्स की फिल्म 'किल' से किया था। इस फिल्म में उनके साथ राघव जुयाल और तान्या मानिकतला भी नजर आए थे। इसके बाद वह आर्यन खान की डायरेक्टोरियल डेब्यू सीरीज 'द बैस्टर्ड्स ऑफ बॉलीवुड' में भी दिखाई दिए। अब जल्द ही लक्ष्य फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ अनन्या पांडे मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक सोनी कर रहे हैं और इसे भी धर्मा प्रोडक्शन्स ही प्रोड्यूस कर रहा है।

85-90 बार रिजेक्ट होने के बाद निम्रत कौर को मिला था पहला काम

निजी जिंदगी में बड़े हादसों को झेलने के बाद पर्दे पर पहचान बनाने के लिए लंबा संघर्ष करना हिम्मतवालों का काम है और ऐसी हिम्मत व जज्बा कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। ऐसी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुकी अभिनेत्री हैं निम्रत कौर, जिन्होंने 'द लंचबॉक्स,' 'पेडल्स,' और 'होमलैंड' जैसी फिल्मों से हॉलीवुड और बॉलीवुड में दर्शकों का दिल जीता, लेकिन क्या आप जानते हैं कि अभिनेत्री की निजी जिंदगी और करियर दोनों ही मुश्किलों से भरे थे। राजस्थान के गांव में 13 मार्च को जन्मी निम्रत कौर आर्मी बैकग्राउंड से आती हैं। उनके पिता मेजर भूपिंदर सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे लेकिन कश्मीर में हुए एक विद्रोह में कुछ लोगों ने उन्हें किडनैप करके मौत के घाट उतार दिया था और उस वक्त निम्रत 12 साल की थी। अपने पिता को खोने का गम साथ लिए वह परिवार के साथ नोएडा शिफ्ट हो गईं, जहां उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई पूरी की।

निम्रत को पहले से ही बॉलीवुड की चमक पसंद थी और अपनों की उड़ान को पूरा करने के लिए न सिर्फ मुंबई का रुख किया बल्कि थिएटर भी किया। पहले अपनी कला को निखारने के लिए अभिनेत्री ने कई नाटकों में भाग लिया लेकिन फिल्मों में आने की राह आसान नहीं थी। पैसे कमाने के लिए प्रिंट मॉडलिंग की और लेकिन काम की तलाश में उन्हें बॉलीवुड की तरफ से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। अभिनेत्री के रंग, हाइट और शारीरिक बनावट पर सवाल उठाए गए लेकिन निम्रत ने कभी हार नहीं मानी और परेशानी का सामना मजबूती से किया। उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि काम की तलाश में रोज कई जगह भटकना पड़ता था और पहला काम 85-90 बार ऑडिशन में रिजेक्ट होने के बाद मिला था। निम्रत ने फिल्म से पहले साल 2004 में एल्बम सॉन्ग में काम किया था। उन्हें 'तेरा मेरा प्यार' और 'ये क्या हुआ' गानों में बतौर लीड देखा गया, जिसके बाद अनुराग कश्यप की वजह से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला। उन्हें साल 2012 में दमदार फिल्म 'पेडलर्स' में देखा गया लेकिन असली लोकप्रियता 'द लंचबॉक्स' से मिली थी। आज निम्रत बड़े पर्दे से लेकर ओटीटी पर अपनी एक्टिंग का दम दिखा रही हैं। उनकी 'द फैमिली मैन', 'एयरलिफ्ट', 'स्काईफोर्स' और 'दसवीं' दर्शकों की फेवरेट क्राइम थ्रिलर सीरीज है।

राजामौली की 'वाराणसी' में होगी सुदीप की भी एंट्री

साउथ के डायरेक्टर एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' लगातार सुर्खियों में है। इस फिल्म से जुड़े लगातार अपडेट सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं। पहले ही महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन इस परियोजना का हिस्सा बन चुके हैं। हाल ही में खबर आई कि दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज भी फिल्म में शामिल हो गए हैं। अब ताजा चर्चा है कि सुपरस्टार किच्चा सुदीप भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि अभी तक निर्माताओं की ओर से पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन अगर यह खबर सही साबित होती है, तो यह किच्चा और राजामौली का तीसरा सहयोग होगा। पहले दोनों ने फिल्म 'ईगा' में साथ काम किया था और इसके अलावा सुदीप ने 'बाहुबली: द बिगिनिंग' में भी छोटा लेकिन यादगार किरदार निभाया था।

'भारत भाग्य विधाता' में नर्स का किरदार निभाएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने राजनीति में कुछ समय बिताने के बाद अब अपनी नई फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। कंगना की आगामी फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। एक खबर के अनुसार, कंगना इस फिल्म में एक नर्स का किरदार निभाएंगी। फिल्म मुंबई के कामा और अल्बलेस अस्पताल में 26/11 हमलों के दौरान हुई घटना पर आधारित है। कंगना की इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्सुक हैं।

'भारत भाग्य विधाता' के बारे में

'भारत भाग्य विधाता' फिल्म में गिरिजा ओक भी मुख्य भूमिका में होंगी। इस फिल्म का निर्देशन मनोज तापड़िया कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। यह फिल्म इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 2008 के मुंबई 26/11 आतंकी हमलों पर आधारित है, खासकर अस्पताल में हुई घटनाओं और वहां के लोगों की बहादुरी पर। यह फिल्म दिखाएगी कि कैसे अस्पताल के कर्मचारियों ने मुश्किल वक्त में हिम्मत दिखाई और स्थिति को संभाला।

हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी कंगना?

कंगना अभिनेता आर. माधवन के साथ एक और फिल्म में काम करेंगी, जिसका निर्देशन ए.एल. विजय करेंगे। इसके अलावा, कंगना जल्द हॉलीवुड में 'ब्लेस्ड बी द इविल' फिल्म से डेब्यू कर सकती हैं, जिसमें टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी होंगे।

वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' में कुशा कपिला, निरहुआ की एंट्री

मशहूर कोर्टरूम कॉमेडी वेब सीरीज 'मामला लीगल है 2' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर काफी धमाकेदार है। रवि किशन इसमें वीडी त्यागी के रूप में वापसी कर रहे हैं। वह जज की भूमिका में नजर आ रहे हैं। नए सीजन में कुशा कपिला और निरहुआ नजर आएंगे।

2 मिनट 32 सेकंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि रवि किशन जज बनने वाले हैं। इस बात से उनके साथी खुश होते हैं। हालांकि आगे का रास्ता उनके लिए मुश्किल होने वाला है। रवि किशन जब जज बन जाते हैं, तो उनके सामने कई हैरान करने वाले केस आते हैं। इसके बाद कोर्ट में कई अजीब चीजें होती हैं। आखिर में जब रवि किशन एक फैसला करने वाले होते हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि वह अभी जज नहीं बने हैं।

'मामला लीगल है 2' के ट्रेलर में कुशा कपिला और निरहुआ नजर आए हैं। इसमें इन दो कलाकारों के अलावा रवि किशन, निधि बिष्ट, नायला ग्रेवाल, अनंत वी जोशी, अंजुम बत्रा, विजयंत कोहली और राजेंद्र गुप्ता भी हैं। इसके निर्देशक राहुल पांडे हैं। सीरीज को पोशम पा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। इसे 3 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर प्रीमियर किया जाएगा।

पहली सीरीज पर मिला अच्छा रिस्पॉन्स

सीरीज का पहला सीजन साल 2024 में रिलीज हुआ था। कॉमेडी और कोर्टरूम ड्रामा ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद फैंस इसके दूसरे सीजन का इंतजार कर रहे थे। 'मामला लीगल है' में कई केस असल जिंदगी से प्रेरित दिखाए गए थे।

इकबाल खान ने किरदारों के सिलेक्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव पर बात की

साल 2003 में 'फंटूश' फिल्म से अपने करियर की शुरूआत करने वाले इकबाल खान टीवी शो 'कैसा ये प्यार है' से हर घर में पहचाने जाने लगे। इन दिनों वह अपने नए शो 'हुई गुम...यादें-एक डॉक्टर दो जिंदगियां' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने अपने इस नए सीरियल के अलावा अपने किरदार, करियर और बाकी चीजों के बारे में बात की। इकबाल खान ने यह भी बताया कि उन्होंने अपने अब तक के करियर में क्या कुछ बदलाव देखे। साथ ही किरदारों के सिलेक्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव के बारे में भी बात की।

छोटे पर्दे पर आपका एक लंबा सफर रहा है, क्या आज करियर में कुछ बदलाव देखते हैं?

मेरी पहली फिल्म आई थी 2003 में 'फंटूश', वहां से मेरा करियर शुरू हुआ था। उसके बाद 'कैसा ये प्यार है' शो ने मुझे अंगद के रूप में हर घर में पहचान दी थी। बदलाव तो जीवन का नियम है। मुझे लगता है कि मैं पहले से बेहतर ही हुआ हूं। जिंदगी में इंसान सीखने के लिए ही आता है। मैंने भी बहुत सीखा है।

आपको क्या लगता है, सोशल मीडिया ने किरदारों और कंटेंट चुनने पर भी असर डाला है?

मेरी जिंदगी में सोशल मीडिया मुझे कंट्रोल नहीं करता, मैं उसे कंट्रोल करता हूं। दूसरा, बीच में एक ऐसा वक्त आया था, जब सोशल मीडिया को लेकर बहुत सारी चीजें हो रही थीं, कास्टिंग वगैरह भी उसको देखकर होने लगी थी, लेकिन वो बड़े लेवल पर नहीं होता है। मुझे लगता है कि प्रमोशन के लिए सोशल मीडिया बहुत बढ़िया है। लेकिन आपका प्रोडक्ट कितना बढ़िया से चल रहा है, वो आप सोशल मीडिया से पता नहीं कर सकते। चाहे आप फिल्म ले लें या टीवी शोज ले लें, इन सबके दर्शक अलग-अलग होते हैं। सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया है, लेकिन पता नहीं आपके फॉलोअर्स क्या देखना पसंद करते हैं। क्या पता उनमें से कितने दर्शक टिकट खरीदकर फिल्म देखने जाते हैं।

आप पिता हैं तो कंटेंट चुनने को लेकर आपकी सोच में कितना बदलाव आया है?

क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इस चुनाव को करने के लिए सब उतने खुशकिस्मत नहीं होते। मैं अपनी बात नहीं कर रहा। मैं इस मामले में कोई राय नहीं देना चाहता। बहुत सारे लोग कुछ भी काम कर रहे होते हैं, क्योंकि उन्हें अपना घर चलाना होता है, तो इस चीज में कुछ कहूंगा तो वो अच्छी बात नहीं लगेगी। ऊपर वाले ने मुझ पर बहुत रहम किया है, काम को लेकर मेरी जिंदगी में कभी कोई कमी नहीं रही। उतार-चढ़ाव जिंदगी का हिस्सा है, कोई ये नहीं कह सकता कि पिछले 23 साल में उसकी जिंदगी में मजे ही रहे हैं।

आप खाली वक्त में क्या कुछ करते हैं और उनकी प्लानिंग कैसे होती है?

एक परिवार वाला व्यक्ति क्या ही करेगा। जब बच्चे होते हैं तो उसे हर चीज उसे देखकर ही करनी होती है। मुझे अपने लिए कुछ खरीदने या करने का शौक नहीं है। ट्रैवलिंग के लिए 80 प्रतिशत प्लानिंग तो बीवी ही करती है, और उन्हें करनी भी चाहिए। अगर हमसे कोई गलती हो जाए तो गड़बड़ हो जाएगी। अगर बीवी करती है, तो गड़बड़ भी उसका ही माना जाएगा ।

अपने नए शो में आप डॉक्टर बने हैं। क्या है इसके पीछे की कहानी?

ये एक ऐसे डॉक्टर की कहानी है, जिसकी पिछले 8 साल की यादें खो जाती हैं। उससे पहले वो क्या था और बाद में वो क्या बन जाता है, पहले लोगों के साथ वह कैसा था, अब वो लोगों के साथ कैसा है, बहुत सारी ऐसी चीजें हैं, जो इस शो में दिखाई जाएंगी। रिलेशनशिप इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी चीज होती है, इस शो में भी रिलेशनशिप काफी मायने रखती है। इसकी बीवी, बच्चों, डॉक्टर्स और मरीजों के साथ कैसा रिश्ता है वो इसमें दिखाया जाएगा।

6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम विभाग ने देश के उत्तर, पूर्वोत्तर, दक्षिण के 25 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि उत्तराखंड, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन राज्यों में 40-50 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में बर्फ देखने गए टूरिस्ट पूरी रात अटल टनल रोहतांग में फंसे रहे। बर्फबारी के कारण सडक़ पर फिसलन बढ़ने से ट्रैफिक रोक दिया गया था। टनल में करीब हजार गाडियां थीं। इधर, सिक्किम के कई इलाकों में देर शाम तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ और बिजली पोल तक गिर गए। रकडोंग काफर इलाके में पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भी एक बवंडर ने भारी तबाही मचाई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। तेज तूफान के कारण 70 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है।

डिजिटल अरेस्ट मामलों की सुनवाई अगले सप्ताह

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत- संज्ञान लिया है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट एक हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि इस मामले में हमने एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की है, जिसे कोर्ट पढ़ ले, इसके बाद मामले पर आगे की सुनवाई करें। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में जांच का ज़िम्मा सीबीआई को सौंपा था। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी कोर्ट को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) इस समिति के अध्यक्ष हैं। इसके पहले 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामले में सुनवाई के दौरान कहा था कि ऐसे घोटालों में बैंक अधिकारी भी आरोपियों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। खासकर वरिष्ठ नागरिक इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक रिटायर्ड दंपति का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी ठगों ने छीन ली। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश कर बताया था कि डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए अब काफी व्यापक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार की गई है। कोर्ट ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने की बात कही थी।

मुरादाबाद में बड़ा सड़क हादसा- ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई कार, चार की मौत

मुरादाबा (एजेंसी)। लखनऊ दिल्ली नेशनल हाईवे पर रामपुर की तरफ से आ रही कार ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। इसमें एक युवक की पहचान हुईहै, जो नैनीताल का रहने वाला है। सोमवार सुबह मनकरा मोड़ के पास रामपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार आगे चल रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को तुरंत सीएचसी ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने कार सवार पांच युवकों में से चार को मृत घोषित किया। जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसे जिला अस्पताल रेफर किया है। मृतकों में से एक की पहचान दयाल सिंह निवासी अपर माल रोड, बीमिला कंपाउंड पालिवाल नैनीताल के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक यशदीप निवासी हल्द्वानी उत्तराखंड है।

अवैध रूप से चल रहे रिफिलिंग सेंटरों पर पुलिस ने की कार्रवाई, दो पर मामला दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एलपीजी सिलिंडर की किल्लत जारी है। धड़ल्ले से कालाबाजारी भी हो रही है। दिल्ली पुलिस ने रिहायशी इलाकों में अवैध रूप से चल रहे रिफिलिंग सेंटरों पर कार्रवाई की है। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पहला मामला गांधी नगर का है। पुलिस ने बताया कि बीट कांस्टेबल गश्त कर रहा था। तभी उसकी नजर एक व्यक्ति पर पड़ी जो बड़े सिलिंडर से छोटे सिलिंडर में गैस भर रहा था। उसकी दुकान में कई सिलिंडर रखे थे। जब उससे रिफिलिंग सेंटर चलाने के कागजात मांगे तो वह सकपका गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं दूसरा मामला न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र के करतार नगर में सामने आया। यहां भी एक व्यक्ति रिफिलिंग सेंटर चला रहा था। पुलिस ने सिलिंडर जमा करने के साथ ही मामला दर्ज कर लिया। दोनों ही मामलों में पुलिस पूछताछ कर रही है और लोगों को आसानी से एलपीजी मिल सके इसके पूरे प्रयास प्रशासन कर रहा है।

जेल में चींटियों ने याद दिलाया संघर्ष, सोनम वांगचुक ने शुरू की किताब 'फॉरएवर पॉजिटिव'

जोधपुर (एजेंसी)। लद्दाख के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जोधपुर सेंट्रल जेल में बिताए अपने 169 दिनों के अनुभवों को शब्दों में पिरोना शुरू कर दिया है। वे 27 सितंबर 2025 से 14 मार्च 2026 तक जेल में रहे। इस दौरान उन्होंने एक नई किताब लिखना शुरू की, जिसका संभावित शीर्षक फॉरएवर पॉजेटिव बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जेल में बिताए गए अनुभवों ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और वहीं से पुस्तक लिखने का विचार आया। यह किताब उनके संघर्ष, विचारों और जेल के अनुभवों पर आधारित होगी। जेल में वांगचुक को एकांत कारावास में रखा गया था। इस दौरान उनसे न तो अन्य कैदी मिल सकते थे और न ही जेल का सामान्य स्टाफ उनसे बातचीत कर सकता था। अकेलेपन के उस समय में उन्होंने पढ़ने और लिखने को अपना साथी बना लिया। एकांत में बिताए समय के दौरान एक दिलचस्प बात यह रही कि उनकी बैरक में मौजूद चींटियां उन्हें लगातार प्रेरित करती रहीं। वांगचुक अक्सर इन छोटी-छोटी चींटियों को देखते और सोचते थे कि कैसे वे मिलकर बड़े-बड़े काम कर लेती हैं। यह दृश्य उन्हें लद्दाख में चल रहे पर्यावरण और सामाजिक संघर्षों की याद दिलाता था। जेल में रहते हुए वे फर्श पर कंबल बिछाकर सोते थे और सादगीपूर्ण दिनचर्या का पालन करते थे। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने सकारात्मक सोच बनाए रखी और उसी भावना के साथ अपनी किताब लिखना शुरू किया। इस दौरान उनकी पत्नी गीतांजलि समय-समय पर उनसे मिलने जेल जाती थीं। मुलाकात के बाद वह वांगचुक के अनुभव और विचार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाती थीं।

डरने की जरूरत नहीं, साथ आइए हम मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे

बीजेपी को छोड़ चंद्रशेखर आजाद किसी भी दल से गठबंधन करने को तैयार

बाराबंकी (एजेंसी)। नगीना से सांसद और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने बीजेपी को छोड़कर किसी भी अन्य पार्टी के साथ गठबंधन करने की बात कही है। बाराबंकी पहुंचे चंद्रशेखर ने 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों को एकजुट होकर सत्तारूढ़ बीजेपी को चुनौती देने की अपील की है। उन्होंने ने यह बात कांशीराम जयंती के अवसर पर आयोजित एक विशाल जनसभा में कही। चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि बीजेपी से वैचारिक मतभेद के कारण उनके साथ कोई गठबंधन संभव नहीं है, लेकिन बाकी सभी दलों के साथ दरवाजे खुले हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बीजेपी से डरने की कोई जरूरत नहीं है। बस हमारे साथ आ जाइए, हम मिलकर इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। उन्होंने विपक्षी एकता पर बल देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से

वर्तमान सत्ता को हटाया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सभा में उन्होंने कानून-व्यवस्था पर तीखा हमला बोला। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के ÷हर कोने में यमराज÷ वाले बयान का जिक्र करते हुए चंद्रशेखर ने कहा कि बीजेपी से जुड़े अपराधी यमराज को भी छुट्टी पर भेज देते हैं। संभल, जौनपुर समेत कई घटनाओं का हवाला देते हुए उन्होंने सरकार पर नाकामी का आरोप लगाया। अपने वाहन पर पथराव और धमकियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वे नहीं डरते, क्योंकि उनका नाम चंद्रशेखर है और बाबासाहेब के संविधान की ताकत उनके साथ है।

रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखर आजाद ने कांशीराम के संघर्षों को याद करते हुए बहुजन समाज को सत्ता हासिल करने का आह्वान किया। उन्होंने अपनी पार्टी की नगीना लोकसभा सीट पर स्वतंत्र जीत का हवाला देते हुए कहा कि यह दलित और पिछड़े वर्गों में जागृति का प्रमाण है और 2027 में यह पार्टी किंगमेकर की भूमिका निभा सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भीम आर्मी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद थे। भीड़ को संभालने के लिए भारी पुलिस बल तैनात था।

दुबई में सुरक्षा संकट- दुबई के लिए उड़ा विमान वापस कोच्चि लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी) दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा घटना के चलते हवाई यात्रा में बड़ी बाधा आई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के ईंधन टैंक में एक संदिग्ध ड्रोन हमले के कारण आग लग गई, इसके बाद एमिरेट्स एयरलाइन ने सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित किया। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि फिलहाल एयरपोर्ट न जाएं। एमिरेट्स ने पोस्ट पर चेतावनी जारी कर कहा कि दुबई आने-जाने वाली सभी उड़ानें रोक दी गई हैं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के टकराने से आग लगने के कारण एयरपोर्ट पर हवाई यातायात तुरंत बंद कर दिया गया। यह घटना मध्य-पूर्व में पहले से बढ़ते तनाव के समय हुई है, जिससे क्षेत्रीय विमानन प्रभावित हो रहा है। इस संकट का असर भारत से दुबई जाने वाली उड़ानों पर भी पड़ा। उड़ान संख्या कोच्चि से 325 यात्रियों के साथ सुबह 4:30 बजे रवाना हुई थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से बीच रास्ते में वापस कोच्चि लौटने का निर्देश दिया गया। विमान सुबह 8:30 बजे सुरक्षित रूप से कोच्चि एयरपोर्ट पर उतरा। यात्रियों को विमान में ही बने रहने की सलाह दी गई ताकि स्थिति स्पष्ट होने पर उड़ान को फिर से शुरू किया जा सके। दुबई के अधिकारियों ने आग लगने की पुष्टि करते हुए बताया कि हवाई यातायात तत्काल बंद करना पड़ा। कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और सुरक्षा समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। इस बीच, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मध्य-पूर्व के लिए कुल 48 उड़ानें संचालित करने की योजना बनाई है। एयरलाइंस जेद्दा और मस्कट के लिए नियमित सेवाएं चलाएंगी, जिसमें दिल्ली और मुंबई से एक-एक वापसी सेवा और बेंगलुरु, कोझिकोड और मैंगलोर से एक-एक उड़ान शामिल है।

जज बदलने की हाईकोर्ट में याचिका खारिज, अब केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सीबीआई के उत्पाद शुल्क नीति मामले की याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने से इनकार करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दोनों ने 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक आवेदन के बाद निष्पक्षता को लेकर गंभीर आशंका व्यक्त की, जिसे मुख्य न्यायाधीश ने खारिज कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय के कार्यसूची के अनुरूप है और पुनर्नियुक्ति के लिए कोई प्रशासनिक आधार नहीं है। सीबीआई की याचिका, जो सोमवार को न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है, शराब लाइसेंसधारियों को तरजीह देने से जुड़े घोटाले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को निचली अदालत द्वारा 27 फरवरी को बरी किए जाने को चुनौती देती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति, जिसे अब रद्द कर दिया गया है, का उद्देश्य राजस्व वृद्धि के लिए शराब की बिक्री का निजीकरण करना था, लेकिन अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और सरकारी खजाने को हुए नुकसान के आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उपराज्यपाल के आदेश पर सीबीआई और ईडी ने जांच की। निचली अदालत ने सीबीआई के कुछ निष्कर्षों की आलोचना करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन न्यायमूर्ति शर्मा ने 9 मार्च को सभी 23 प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया, सीबीआई जांचकर्ता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक लगा दी, निचली अदालत की टिप्पणियों में प्रथम दृष्टया त्रुटियों को उजागर किया और संबंधित पीएमएलए कार्यवाही को स्थगित कर दिया। इन कदमों ने आम आदमी पार्टी के पक्षपात के दावों को और बल दिया।

आम आदमी पार्टी ने उच्च न्यायालय के पत्र की प्राप्ति की पुष्टि की, और केजरीवाल ने एसके शर्मा द्वारा 9 मार्च को निचली अदालत की टिप्पणियों पर बिना उनकी बात सुने रोक लगाने के आदेश का भी विरोध किया। सुप्रीम कोर्ट की याचिका में मामले की स्पष्ट रूप से निष्पक्ष सुनवाई के लिए संभावित रूप से मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग की है। इस घटनाक्रम ने न्यायमूर्ति शर्मा की सुनवाई से पहले तनाव बढ़ा दिया है, जो भ्रष्टाचार के इस हाई-प्रोफाइल मामले के बीच न्यायिक नियुक्तियों पर सवाल उठाने की आप की रणनीति को रेखांकित करता है।

बीजेपी का विजय को ऑफरट्ट अगर टीवीके-बीजेपी में बनी सहमति तो राज्य में बदल सकते हैं चुनावी समीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों से दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। बीजेपी और तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) मिलकर चुनाव लड़ सकती है। दोनों दलों बीच बातचीत जारी है। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक गठबंधन के चुनाव जीतने की स्थिति में पार्टी ने अभिनेता विजय को डिप्टी सीएम बनाने का आफर दिया है। प्रस्तावित सीट बंटवारे के तहत, बीजेपी ने टीवीके को 80 सीटें देने की भी पेशकश की है। अगर बात बनती है, तो राज्य में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं, जहां वोट शेयर में मामूली बदलाव भी अक्सर कड़े मुकाबले वाले निर्वाचन क्षेत्रों का नतीजा तय करते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय अभी भी सीएम पद पर नजर रखे हुए हैं, जो बातचीत का अहम मुद्दा है। बीजेपी विजय और उनकी पार्टी को एनडीए के बैनर तले लाने के लिए कोशिश कर रही है। भगवा पार्टी विजय से संपर्क साधने के लिए कई माध्यमों का इस्तेमाल कर रही है, जिनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम ने सक्रिय राजनीति में आने के बाद से ही तेजी से सुर्खियां बटोरी हैं। बीजेपी और टीवीके के बीच जो गठबंधन की बात करवा रहे हैं, वह किसी अन्य राज्य के उपमुख्यमंत्री बताए जा रहे हैं। उनके बारे में माना जाता है कि वे इस संपर्क प्रयास में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। बीजेपी की विजय में दिलचस्पी मुख्य रूप से तमिलनाडु में अभिनेता के प्रशंसक वर्ग से प्रेरित है। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि इस समर्थन का एक छोटा सा हिस्सा भी चुनावी नतीजों को काफी हद तक प्रभावित कर सकता है।

सूत्रों के मुताबिक बीजेपी नेताओं का मानना है कि राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में सिर्फ दो फीसदी वोट भी जीत की दिशा बदल सकते हैं। तमिलनाडु के चुनावी इतिहास में अक्सर जीत का अंतर बहुत कम रहा है, इसलिए वोटों में मामूली बदलाव भी राजनीतिक दृष्टि से अहम हो जाता है। इधर टीवीके अध्यक्ष विजय दिल्ली पहुंचे। हालांकि बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि एनडीए को तमिलनाडु में जीतने के लिए किसी भी पार्टी की जरूरत नहीं है। एनडीए मजबूत है और गठबंधन में किसी भी पार्टी की अपेक्षा नहीं करता है। 17 मार्च का विरोध प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि हम मजबूत और एकजुट हैं। पीएम मोदी तीन बार आ चुके हैं और चुनाव तिथियों की घोषणा के बाद दो या तीन बार और आएंगे। हम अपने रास्ते पर चल रहे हैं।

टीवीके के उप महासचिव सी टी आर निर्मल कुमार ने टीवीके पदाधिकारियों से अफवाहों पर विश्वास न करने और पार्टी की आधिकारिक घोषणा का इंतजार करने को कहा है। उन्होंने कहा कि ये अटकलें जनता का ध्यान मुद्दों से भटकाने के इरादे से फैलाई जा रही हैं और इसके लिए उन्होंने मीडिया और सोशल मीडिया के एक वर्ग को जिम्मेदार ठहराया।

अनंत सिंह का ऐलान अब नहीं लड़ूंगा चुनाव... नीतिश के राज्यसभा जाने पर

पटना (एजेंसी)। बिहार में राज्यसभा चुनाव के दौरान सोमवार को बाहुबली नेता अनंत सिंह वोट डालने के लिए पहुंचे। मतदान करने के बाद अनंत सिंह फिर से जेल लौट गए। इस दौरान उन्होंने कई अहम बयान दिए। अनंत सिंह ने ऐलान किया कि अब वे आगे कोई चुनाव नहीं लड़ने वाले है। उन्होंने कहा कि अब उनके बच्चे ही राजनीति में आगे बढ़ने और चुनाव लड़ने वाले है। बताया जा रहा है कि नीतीश के राज्यसभा जाने की चर्चा के बाद ही बाहुबली नेता सिंह ने यह फैसला लिया है। फिलहाल उनके बयान से बिहार की राजनीति में नई चर्चा शुरू हुई है। अनंत सिंह ने दावा किया कि एनडीए के सभी पांचों उम्मीदवार चुनाव जीतने वाले है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मजबूत है और सभी प्रत्याशियों की जीत तय है। नीतिश के राज्यसभा जाने के बाद अब बिहार में मुख्यमंत्री पद को लेकर भी बाहुबली सिंह ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि निशांत कुमार में मुख्यमंत्री बनने के सभी गुण मौजूद हैं। हालांकि बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, यह फैसला बड़े नेता करने वाले है। बता दें कि पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव अनंत को धमाकेदार जीत मिली थी। उन्होंने मोकामा सीट से 28,206 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। अनंत सिंह ने आरजेडी की उम्मीदवार वीणा देवी को हराया था। अनंत को 91,416 वोट मिले, जबकि वीणा देवी को 63,210 वोट मिले। जेल में रहने के बावजूद अनंत सिंह ने ये चुनाव जीता था। 3 फरवरी 2026 को उन्हें जेल से पुलिस की गाड़ी में बिहार विधानसभा लाया गया। जहां उन्होंने विधायक पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्हें फिर से जेल वापस ले जाया गया।

सावधान! हरिद्वार में बेखौफ घूम रहे भालू से "खौफजदा ग्रामीण"

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार के लालढांग क्षेत्र में जंगली भालू की दहशत बनी हुई है। लालढांग के कटेबढ़ गांव में दिन दहाड़े भालू आने से लोगों में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और भालू को खदेड़ने का प्रयास शुरू किया। लेकिन भालू जंगल में जाने की बजाय नेताजी सुभाष चंद्र बोस छात्रावास तक पहुंच गया। इतना ही नहीं एक ग्रामीण के घर में भी भालू घुस गया। कड़ी मशक्कत के बाद भालू को जंगल में खदेड़ा गया। सोशल मीडिया पर आबादी में भालू के भागते हुए वीडियो भी वायरल हो रहा है।

गौरतलब है कि हरिद्वार के लालढांग क्षेत्र में पिछले कई दिनों से भालू आबादी के पास घूमता हुआ दिखाई दे रहा है। आबादी में भालू की दस्तक से ग्रामीण दहशत में आ गए हैं। बीते रविवार दोपहर के वक्त लालढांग क्षेत्र के कटेबढ़ गांव में भालू दिखाई दिया। आबादी में दिन दहाड़े भालू आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोग भालू को भगाने लगे रहे और भालू इधर उधर भागता रहा। सूचना मिलते ही वन विभाग के कोटा सेक्शन अधिकारी गौतम राठौड़ टीम लेकर मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने भालू को जंगल में भगाने का प्रयास शुरू किया। भागते हुए भालू जंगल की बजाय छात्रावास तक पहुंच गया। एहतियातन छात्रावास में दरवाजे बंद किए गए। कड़ी मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम ने भालू को ग्रामीणों की मदद से जंगल की खदेड़ गया। सोशल मीडिया पर भालू का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में भालू आने के बाद अफरा तफरी का माहौल नजर आ रहा है। वहीं ग्रामीण गुरविंदर सिंह ने बताया कि जब भालू को गांव की ओर से जंगल की ओर खदेड़ रहे थे, उसी समय भालू एक ग्रामीण में घर के आंगन में आ गया और किसी तरह से भालू को बाहर निकाला। गांव के योगराज सिंह ने बताया गांव में इस तरह से भालू के आने से किसान अपने खेतो में भी नहीं काम कर पा रहे हैं। क्योंकि भालू अकेला देखकर व्यक्ति पर हमला कर सकता है। गांव के पंकज सैनी ने बताया कि दो दिन पूर्व बगल के गांव मोल्हापुरी में दिन में भालू दिखाई दिया था। ग्रामीणों ने वन विभाग से भालू से निजात दिलाने की मांग की है। वहीं सेक्शन अधिकारी गौतम राठौड़ ने बताया कि भालू को पटाखे छोड़कर गांव से बाहर जंगल की ओर खदेड़ दिया गया है और क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है और भालू की निगरानी की जा रही है।

पीएम मोदी के परियोजनाओं के उद्घाटन करते ही कर दिया चुनाव तारीखों का ऐलान

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा- आयोग बीजेपी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आयोग बीजेपी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं की घोषणा के ठीक अगले दिन ही चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहा है। पीएम मोदी पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हैं और ठीक अगले दिन राज्य चुनावों की तारीखों का ऐलान यह सरासर धांधली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भगत ने केंद्र सरकार पर सुनियोजित तरीके से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव की बात करती है, लेकिन आगामी

विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों के लिए मतदान की तारीखें और परिणाम घोषित होने का दिन एक दूसरे से बहुत दूर रखा गया है। तो क्या आपको नहीं लगता कि यह सब सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है? जितना ज्यादा विलंब होगा, उतना ही परिणाम बीजेपी के पक्ष में जाएगा। आप पिछले रिकॉर्ड देख सकते हैं। इन सब कारणों से लोग उन पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

ये टिप्पणियां रविवार को चुनाव आयोग द्वारा चार राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद आई है। कार्यक्रम के मुताबिक पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा। केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि चारों राज्यों और पुडुचेरी में वोटों की गिनती 4 मई को होगी। वर्तमान विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल में 7 मई, तमिलनाडु में 10 मई, असम में 20 मई, केरल में 23 मई और पुडुचेरी में 15 जून।

भारत स्थित ईरान के दूतावास ने बैंक खाता साझा कर नागरिकों से मांगी मानवीय सहायता

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी भीषण युद्ध और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के दोहरे दबाव ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर संकट में डाल दिया है। सैन्य शक्ति और उन्नत ड्रोन तकनीक का दम भरने वाले ईरान की माली हालत इस कदर बिगड़ चुकी है कि अब उसे दुनिया भर से आर्थिक मदद की गुहार लगानी पड़ रही है। इसी कड़ी में, नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए सोशल मीडिया पर आधिकारिक रूप से अपना बैंक खाता विवरण साझा किया है और भारतीय नागरिकों से दान देने की अपील की है।

ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी कि उन्हें कई भारतीय नागरिकों की ओर से मानवीय सहायता प्रदान करने के अनुरोध प्राप्त हो रहे थे। इन अनुरोधों को आधार बनाकर दूतावास ने एम्बेसी ऑफ ईरान के नाम से भारतीय स्टेट बैंक का खाता नंबर (11084232535) और आईएफएससी कोड (एसबीआईएन 0000691) सार्वजनिक किया है। सहायता राशि भेजने वाले दानदाताओं से अपने भुगतान का स्क्रीनशॉट एक विशेष व्हाट्सएप नंबर पर साझा करने को भी कहा गया है। हालांकि दूतावास इसे शुद्ध रूप से मानवीय सहायता का नाम दे रहा है, लेकिन वैश्विक विशेषज्ञों का मानना है कि यह सीधे तौर पर ईरान की चरमराती अर्थव्यवस्था को संभालने की एक कोशिश है। ईरान की तिजोरी खाली होने के पीछे कई बड़े कारण माने जा रहे हैं। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के प्रमुख तेल क्षेत्रों और सैन्य ठिकानों पर की गई बमबारी ने उसकी आय के मुख्य स्रोतों को तहस-नहस कर दिया है। इसके अलावा, पिछले वर्ष परमाणु वार्ता विफल होने के बाद संयुक्त राष्ट्र द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों ने विदेशी व्यापार को ठप कर दिया है। ईरान की मुद्रा रियाल अपनी ऐतिहासिक गिरावट पर है, जिसके चलते वहां की संसद को मुद्रा से चार जीरो हटाने जैसा सख्त कदम उठाना पड़ा था, फिर भी महंगाई को नियंत्रित नहीं किया जा सका। भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जहां से तेहरान ने मदद की उम्मीद जताई है। इससे पहले मार्च की शुरुआत में बैंकॉक स्थित ईरानी दूतावास ने भी देश के पुनर्निर्माण के लिए इसी तरह की अपील की थी। रोचक तथ्य यह है कि कुछ समय पूर्व बीजिंग में ईरानी दूतावास ने व्यक्तिगत दान लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन अब भारत और थाईलैंड में सार्वजनिक रूप से बैंक खाते साझा करना यह दर्शाता है कि पिछले कुछ हफ्तों में ईरान के भीतर युद्ध जनित हालात और अधिक बिगड़ गए हैं। तेहरान अब अपनी वॉर मशीन को चलाने और बुनियादी नागरिक सुविधाओं को बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के व्यक्तिगत सहयोग पर निर्भर होता दिख रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)